3 | राजधानी
आज बरसात के आसार

6 | अभिमत
भारतीय सेलेब्रिटीज और नारीवाद

10 | स्पोर्ट्स
हालेप को इटालियन ओपन का खिताब

11 | विदेश
इमरान खान को हटाने के लिए विपक्ष का गठबंधन

RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 316
नई दिल्ली, मंगलवार, 22 सितंबर, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

सभी फिल्म सिटीज़ की हो एक सामूहिक पहचान
विविध-12

www.dailypioneer.com

हंगामे पर एक्शन, 8 सांसद निलंबित

रास सभापति नायडू का कड़ा फैसला, संसद भवन परिसर में रात भर के धरने पर बैठे निलंबित विपक्षी सांसद

कृषि सुधार विधेयक

- उपसभापति हरिवंश के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस नामंजूर
- विपक्षी दलों की राष्ट्रपति से गुहार- किसान विरोधी बिलों पर न करें हस्ताक्षर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में कृषि विधेयकों और आठ सांसदों के निलंबन के विरुद्ध धरना देते विपक्षी दलों के सांसद

राज्यसभा सभापति वेंकैया नायडू ने सोमवार को विपक्ष के आठ सांसदों को सदन की कार्यवाही से पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया। रविवार को कृषि से जुड़े दो विधेयक सदन में पास हुए थे। चर्चा के दौरान इन विपक्षी सांसदों ने वेल में आकर जमकर नारेबाजी तथा हंगामा किया था और उपसभापति हरिवंश का माइक निकालने की कोशिश की थी। नायडू ने हरिवंश के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव नोटिस को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह उचित प्रारूप में नहीं था। निलंबित किए गए सदस्यों में कांगेस के राजीव सातव, सैयद नजीर हुसैन और रिपुन बोरा, तृणमूल के ब्रायन और डोला सेन, माकपा के केके रागेश और इलामारम करीम व आप के संजय सिंह शामिल हैं। इन सभी पर उपसभापति के साथ असंसदीय व्यवहार करने का आरोप है। निलंबित सदस्यों ने सदन से बाहर जाने से इनकार कर दिया। वे और कुछ अन्य सदस्य इस दौरान सदन में विरोध जताते रहे। हंगामे की वजह से सदन का कामकाज बार बार बाधित हुआ।

विपक्ष ने सदस्यों के निलंबन को लेकर सरकार पर जमकर हमला बोला। इस कदम के विरोध में संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया तथा विपक्षी सदस्य रात भर के लिए धरने पर बैठ गए। निलंबित सदस्य कल फिर उच्च सदन में प्रवेश करने का प्रयास करेंगे। यदि उन्हें रोका गया तो विरोध प्रदर्शन संसद के लॉन में जारी रहेगा। इससे पहले इस तरह का रात भर का विरोध प्रदर्शन आंध्र प्रदेश पुनर्गठन बिल के वक्त हुआ था जब सदस्य लोकसभा में तड़के तक रुके हुए थे और बाद में वहां से चले गए थे। कांग्रेस ने सदस्यों के निलंबन को 'अलोकतांत्रिक' और 'एकतरफा' करार दिया। निलंबित सांसदों में कांग्रेस के भी तीन सदस्य शामिल हैं। विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से अनुरोध किया है कि वह इन दोनों प्रस्तावित कानूनों पर हस्ताक्षर नहीं करें। संसदीय कार्य राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने कल के हंगामे में असंसदीय आचरण को लेकर विपक्ष के आठ सदस्यों को मौजूदा सत्र के शेष समय के लिए निलंबित किए जाने का प्रस्ताव पेश किया। इसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान कर दी। इससे पहले सभापति नायडू ने उपसभापति हरिवंश के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव नोटिस का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष और 46 सदस्यों का एक पत्र मिला है जिसमें आरोप लगाया गया है कि रविवार को कृषि संबंधी दो विधेयकों को पारित किए जाने के दौरान स्थापित संसदीय प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। सभापति ने कहा कि प्रस्ताव निर्धारित प्रारूप में भी नहीं है और इसके लिए जरूरी (शेष पेज 9)

किसानों के गुस्से पर एमएसपी का मलहम

- केंद्र ने बढ़ाया रबी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य, बिहार विस चुनाव से ऐन पहले आंदोलन थामने की कोशिश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कृषि विधेयकों के खिलाफ पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों के आंदोलनकारी किसानों को शांत करने के लिए सरकार ने रबी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ा दिया है। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने सीजन 2021-22 के लिए जिन फसलों का एमएसपी बढ़ाने का ऐलान किया, उनमें गेहूं, चना, मसूर, सरसों, कुसुम और अन्य उपज शामिल हैं। बिहार विधानसभा चुनाव सिर पर हैं और किसानों का आंदोलन फैलता जा रहा है। ऐसे में फौरी तौर पर किसानों को राजी करना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। एक तरफ बिहार में बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन करते के मौके पर पीएम मोदी ने कृषि बिलों की जरूरत, उपयोगिता और विशेषताएं गिनाईं, दूसरी ओर सीसीईए ने एमएसपी बढ़ाकर किसानों के जख्मों पर मलहम लगाने की कोशिश की है। गेहूं का एमएसपी 50 रुपये बढ़ाकर 1975 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि चने के लिए 225 रुपये की बढ़ोतरी एमएसपी में की गई है। अब चना सरकारी खरीद में 4875 रुपये के बजाय 5100 रुपये प्रति क्विंटल बिकेगा। सीसीईए के फैसले के अनुसार, मसूर दाल के लिए एमएसपी 4800 रुपये से बढ़ाकर 5100 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। इसमें सीधी 300 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। रेपसीड और सरसों के एमएसपी में 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अब तक 4425 रुपये प्रति क्विंटल बिकने वाले सरसों और रेपसीड अब 225 रुपये अधिक 4650 रुपये में बिकेगी। जौ के लिए एमएसपी में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पहले 1525 रुपये से बढ़ाकर इसका एमएसपी 1600 रुपये किया गया है। कुसुम के एमएसपी में 112 रुपये की वृद्धि (शेष पेज 9)

संसद में पारित दोनों कृषि बिल 21वीं सदी की जरूरतः मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कृषि विधेयक संसद से पास हो चुके हैं लेकिन विपक्ष और किसानों की आशंकाएं बनी हुई हैं और हरियाणा-पंजाब में किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये विधेयक 21वीं सदी के भारत की जरूरत हैं। साथ ही प्रधानमंत्री ने किसानों को भरोसा दिलाया कि फसलों की सरकारी खरीद, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और सरकारी मंडी जैसी व्यवस्थाएं जस की तस जारी रहेंगी। विपक्षी दलों और किसान संगठनों की सबसे बड़ी चिंता यह है कि ये बिल कॉरपोरेट व्यवस्था को बढ़ावा देंगे और छोटे सीमांत किसानों को नुकसान होगा। इस आशंका को दूर करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कानून में बदलाव छोटे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाएंगे। उन्होंने एमएसपी को लेकर उठे विवाद के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में इन ऐतिहासिक बदलावों के बाद व्यवस्था में बहुत बड़ा परिवर्तन होने वाला है। इससे कुछ लोगों को अपने हाथ से नियंत्रण जाता हुआ दिखाई दे रहा है। इसलिए अब (शेष पेज 9)

एलएसी तनाव पर सैन्य-राजनयिक स्तरीय वार्ता

टकराव वाले सभी इलाकों से सेना हटाने पर भारत का जोर

- चीन चाहता है पहले पैगोंग त्सो लेक के दक्षिणी किनारे स्थित चोटियों को खाली करे भारतीय सेना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बरकरार तनाव खत्म करने के लिए भारत-चीन के बीच छह सप्ताह बाद सोमवार को सैन्य स्तर पर बातचीत हुई। बैठक में दोनों पक्षों ने एक बार फिर पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले इलाकों से सशस्त्र सैनिकों की जल्द वापसी और बलों की संख्या घटाने पर जोर दिया। भारत ने दो टूक शब्दों में कहा कि लद्दाख के सभी तनावपूर्ण स्थानों से सेनाएं पीछे हटनी चाहिए जबकि चीन का कहना था कि पहले भारतीय सेना को पैगोंग त्सो (लेक) के दक्षिणी किनारे पर स्थित चोटियों को खाली करना होगा। दोनों देशों में पिछले दौर की सैन्य स्तरीय वार्ता 2 अगस्त को हुई थी।

पिछले चार महीनों से सीमा पर कायम अस्थिरता भरे हालात की पृष्ठभूमि में मुद्दे की जटिलता व संवेदनशीलता को गंभीरता से लेते भारत-चीन के प्रतिनिधियों ने परस्पर बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई। विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग यी की द्विपक्षीय बैठक में तय किए गए पांच सूत्री रोडमैप के अनुपालन पर भी दोनों पक्ष राजी हुए। जयशंकर और वांग ने बीते 10 सितंबर को मास्को में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन के इतर एलएसी पर तनाव के मसले पर पहली बार आमने-सामने की चर्चा की थी।

राजनीतिक स्तर पर तैयार की गई गाइडलाइन के साथ सोमवार को चीन की तरफ स्थित चुशूल के मोल्डो में संपन्न बैठक पिछली बैठकों से थोड़ा (शेष पेज 9)

भारत में कोविड-19 के 86,961 नए मामले, 1130 लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 86,961 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले सोमवार को बढ़ कर 54,87,580 हो गए। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश में 43,96,399 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के बाद मरीजों के ठीक होने की दर बढ़ कर अब 80.12 प्रतिशत हो गई। मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार देश में कोविड-19 के अभी तक कुल 54,87,580 मामले सामने आए हैं। वहीं, पिछले 24 घंटे में 1,130 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 87,882 हो गई। आंकड़ों के अनुसार मृत्यु दर गिर कर 1.6 प्रतिशत हो गई है। देश में अभी 10,03,299 मरीजों का कोरोना वायरस का इलाज जारी है, जो कुल मामलों का 18.28 प्रतिशत है। भारत में कोविड-19 के मामले 21 दिन में 10 से 20 लाख के पार हुए थे। इसके बाद 16 दिन में में 20 से 30 लाख और 13 दिन में 30 से 40 लाख का आंकड़ा पार किया था।

भिवंडी में ढही इमारत, 13 व्यक्तियों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। ठाणे

भिवंडी में इमारत गिरने के बाद राहत और बचाव कार्य में लगे कर्मचारी

महाराष्ट्र के भिवंडी नगर में सोमवार तड़के तीन मंजिला एक इमारत के गिर जाने से सात बच्चों सहित 13 व्यक्तियों की मौत हो गई जबकि चार वर्षीय बच्चे सहित 20 लोगों को मलबे से निकाला गया। पुलिस ने बताया कि 43 वर्ष पुरानी झिलानी इमारत आज तड़के तीन बजकर 40 मिनट पर गिरी और हादसे में मरने वालों में दो साल का बच्चा भी शामिल है। ठाणे आपदा मोचन बल (टीडीआरएफ) के कर्मी मलबे से उबेद कुरैशी नाम के एक बच्चे को निकालते और उसे पानी पिलाते देखे गए। भिवंडी, ठाणे से करीब 10 किलोमीटर दूर स्थित एक पावरलूम नगर है। एक अधिकारी ने बताया कि इस इमारत में 40 फ्लैट थे और करीब 150 लोग इस इमारत में रहते थे। एक निकाय अधिकारी ने बताया कि धमनकर नाका के पास नरपोली में पटेल कम्पाउंड स्थित इमारत जिस समय गिरी, उस समय उसमें रहने वाले लोग सो रहे थे। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। एनडीआरएफ के महानिदेशक एस. एन. प्रधान ने बताया कि टीमें मलबे में फंसे लोगों का पता लगाने के लिए एक श्वान दस्ते का इस्तेमाल कर रही हैं। ठाणे नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि इमारत का एक हिस्सा धराशाई हो गया और इमारत में रहने वाले कई लोग मलबे में फंस गए हैं। उन्होंने कहा कि यह इमारत भिवंडी-निजामपुर नगर निगम के जीर्ण-शीर्ण इमारतों की सूची में शामिल नहीं थी। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि इमारत के गिरने के तत्काल बाद निवासी मौके पर पहुंचे और लोगों को मलबे से निकालने में मदद की। अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति रोक दी गई है। अधिकारी ने बताया कि घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। भिवंडी के पुलिस उपायुक्त राजकुमार शिंदे ने बताया कि इमारत गिरने के बाद नगर निकाय के अधिकारियों की शिकायत पर इमारत के मालिक सैय्यद अहमद जिलानी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा-337, 338, 304 (2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। ठाणे के प्रभारी मंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि इमारत गिरने की जांच की जाएगी। उन्होंने घटनास्थल का दौरा किया और प्रत्एक मृतक के परिवार को पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भिवंडी में 102 खतरनाक (शेष पेज 9)

हेरोइन के लपेटे में हीरोइनें, श्रद्धा सारा से भी हो सकती है पूछताछ

सुशांत सुसाइड मिस्ट्री

- चार अभिनेत्रियों को इस सप्ताह नोटिस भेज सकती है एनसीबी

श्रद्धाकपूर

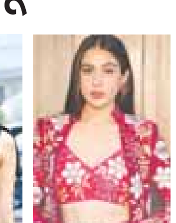
सारा अली खान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में जुड़े ड्रग एंगल को लेकर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) इसी सप्ताह सारा अली खान, रकुलप्रीत कौर, श्रद्धा कपूर और सिमोन को पूछताछ के लिए नोटिस भेज सकती है। ड्रग्स तस्करों से पूछताछ में इनका नाम सामने आया है। सूत्रों ने कहा कि एनसीबी ने श्रुति मोदी और जया शाह को सोमवार को नोटिस देकर पूछताछ के लिए बुलाया है। सुशांत की दोस्त रिया चक्रवर्ती, रिया के भाई शौविक के साथ-साथ एनसीबी ने मुम्बई में अलग-अलग ठिकानों पर छापे मारकर करीब डेढ़ दर्जन लोगों को पकड़ा था, जिनमें कई ड्रग पैडलर हैं। इन लोगों के सम्बंध बॉलीवुड ड्रग रैकेट से बताए जा रहे हैं। रिया और शौविक दोनों ही सुशांत के लिए ड्रग खरीदने की बात कबूल कर चुके हैं। इस बीच एनसीबी की एक टीम ने लोनावाला में हैंगआउट बंगले की तलाशी ली है। खबर है कि वहां एनसीबी को नशे के आरोपों से जुड़े कई ठोस सबूत मिले हैं। इसके अलावा, सुशांत सिंह की टैलेंट मैनेजर जया साहा और एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की चैट सामने आई हैं जिसमें श्रद्धा जया से सीबीडी ऑयल मांग रही हैं। इससे पहले जया की रिया चक्रवर्ती के साथ चैट भी वायरल हुई थी। जांच एजेंसी इस मामले में जानना चाहती है कि आखिर जया कहां से सेलेब्स के लिए सीबीडी ऑयल मंगाती थी। जया यह बात स्वीकार कर (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	38,034	↓	812	
निफ्टी	11,251	↓	254	
सोना	52,423	↓	326	/10g
चांदी	68,289	↓	945	/kg

क्विक न्यूज

बैंकों से 1,400 करोड़ की धोखाधड़ी में छापेमारी

नई दिल्ली। सीबीआई ने बैंक ऑफ इंडिया नीत सहायता संघ से कथित धोखाधड़ी कर उसे करीब 1,400 करोड़ का नुकसान पहुंचाने की आरोपी दिल्ली की डेयरी उत्पाद कंपनी क्वालिटी लिमिटेड और उसके निदेशकों के आठ ठिकानों पर सोमवार को छापे मारे। सीबीआई ने क्वालिटी लिमिटेड और इसके निदेशकों संजय ढीगरा, सिद्धांत गुप्ता, अरुण श्रीवास्तव के अलावा अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। सीबीआई प्रवक्ता आरके गौड़ ने कहा, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले सहायत संघ को करीब 1400.62 करोड़ का चूना लगाया। संघ मे केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, कॉरपोरेशन बैंक, आईडीबीआई, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, धन लक्ष्मी बैंक और सिंडिकेट बैंक शामिल है।

पहली बार नौसेना के युद्धपोत पर तैनात होंगी दो महिला एविएटर्स, वायुसेना का राफेल उड़ाने को तैयार एक महिला पायलट

समंदर ने फैलाई बांहें-खुल गया आसमान

पायनियर समाचार सेवा। कोच्चि/नई दिल्ली

दक्षिणी नौसेना कंमाड कोच्चि में सब लेफ्टिनेंट रीति सिंह और सब लेफ्टिनेंट कुमुदिनी त्यागी

लैंगिक समानता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारतीय नौसेना ने पहली बार दो महिला अधिकारियों को अग्रिम मोर्चो पर तैनात युद्धपोत पर मौजूद हेलीकॉप्टर के परिचालन के लिए चुना है जो अल्पकालिक और दीर्घकालिक मिशन पर अपनी सेवाएं देंगी। एक अन्य घटनाक्रम में भारतीय वायुसेना हाल ही में उसके बेड़े में शामिल राफेल विमानों को उड़ाने के लिए एक महिला पायलट को ट्रेनिंग दे रही है। आईएएफ पहले ही दस महिला ऑफिसरों को मिग-21एस जैसे विभिन्न विमानों को उड़ाने के लिए शामिल किया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सब लेफ्टिनेंट कुमुदिनी त्यागी और सब लेफ्टिनेंट रीति सिंह ने हेलीकॉप्टर वर्ग में 'ऑब्जर्वर' (हवाई रणनीतिकार) का पाठ्यक्रम पूरा किया है और उन्हें चालक दल सदस्य के तौर पर युद्धपोत पर तैनात किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस की नौसेनाओं की तरह भारतीय नौसेना को अभी युद्धपोत पर महिला अधिकारियों की तैनाती करनी है। भारतीय नौसेना ने बयान में कहा, 'भारतीय नौसेना के उड्डयन इतिहास में एक और पहली बार हुआ है। दो महिला अधिकारियों को हेलीकॉप्टर वर्ग में हवाई रणनीतिकार के तौर पर शामिल होने के लिए चुना गया है। यह हवाई युद्ध में यह महिलाओं की पहली टीम होगी जो युद्धपोत से परिचालन करेंगी।' हवाई रणनीतिकार के तौर पर दोनों अधिकारी उस टीम का हिस्सा होंगी जो नौसेना में युद्धपोत पर तैनात हेलीकॉप्टर के विभिन्न लड़ाकू और रणनीतिक पहलुओं के परिचालन को देखती है जब उनकी तैनाती मिशन पर होती है। नौसेना ने बताया कि त्यागी और सिंह नौसेना के 17 अधिकारियों के समूह का हिस्सा हैं जिन्हें आईएनएस गरुड़ पर आज हुए समारोह में 'ऑब्जर्वर' के तौर पर पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद 'विंग' से सम्मानित किया गया। इस समूह में नौसेना की कुल चार महिला अधिकारी और भारतीय तटरक्षक बल के तीन अधिकारी शामिल हैं। नौसेना के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने पहचान गोपनीय रखते हुए कहा कि दो महिला अधिकारियों की नयी भूमिका के लिए चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है और यह अग्रिम मोर्चे पर तैनात युद्धपोत की महिला कमांडर होने के पूर्व का कदम है। नौसेना बेड़े में मौजूद टैंकरों पर महिला कर्मियों को रणनीतिक और चिकित्सा शाखा में तैनात करती है लेकिन यह पहली बार होगा जब उन्हें विध्वंसक पोत या युद्धपोत पर तैनात किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल नौसेना ने दो महिला पायलट की तैनाती डोर्नियर विमान बेड़े के चालक के तौर पर की गई थी। समुद्रीय निगरानी करने वाले पी-8आई बेड़े में भी महिला अधिकारी तैनात हैं। हालांकि, डोर्नियर और पी-8आई तट पर बनी हवाई पट्टी से उड़ान भरते हैं। सूत्रों ने बताया कि सब लेफ्टिनेंट त्यागी और सब लेफ्टिनेंट सिंह नौसेना के समुद्री हेलीकॉप्टर एमएच-60 सीहॉक के तकनीकी दल का हिस्सा हो सकती हैं। भारत अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन से भारतीय नौसेना के लिए 2.6 अरब डॉलर की लागत से 24 एमएच-60 रोमियो हेलीकॉप्टर खरीद रहा है। अधिकारियों ने बताया (शेष पेज 9)

प्रशिक्षण उड़ान के दौरान विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत

पायनियर समाचार सेवा। आजमगढ़

उप्र के आजमगढ़ जिले के सरायमीर थाना क्षेत्र में सोमवार को खराब मौसम के कारण चार सीटों वाला एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें 21 वर्षीय प्रशिक्षु पायलट की मौत हो गई। आजमगढ़ के जिलाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि सरायमीर थाना क्षेत्र के कुशहां फरिउद्दीनपुर गांव के समीप एक खेत में यह विमान गिरा। उन्होंने बताया कि इस विमान ने सुबह साढ़े दस बजे एक प्रशिक्षण संस्थान से उड़ान भरी थी। विमान को एक प्रशिक्षु पायलट चला रहा था। इस विमान (शेष पेज 9)

कोरोना से निपटने में प्रदेशवासियों ने किया सरकार का सहयोग : सीएम

भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री ने किया सेवा ही संगठन ई-बुक का विमोचन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कोरोना आपदा से निपटने के लिए आमजन के साथ सामाजिक संगठनों से सरकार का पूरा सहयोग किया। कोरोना आपदा कोष में सहायता राशि जमा कराने से लेकर गरीबों को राशन पहुंचाने में आमजन पीछे नहीं रहा। भाजपा कार्यकर्ता भी सेवा भाव के साथ हर मोर्चे पर डटे रहे। सेवा संकल्प के रूप में रहे इसी उद्देश्य को लेकर भाजपा की ओर से सेवा ही संगठन ई-बुक तैयार की गई है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल सोमवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में सेवा ही संगठन ई-बुक का विमोचन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना राहत आपदा कोष में करीब 290 करोड़ रुपये की राशि जमा हुई है, जिसे खर्च करने के लिए कमेटी गठित की गई है। कहीं पर किसी की सहायता से लेकर खाद्य सामग्री पहुंचाने से लेकर का काम तुरंत किया जा रहा है।

प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना से पूरे विश्व में भयावह की स्थिति पैदा हो गई थी। लॉकडाउन की अवधि के दौरान भाजपा की ओर से 1 करोड़ 46 लाख से अधिक खाने के पैकेट और गांवों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों को 13 लाख से अधिक सूख राशन के पैकेट पहुंचाए गए।

भाजपा सरकार ने 8 लाख प्रवासी मजदूरों को भी अपने घर सकुशल पहुंचाया। इसी अवधि के भीतर 21 लाख मास्क तथा 20 लाख सेनिटाइजर भी वितरित किए गए। इसके साथ ही करीब 18 हजार युवाओं व स्वयं सेवकों को चिह्नित किया, जिन्होंने बुजुर्ग व बीमार लोगों की सहायता की।

मंच संचालन प्रदेश महामंत्री एडवोकेट वेदपाल ने किया। इस अवसर प्रदेश संगठन मंत्री सुरेश भट्ट और प्रदेश प्रवक्ता रणदीप घनघस प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

किसानों को पूंजीपतियों का गुलाम बनाने का कर रही प्रयास

छुट्टी के दिन जबरदस्ती कानून पास कराया, देश के लिए काला दिन

भिवानी। कांग्रेस विधायक किरण चौधरी ने किसानों को लेकर बनाए गए कानून पर केंद्र व प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार कानून बनाकर किसानों को पूंजीपतियों के हाथों बेचना चाहती है और किसानों को पूंजीपतियों के गुलाम बनाना चाहती है, उन्होंने कहा कि छुट्टी के दिन राज्यसभा में जबरदस्ती बिल को पास कराया जो दिखाता है कि सरकार किस कदर तानाशाही पर उतर आई है।

किरण चौधरी ने कहा कि कोरोना की आड़ में सरकार कृषि अध्यादेश लेकर आई ताकि कोरोना के नाम पर इसका कोई विरोध नहीं करेगा। जब किसानों ने अपनी बात रखनी चाही तो किसानों पर लाठियां बरसाई गई, देश के अन्नदाताओं के ऊपर किए गए अत्याचार का केंद्र व प्रदेश की गठबंधन सरकार को भुगतना होगा और किसानों पर पड़ी एक एक लाठी का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की गठबंधन सरकार को इस कानून का विरोध करना चाहिए पर प्रदेश की बहरी व गूंगी सरकार अपनी जुबान नहीं खोल पा रही और जब किसान अपनी आवाज बुलंद करने के लिए सड़क पर आया तो प्रदेश की गठबन्धन सरकार किसानों पर लाठियां बरसा रही है इसका खामियाजा प्रदेश की गठबन्धन सरकार को भुगतना होगा। किरण चौधरी ने कहा कि कोरोना की आड़ में देश के बेशकीमती संसाधनों को पूंजीपतियों के हाथों बेच चुकी केंद्र सरकार अब किसानों को बेचने पर तुली हुई है।

संक्षिप्त समाचार

जिला शारीरिक शिक्षकों से पुलिस की हुई झड़प

भिवानी। अपनी बहाली की मांग के समर्थन में हरियाणा शारीरिक शिक्षक अपने तय कार्यक्रमानुसार सोमवार को स्थानीय लघु सचिवालय से जुलूस की शक्ल में सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कृषिमंत्री जेपी दलाल की अनुपस्थिति में उनके पीए को उनके आवास पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नाम मांगपत्र भेजा। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व हरियाणा शारीरिक शिक्षक संघर्ष समिति के राज्य संयोजक धर्मेंद्र पहलवान व जिला शारीरिक शिक्षक संघर्ष समिति के जिला संयोजक दिलबाग जांगड़ा संयुक्त रूप से कर रहे थे। प्रदर्शन में चार जिलों के शारीरिक शिक्षकों ने भाग लिया। जिनमें चरखी दादरी, भिवानी, रोहतक, झज्जर आदि थे। इनेलो महिला विंग की जिला प्रधान इंदु परमार ने भी अपना समर्थन दिया। जिला शारीरिक शिक्षकों के साथ पुलिस की तीखी नोकझोंक भी हुई। पुलिस प्रशासन ने कृषिमंत्री जेपी दलाल के आवास के बाहर बैरीकेड लगा रखे थे, जिसे शारीरिक शिक्षकों ने बैरीकेड लांगते हुए उनके आवास का घेराव किया। इससे पहले सभी शारीरिक शिक्षक यहां लघु सचिवालय के बाहर एकत्रित हुए वहां पर एक सभा का अयोजन किया। उन्होंने कहा कि एक अक्टूबर को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ शारीरिक शिक्षकों के प्रतिनिधियों की वार्तालाप होगी। अगर शारीरिक शिक्षकों को बहाल नहीं किया गया तो वे 2 अक्तूबर को महात्मा गांधी जयंती पर पूरे हरियाणाभर से चार जत्थे निकाले जाऐंगे।

भिवानी जिले में कोरोना के 22 नए पोजिटिव केस आए

भिवानी। भिवानी जिले में आज सोमवार को 22 नए कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए है। जिनमें से दो सेक्टर 13 से एक जागृति कालोनी भिवानी से दो जैन चौक भिवानी से एक बिचला बाजार भिवानी से एक अन्य रोहतक जिले से दो गांव कोहाड़ से एक गांव बलियाली से एक गांव बड़सी जाटान से एक तोशाम से एक बाढ़ड़ा से एक सिंघानी से एक जगत कालोनी से एक गांव पालुवास से एक गांव तिगड़ाना से एक गांव धारवानबास से एक डीसी कालोनी भिवानी से दो बिचला बाजार भिवानी से और एक लोहड़ बाजार भिवानी से है। अब तक जिले में कुल 2409 कोरोना पॉजिटिव हो चुके है जिसमें से 2000 ठीक हो चुके हैं। अब जिले में कोरोना के 383 एक्टिव केस है।

समाजसेवी लाजपत राय सिंगला ने किया 39वीं बार रक्तदान

कैथल। समाजसेवी व प्रधानमंत्री जन कल्याणकारी प्रसार प्रचार योजना के जिलाध्यक्ष लाजपत राय सिंगला ने सोमवार को 39वीं बार गांव बाता ब्रह्मपुरी मंदिर में प्रधानमंत्री के 70वें जन्म दिवस के उपलक्ष में रक्तदान किया। बीजेपी सरकार की तरफ से मनाए जा रहे सेवा सप्ताह के तहत आयोजित इस रक्तदान शिविर में राज्यमंत्री कमलेश ढांडा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। मुख्यातिथि ने लाजपत राय सिंगला को स्मृति चिह्न व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। सिंगला ने बताया कि मैं ऐसे ही सामाजिक सेवा करता रहूंगा और बढ़-चढ़कर भाग रक्तदान शिविरों में भी भाग लेता रहूंगा।

पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाएगा कल्पत : ट्रस्ट

कुरुक्षेत्र। कल्पतट्रस्ट के निदेशक विकास शर्मा ने कहा कि यह ट्रस्ट पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाने का प्रयास कर रहा है। हमारा प्रयास रहता है कि समाज को भी इसके लिए जागरूक किया जाए। अकेले सरकार के प्रयासों से यह सम्भव नहीं है। वे शेख चहेली मकबरा में पौधारोपण के समय बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को हम सब मिलकर खराब कर रहे हैं, तो उसे ठीक करने की जिम्मेदारी भी हमारी सबकी बनती है। ट्रस्ट की सदस्य मीना चौधरी ने बताया कि आज शेख चेहली मकबरा के पास के क्षेत्र में त्रिवेणी के पौधे लगाए गए। इन पौधों के साथ हमारी आस्था तो जुड़ी हुई है उसके साथ ये सबसे अधिक आक्सीजन देने वाले हैं। ट्रस्ट की योजना हर सप्ताह पौधारोपण करने की है। कार्यक्रम में राकेश वर्मा, धर्मपाल शोरगीर, टेकचंद, अतुल ग्रोवर, संदीप कुमार आदि का सहयोग रहा।

अवॉर्ड लेकर गांव पहुंचे चेयरमैन का किया स्वागत

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र की जिला परिषद को वर्ष 2018-19 के लिए पूरे भारत में दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार की श्रृंखला में प्रथम पुरस्कार मिलने पर जिला परिषद के चेयरमैन गुरदयाल सुनहेडी का गांव सुनहेडी खालसा में जोरदार स्वागत किया गया। गांव में पहुंचने पर जिला परिषद के चेयरमैन गुरदयाल सुनहेडी ने बताया कि यह पुरस्कार केन्द्र सरकार द्वारा दिया गया है और इसके तहत 50 लाख रुपये की राशि कुरुक्षेत्र की जिला परिषद को मिली है।

नगर निगम कार्यालय पर कर्मियों ने किया विरोध प्रदर्शन

सोनीपत। ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों संबंधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी शाखा सोनीपत ने पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को विश्राम गृह प्रांगण में एकत्रित होकर प्रतिनियुक्ति को समाप्त करने के लिए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला एवं शाखा प्रधान रणवीर दलाल ने की। कर्मचारी विश्राम गृह प्रांगण में एकत्रित हुए और प्रदर्शन करते हुए नगर निगम आयुक्त कार्यालय के समक्ष पहुंचे।

वहां पर कर्मचरियों ने बैठकर नगर निगम प्रशासन एवं हरियाणा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। संगठन के प्रधान रणबीर दलाल ने नगर निगम प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर नगर निगम प्रशासन ने प्रतिनियुक्ति पर गए कर्मचारियों को 30 सितंबर तक वापस उनके मूल विभाग में नहीं भेजा तो संगठन निगम के कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना आरंभ कर देगा। अगर आवश्यकता हुई तो नगर निगम क्षेत्र के जलापूर्ति एवं जलमल व्यवस्था को जाम किया जा सकता है। जिसके पूर्ण जिम्मेवारी नगर निगम प्रशासन की होगी।

सुभाष मंडी में हो रहे रेता-बजरी के कारोबार से बढ़ा प्रदूषण

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

सुभाष मंडी में पड़ी रेत-बजरी और खड़े ट्रक व डंपर।

शहर की सुभाष मंडी में रेता-बजरी का हो रहा कारोबार दुकानदारों व राहगीरों के जी का जंजाल बना हुआ है। यही नहीं, वहां रिहायशी क्षेत्र के लोग भी इससे काफी परेशान हैं। मामूली सी हवा चलने पर यह रेता उड़ कर दुकानों व घरों में चली जाती है। इस कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। रेता-बजरी के कारण मंडी का मुख्य नाला भी अक्सर ठप रहता है, जिस कारण गंदा पानी बाहर सडक़ पर बहता है।

आम आदमी पार्टी व्यापार मंडल कुरुक्षेत्र के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र मित्तल ने पत्रकारों को मौका मुआयना कराते हुए सारी समस्या की जानकारी दी। मित्तल ने बताया कि रेता-बजरी में प्रयोग हो रहे ट्रक व डंपरों की आवाजाही से यहां का वातावरण प्रदूषित हो रहा है। उन्होंने बताया कि नगरपरिषद का ध्यान इस विषय पर कई बार दिलाने के बावजूद परिणाम शून्य है। उन्होंने नगरपार्षद पर भी आरोप लगाया कि चयनित होने के बाद उन्होंने कभी भी इस क्षेत्र की सुध नहीं ली। हालांकि मंडी में 150 से ज्यादा दुकानदार हैं, जिनके पास सैकड़ों लोग रोजाना खरीद-फरोख्त के लिए आते हैं। मित्तल ने बताया कि नियमानुसार इस मंडी में रेत-बजरी का कारोबार नहीं किया जा सकता है, फिर भी प्रशासन की नाक तले पिछले लंबे समय से यह कारोबार फलफूल रहा है। उन्होंने सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए बताया कि क्षेत्र में चहुंओर गंदगी व अव्यवस्था फैली है।

यही नहीं, टिप्परों द्वारा यहां डंप किए जा रहे कूड़े ने उनकी परेशानी ओर भी बढ़ा दी है। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के जिला संयोजक जवाहर गोयल, व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश बिंदल, नार्थ जॉन के संयुक्त सचिव नवीन अग्रवाल व बीर सिंह बिहोली, जिला प्रवक्ता अशोक कुमार व रामलाल, आप के विधानसभा क्षेत्र प्रत्याशी रहे सुमित गर्ग, जिला सचिव हितैश जैन, संयुक्त सचिव नीतिन सिंगला और जिला कोषाध्यक्ष प्रमोद मित्तल आदि मौजूद रहे।

अध्यापकों से परामर्श लेने स्कूल पहुंचे विद्यार्थी

लिटल एंजल्स स्कूल के कोविड-19 सुरक्षित परिसर में बच्चों का आगमन

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

लिटल एंजल्स स्कूल में कोविड की सुरक्षा के लिए लगाया गया अत्याधुनिक डिसपेंसर।

लॉकडाउन के बाद लिटल एंजल्स स्कूल कोविड-19 सुरक्षित परिसर में कक्षा 10वीं व 12वीं के बच्चों का अपने अध्यापकों से परामर्श लेने के लिए पुन: आगमन हुआ। लिटल एंजल्स स्कूल देश का पहला ऐसा स्कूल है, जिसने इन विषम परिस्थितियों में बच्चों की सुरक्षा के लिए अद्भुत कदम उठाए हैं। अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग करके स्कूल को पूर्णत: कोविड-19 सुरक्षित परिसर बनाया है। पहले दिन विद्यालय में 158 बच्चे उपस्थित थे।

बच्चों के पुन: आगमन पर सर्वप्रथम उनकी थर्मल स्कैनिंग की गई। सभी के लिए मास्क व दस्ताने पहनना अनिवार्य था। सभी बच्चों ने विद्यालय में प्रवेश से पहले संवेदी हाथों से मुक्त संक्रांति डिसपेंसर का प्रयोग किया। अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा किए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कठिन समय में बच्चों की सुरक्षा के लिए विद्यालय द्वारा किए गए प्रयास प्रशंसनीय है। विद्यालय के चेयरमैन आशीष आर्य, डायरेक्टर डॉ. नेहा आर्य व प्रधानाचार्य आशा गोयल ने सभी बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। चेयरमैन आशीष आर्य ने कहा कि महामारी से बचने के लिए विद्यालय में सुरक्षा के सभी जरूरी प्रबंध किए हैं।

विद्यालय को कोविड-19 सुरक्षित परिसर बनाने के लिए विद्यालय में यूवीसी लैंप लगाए गए हैं, जो विद्यालय को कीटाणुरहित करने के लिए कार्यात्मक है। कक्षाओं के बाद यूवीसी लैंप द्वारा कक्षाओं को प्रतिदिन सैनेटाइज किया जाएगा। कैंपस में विभिन्न जगहों पर स्टेनलेस स्टील हैंडस फ्री वाशबेसिन लगाए गए हैं, साथ ही बच्चों के लिए एंटी कोविड-19 फुटमेट तैयार किए गए हैं। बच्चों के आगमन पर सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्ण रूप से ध्यान रखा गया है। स्कूल बसों में भी यूवीसी. एल.ई.डी. स्ट्रीपस लगाई गई हैं।

पहले दिन स्कूलों में पहुंचे इक्का-दुक्का बच्चे

रादौर। शिक्षा विभाग द्वारा सोमवार से सरकारी स्कूलों में 9वीं से 12वीं तक के बच्चों की कक्षाएं शुरू किये जाने की घोषणा की थी, लेकिन विभाग की घोषणा के बावजूद ब्लॉक रादौर के सरकारी स्कूलों में इक्का-दुक्का ही बच्चे स्कूल पहुंचे। ब्लॉक के सबसे बड़े राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रादौर में सोमवार को 9वीं से 12वीं तक का कोई भी छात्र-छात्रा स्कूल नहीं पहुंची। सरकारी स्कूल रादौर के प्रिंसिपल व जिला उप शिक्षा अधिकारी शिवकुमार ने बताया कि स्कूल में एक अध्यापक के संक्रमित पाये जाने के बाद उन्हें क्वारेंटाइन किया है।

मोदी ने देश के सैनिकों का बढ़ाया सम्मान

मोहम्मद हारून। हथीन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 70वें जन्मदिन के अवसर पर शुरू किये गये सेवा सप्ताह के तहत हथीन के राम मंदिर में आंखों का चेकअप व चश्मा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया ने लोगों से कहा कि सेवा सप्ताह में मोदी जी को हां प्लास्टिक को ना, आंखों के कैंप के साथ चश्मा वितरण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने धारा 370 हटाई वहीं देश के सैनिकों का सम्मान किया। विशिष्ट अतिथि हथीन विधायक प्रवीन डागर ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में देश ने बहुत बड़ी तरक्की की है। कार्यक्रम में मंच संचालन जयसिंह चौहान ने किया। कार्यक्रम को संजय सिंह राणा, मुकेश राणा, महिला मोर्चा की गीता सौरोत, नगर पालिका चेयरमैन सुमित राजपूत, वीरपाल दीक्षित, योगेंद्र सहरावत आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर हथीन मार्केट कमेटी के पूर्व वाइस चेयरमैन चौधरी नरेश चंद सिंगला, सूरज पांडे, वेदप्रकाश उर्फ चुन्नू प्रधान, लेखराज सहरावत, मंडल राकेश गर्ग, विजय सिंगला, डाक्टर लेखराज गहलब, अनिल कोशिक, भारत भूषण, उमेश शर्मा, रफीक, हारून खान मलाई आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चीनी सैनिकों को हम मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम : प्रवीन डागर

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं पड़ेगा प्रतिकूल प्रभाव : नायब सिंह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में हरियाणा भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केन्द्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री रतन लाल कटारिया और सांसद नायब सिंह सैनी।

केन्द्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री रतन लाल कटारिया ने कहा कि कृषि से संबंधित पारित किए बिलों के परिणामस्वरूप कृषि क्षेत्र के विकास को नई दिशाएं मिलेगी। कृषि क्षेत्र आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो सकेगा।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा व राज्यसभा द्वारा कृषि क्षेत्र से संबंधित पारित किये गये बिलों के संदर्भ में नई दिल्ली में हरियाणा भवन में संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय राज्यमंत्री रतन लाल कटारिया ने कहा कि इन बिलों के परिणामस्वरूप कृषि क्षेत्र की दशा व दिशा परिवर्तित होने जा रही है। किसान प्रत्यक्ष रूप से राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय कृषि बाजारों से जुड़ने जा रहा है। कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के सांसद नायब सिंह सैनी ने भी केंद्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री के साथ संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री ने कहा कि इन बिलों का भूमि से कोई संबंध नहीं है, केवल कृषि उपज से ही संबंध है। इन बिलों से किसानों को उनके कृषि उत्पाद देष में कही भी बेचने का अधिकार मिल सकेगा। किसानों के हित पूर्णतया सुरक्षित किये गये हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कोई भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। कृषि मंडियां का अस्तित्व बना रहेगा। मंडियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद होगी। पूरे देष में कही भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक भाव यदि मिल रहा होगा तो किसान वहा स्वतंत्र रूप से अपना कृषि उत्पाद बेच सकेगा।

कैंची मारकर पत्नी की हत्या करने वाला गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। कैंची मारकर पत्नी की हत्या करने के आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता रोशन लाल ने बताया कि 19 सितम्बर 2020 को थाना सदर थानेसर के अंतर्गत रहने वाली एक नाबालिग लड़की ने थाना में दी अपनी शिकायत में बताया कि 16 सितम्बर 2020 को उसके पिता ने उसकी माता के पेट में कैंची मारकर हत्या कर दी थी। शिकायत पर पुलिस ने उसके पिता राजकुमार के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी। मामले की जांच करते हुए पुलिस ने आरोपी राजकुमार उर्फ राजा पुत्र मांगेराम वासी कनिपला को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ पर आरोपी ने स्वीकार किया कि वह शराब पीने का आदि है।

तीन महीने में एक बार बॉयोमैट्रिक से पेंशन लेना जरूरी

भिवानी। विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंर्तगत पेंशन का वितरण तीन महीने में एक बार बॉयोमैट्रिक, बाउचर के माध्यम से प्राप्त करना जरूरी है। सरकार के निर्देशानुसार पात्र व्यक्तियों को बॉयोमैट्रिक, बाउचर से 30 सितंबर 2020 तक अपनी पेंशन लेनी होगी, अन्यथा उनकी पेंशन रोक दी जाएगी।

जिला समाज कल्याण विभाग के अनुसार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निर्देशानुसार पेंशन योजनाओं के लाभपात्र द्वारा तीन महीने में एक बार बॉयोमैट्रिक, बाउचर से पेंशन लेनी होगी और यदि इस तरह से पेंशन नहीं की जाती है तो तीन माह की पेंशन राशि बैंक, पोस्ट ऑफिस द्वारा विभाग को वापस भेज दी जाएगी। विभाग द्वारा भविष्य में पेंशन लाभार्थी के खाते में नहीं भेजी जाएगी। इसके बाद लाभार्थी को नए सिरे से पेंशन बनवानी होगी। अगर कोई लाभार्थी अपनी पेंशन 30 सितंबर तक अपनी पेंशन बॉयोमैट्रिक के माध्यम से नहीं निकलवाता है तो उसकी पेंशन रोक दी जाएगी।

केयर रेटिंग्स ने जिंदल स्टेनलेस लि. की ऋण सुविधा रेटिंग 'केयर ए-' पर बरकरार रखी

पायनियर समाचार सेवा। हिसार

केयर रेटिंग्स ने जिंदल स्टेनलेस (हिसार) लिमिटेड (जेएसएचएल) की दीर्घकालिक ऋण सुविधाओं की रेटिंग स्थिर दृष्टिकोण के साथ 'केयर ए-' पर बरकरार रखी है। कंपनी की अल्पकालिक ऋण सुविधाओं की रेटिंग भी केयर ने 'केयर ए 2प्लस' पर स्थिर रखी है। जेएसएचएल की रेटिंग वित्तीय और परिचालन क्षेत्रों में अपने कुशल ट्रैक रिकॉर्ड के कारण बनी रही। साथ ही, विस्तृत उद्योगों के लिए उपयुक्त होने और मूल्य-वर्धित उत्पादों में अपनी विशेष पहचान के चलते जेएसएचएल ने यह रेटिंग हासिल की। कंपनी के मजबूत प्रति-टन मुनाफे, ऋण में कटौती और बेहतर धनापूर्ति ने यह रेटिंग बरकरार रखने में अहम भूमिका निभाई है।

इस परिणाम पर जेएसएचएल के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने कहा, यह परिणाम जेएसएचएल की मजबूत बुनियाद का सूचक है। हमारी हिसार इकाई की परिचालन क्षमता घरेलू बाजार में सबसे आगे है और हमारे सर्वोच्च स्पेशिलिटी प्रोडक्ट्स विश्व-भर में प्रख्यात हैं। केयर के अनुसार कंपनी का संतुलित प्रदर्शन और विस्तृत उत्पाद-सूची मुख्य मानक रहे। मुझे विश्वास है कि भारतीय उत्पादकों को सशक्त करने के लिए भारत सरकार द्वारा लिए गए कदम घरेलू उद्योग को प्रोत्साहित करेंगे। रिपोर्ट अनुसार जेएसएचएल के प्रदर्शन के मुख्य कारण थे- मूल्य-वर्धित इस्पात क्षेत्र (300-ग्रेड और 400-ग्रेड) में बेहतर बिक्री के चलते वित्त-वर्ष 2019 की तुलना में प्रति टन पीबीआईएलटीडी 14,894 से बढ़कर वित्त-वर्ष 2020 में 15,945 रहा। बेहतर पीबीआईएलटीडी मार्जिन और कम ब्याज दरों के चलते, कंपनी के शुद्ध मुनाफे का मार्जिन वित्त-वर्ष 2019 में 2.89 प्रतिशत से बढ़कर वित्त-वर्ष 2020 में 3.80 प्रतिशत हो गया। जेएसएचएल सभी प्रकार के स्टेनलेस स्टील ग्रेड बनाने में सक्षम है, जैसे कि 200-ग्रेड, 300-ग्रेड और 400-ग्रेड। 200-ग्रेड का उपयोग बर्तन, घरेलू वस्तुओं, रसोई उपकरण, ट्यूब, पाइप, इत्यादि में होता है।

सही लाइफस्टाइल बच्चों को कई कैंसर से बचाने में कारगर : डॉ. गौरी कपूर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली।

कैंसर आज न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक ऐसी भयानक बीमारी बन चुका है। जागरुकता के प्रयासों के बावजूद यह महामारी के रूप में तेजी से फैल रहा है। ऐसे में कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। अगर कैंसर का सही समय पर पता लगा लिया जाए तो उपचार संभव है। सितंबर माह को 'चाइल्डहुड कैंसर अवेयरनेस मंथ के रूप में मनाया जाता है।

चाइल्डहुड कैंसर को लेकर रोहिणी दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एवं रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) की निदेशक बाल चिकित्सा हेमाटोलॉजी एवं ऑन्कोलॉजी और आरजीसीआईआरसी नीति बाग की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गौरी कपूर ने बच्चों में होने वाले कैंसर को लेकर जानकारी साझा की। डॉ. गौरी कपूर ने बताया, बच्चों में कैंसर बहुत आम नहीं है। कुछ पश्चिमी देशों में 10 लाख बच्चों में 110 से 130 बच्चों में इसकी शिकायत मिली है। आबादी के आधार पर पर्याप्त आंकड़े नहीं होने के कारण अपने देश में इस तरह के मामलों का पूरी तरह अनुमान लगाना संभव नहीं है। हालांकि एक अनुमान के मुताबिक, 14 साल से कम उम्र के बच्चों में कैंसर के लगभग 40000 से 50000 नए मामले हर साल सामने आते हैं। अधिकतर बच्चों का समय से निदान नहीं हो पाता, जिसका मुख्य कारण है स्वास्थ्य सेवा तक पहुंचने में देरी। उन्होंने बताया कि बच्चों में होने वाले कैंसर में सबसे आम ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर), लिंफोमा और मस्तिष्क या पेट में ट्यूमर हैं। बच्चों में होने वाले कैंसर के प्रकार वयस्कों की तुलना में अलग तरह के होते हैं जैसे ल्यूकीमिया, ब्रेन एवं अन्य सेंट्रल नर्वस सिस्टम ट्यूमर, न्यूरोब्लास्टोमा, लिम्फोमा, रैब्डोमायोसरकोमा, रेटिनोब्लास्टोमा, हड्डी का कैंसर आदि। आमतौर पर इसके अलावा अन्य प्रकार के कैंसर बच्चों में नहीं देखे जाते।

उन्होंने आगे बताया कि कैंसर के लक्षण को पहचानना मुश्किल होता है क्योंकि ये सामान्य बीमारी की तरह होते हैं जैसे सुस्ती, कमजोरी, चक्कर आना, पीठ, पैर, जोड़ों में दर्द, सिरदर्द, असामान्य रक्तस्त्राव, मसूढ़ों से खून आना, भूख न लगना, वजन घटना, पेट में सूजन, पेटदर्द, कब्ज, सांस लेने में कठिनाई, लगातार खांसी, पीठ दर्द, पुतली के पीछे सफेद रंग आदि। इसलिए इसमें से कोई लक्षण होने पर अस्पताल में जांच जरूरी और थोड़ा भी शक होने पर कैंसर अस्पताल में जांच करायी जाये।

प्रेरणा
पायनियर हरियाणा
हमेशा सच के साथ

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर
तुम हमें मार सकते हो पर डरा नहीं सकते,
तुम जीत सकते हो पर हमें हरा नहीं सकते,
तुम कौन होते हो हमारी जिंदगी का फैसला करने वाले,
हमसे पूछे बिना तुम कोई कानून बना नहीं सकते।

विकास की प्लानिंग में होगी आसानी

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुरू किया एडवांस डाटा एनालिसिस क्षमता विकास कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा है कि आंकड़ों की बेहतर समझ से ही जनहित में बेहतर योजनाओं का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने दिल्ली के विकास के लिए सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए योजना निर्माण के लिए डाटा एनालिसिस की अच्छी समझ विकसित करने पर जोर दिया।

सिसोदिया ने यह बात दिल्ली सरकार के अधिकारियों के लिए एडवांस डाटा एनालिसिस क्षमता विकास कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर कही। ऑनलाइन अपने संबोधन में सिसोदिया ने कहा कि सरकार के पास डाटा की भरमार होती है। लेकिन असली चीज तो उसकी समझ है। उसके विश्लेषण, रखरखाव और प्रसंस्करण की पद्धति ऐसी होनी चाहिए जो भविष्य की जरूरतों को पूरा करने में मदद करे।

मनीष सिसोदया ने कहा कि आज उन्हें यह पता लगाना हो एक साल की उम्र के कितने बच्चे दिल्ली में हैं तो वह आकलन कर पाएंगे कि छह साल बाद उन्हें स्कूलों में पहली कक्षा के लिए कितने क्लासरूम की जरूरत होगी। इसी तरह आकलन करें कि आज पहली कक्षा में कितने बच्चे हैं और 12 साल बाद बारहवीं कक्षा में कितनी सीटों की जरूरत होगी, तो उस अनुपात में पहले से योजना बनाना भी संभव होगा। योजना विभाग के अधिकारियों को इसकी गहरी समझ जरूरी है। उपमुख्यमंत्री के अनुसार दिल्ली सरकार के सभी विभाग, मंत्री और अधिकारी के लिए जरूरी हर डाटा योजना विभाग के पास होना चाहिए। योजना विभाग के पास ऐसी सक्षम टीम होनी चाहिए जो जरूरत के अनुसार डाटा दो घंटे के भीतर उपलब्ध करा सके। विभाग को डाटा का एक्सपर्ट बनना होगा. सरकार के सभी विभागों को उनकी जरूरत के अनुसार क्लीन डाटा तत्काल उपलब्ध कराना आपकी बड़ी भूमिका है।

सरकार के योजना विभाग जुड़े 25 योजना और सांख्यिकी अधिकारियों के लिए यह क्षमता विकास कार्यक्रम एक सप्ताह चलेगा। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के सहयोग से यह प्रारंभ किया गया है। सिसोदिया ने सभी प्रतिभागी को शुभकामनाएं दी।

'तीस फीसद कोरोना मरीज दूसरे राज्यों से'

स्वास्थ्य मंत्री का दावा- राजधानी में मौत की दर सबसे कम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने कहा है कि राजधानी में अस्पतालों में भर्ती कोविड-19 के 30 फीसदी मरीज दूसरे राज्यों के हैं और उनमें से ज्यादातर निजी अस्पतालों के आईसीयू में हैं। रोगियों की संख्या में वृद्धि के बीच, दिल्ली सरकार ने राज्य के बाहर से आए मरीजों की मौत का आंकड़ा अलग से इकट्ठा करने का फैसला किया है।

जैन ने दावा किया कि राजधानी में देश में सबसे कम मृत्यु दर है। पिछले 10 दिनों के आंकड़ों के आधार पर, दिल्ली में मृत्यु दर 0.77 प्रतिशत है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती होने वाले लगभग 30 फीसदी कोविड-19 मरीज महानगर से बाहर के हैं। उन्होंने कहा, बाहर से आने वाले लोग निजी अस्पतालों को प्राथमिकता देते हैं। वे पहले से ही अपना मन बना लेते हैं और सीधे इन चार-पांच अस्पतालों में जाते हैं, जिनके बारे में उन्होंने सुना होता है... जैसे कि मैक्स, अपोलो और फोर्टिस इत्यादि। यही वजह है कि उन अस्पतालों में आईसीयू के बिस्तर भरे हुए हैं। उन्होंने कहा, उनमें से ज्यादातर निजी अस्पतालों में आईसीयू बेड पर हैं।

24 घंटे में 2548 नए केस

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना से अब तक मरने वालों का आंकड़ा पांच हजार के पार पहुंच गया है। सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 2,548 नए मामले सामने आए जिसके साथ संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 2,49,259 तक पहुंच गई। पिछले चौबीस घंटे में 32 और मरीजों के मौत के बाद मृतक संख्या 5,014 हो गई। सोमवा को 33,733 नमूनों की जांच की गई।

पुलिस हिरासत में परिवार से नहीं मिल पाएगा उमर खालिद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद पुलिस हिरासत में परिवार वालों से नहीं मिल पाएगा। एक अदालत ने उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उसने हिरासत के दौरान अपने परिवार से मिलने की इजाजत मांगी थी।

उमर को सख्त आतंकवाद रोधी कानून, गैर कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। उत्तर पूर्वी दिल्ली में फरवरी में सांप्रदायिक हिंसा की बड़ी साजिश के मामले में खालिद 24 सितंबर तक 10 दिन की पुलिस हिरासत में है। उसे 13 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था और अगले दिन अदालत ने पूछताछ के लिए उसे पुलिस को सौंपते हुए कहा था कि यह पुलिस हिरासत का उपयुक्त मामला है। पुलिस ने कहा था कि 11 लाख पन्नों वाले दस्तावेज से उसका सामना कराना चाहती है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने परिवार से मुलाकात संबंधी याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह विचार योग्य नहीं है। अपने वकील के जरिए दायर याचिका में खालिद ने कहा था कि हिरासत में लिए जाने के दौरान पुलिस की तरफ से मौखिक रूप से आश्वासन दिया।

संसद से सड़क तक कांग्रेस ने किया कृषि बिलों का विरोध

बढ़ते कोरोना संक्रमण को देख डीडीएमए ने लगा रखी है 30 सितंबर तक धरना-प्रदर्शन पर रोक

फोटो : रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कृषि विधेयक के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया है। प्रदर्शनकारी अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय भवन के बाहर एकत्रित होकर भाजपा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए संसद भवन की ओर कूच करने लगे तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया गया और मंदिर मार्ग थाने ले गई। बाद में सभी को रिहा कर दिया।

चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि भाजपा सरकार पुलिस द्वारा दमनकारी नीति अपना कर राजनीतिक पार्टियों के विरोध करने के लोकतांत्रिक अधिकार दबाने की कोशिश कर रही है। मोदी सरकार द्वारा किसानों के लिए लाया गया बिल किसान विरोधी है। जिससे किसान बर्बाद हो जाएगा जो पहले से ही कोविड-19 महामारी के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। केंद्र सरकार ने संसद में तानाशाही तरीके से किसान बिल पास करवाकर किसानों की आवाज को कुचल दिया है। कुमार ने कहा कि कांग्रेस किसानों की आवाज को मजबूती से तब तक उठाती रहेगी जब तक यह किसान विरोधी बिल वापस नहीं लिया जाता।

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के आदेश का हवाला देते दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर लोगों को इस महीने शहर में प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी जा सकती।

वहीं कृषि विधेयकों के खिलाफ प्रदर्शनों के बीच दिल्ली पुलिस ने कई ट्वीट कर लोगों को जानकारी दी कि डीडीएमए के तीन सितंबर के आदेश के मुताबिक शहर में ऐसी गतिविधियों पर प्रतिबंध है।

बकाया वेतन के लिए डीयू कॉलेज कर्मचारी आज करेंगे विरोध प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार द्वारा पूर्ण रूप से वित्त पोषित 12 कॉलेजों में पिछले 5 माह से तनख्वाह ना मिलने पर कार्यकारिणी में जबरदस्त रोष है।

कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि सभी कार्यकारिणी सदस्य के साथ-साथ और वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी 22 व 23 सितंबर को सीएम आवास का घेराव करेंगे। अगर जल्द ही सैलरी जारी नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मामले में 24 सितंबर को सुनवाई करेगा कोर्ट

न्यायालय दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों के बकाया वेतन संबंधी याचिका पर 24 सितंबर को सुनवाई करेगा। जिसमें डीयू से संबद्ध और दिल्ली सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित कॉलेजों को पिछले चार महीनों से लंबित उनका वेतन जारी करने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

न्यायमूर्ति ज्योति सिंह के समक्ष यह याचिका सुनवाई के लिए आई, जिसके बारे में शिक्षकों के वकील ने अदालत को जानकारी दी कि यह एक जनहित याचिका है। इसकी सुनवाई एक खंडपीठ द्वारा की जाने की आवश्यकता है। शिक्षकों की ओर से पेश वकील अशोक अग्रवाल की दलील को ध्यान में रखते हुए न्यायाधीश ने कहा कि बृहस्पतिवार को इस मामले को एक उपयुक्त पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए। याचिका में कहा गया है कि इन शिक्षकों के अलावा अन्य कर्मचारी, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को भी मई, जून, जुलाई और अगस्त महीने का वेतन नहीं मिला है।

फिल्म सिटी: जमीन आवंटन की कीमत तय

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

मुंबई फिल्म इंडस्ट्री की तर्ज पर यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने फिल्म सिटी बसाने का प्रस्ताव यूपी सरकार को को भेज दिया है। मुख्यमंत्री योगी ने बीते शुक्रवार को इसकी घोषणा की थी। प्राधिकरण ने फिल्म सिटी की लोकेशन तय कर दी है। भूमि आवंटन की दरें भी घोषित कर दी गई हैं।

यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि यमुना प्राधिकरण ने एक्सप्रेस वे के किनारे के सेक्टर में 1000 एकड जमीन फिल्म सिटी के लिए प्रस्तावित की है।

यह प्रस्ताव शासन को भेज दिया। वहीं, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण स अपना प्रस्ताव भेजेगा। नाइट सफारी की करीब 550 एकड़ जमीन पर फिल्म सिटी को मूर्त रूप देने की तैयारी है।

यमुना प्राधिकरण ने फिल्म सिटी के लिए भूखंड आवंटन की दरें भी तय कर दी हैं। 4 हजार वर्ग मीटर तक के भूखंड 6670 रुपये प्रति वर्ग मीटर में मिलेंगे। 4 से 8 हजार वर्ग मीटर के भूखंड 5680 रुपये वर्ग मीटर, 8 से 20 हजार वर्ग मीटर के भूखंड 4810 रुपये, 20 से 40 हजार वर्ग मीटर के भूखंड 4370 रुपए, 40 से 80 हजार वर्ग मीटर के भूखंड 4210 रुपये और इससे बड़े भूखंड 4050 रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से मिलेंगे।

यमुना प्राधिकरण ने भेजा हजार एकड भूमि देने का प्रस्ताव

रिटायर्ड नौसैनिक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। द्वारका सेक्टर-22 इलाके में नौसेना के रिटायर्ड जवान की गोली मार कर हत्या कर दी गई। इस घटना से आसपास सनसनी फैल गई है। मरने वाले की पहचान बलराज देशवाल के रूप में हुई है।

अवकाश लेने के बाद वह प्रॉपर्टी डीलर का काम करते थे। शुरूआती जांच में पता चला है कि रुपये के लेनदेन को लेकर उनकी हत्या की गई है। मामले में पुलिस आरोपी प्रदीप खोखर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पश्चिमी दिल्ली के द्वारका सेक्टर-22 इलाके से रविवार रात जानकारी मिली थी कि एक व्यक्ति ने गोली मार कर हत्या कर दी है।

पुरानी दिल्ली में हादसा निर्माणाधीन इमारत ढही

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पुरानी दिल्ली के सीताराम बाजार इलाके में सोमवार सुबह एक निर्माणाधीन इमारत ढह गई। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया। उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने पुरानी दिल्ली में सीताराम बाजार क्षेत्र में एक निर्माणाधीन इमारत के गिरने के मामले में सोमवार को जांच के आदेश दिए। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया।

वहीं महापौर ने बताया कि यह घटना सुबह में उस समय हुई जब निर्माणाधीन इमारत की छत को सहारा देने वाला लिंटल गिर गया। इस घटना में एक श्रमिक घायल हो गया। प्रकाश ने कहा, इस इमारत के निर्माण को मंजूरी दी थी।

फिर खुले में पड़ी मिली रैपिड एंटीजन टेस्ट किट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कोविड-19 वैश्विक महामारी की रोकथाम को लेकर गाजियाबाद जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग तमाम दावे तो करता है लेकिन सोमवार को जिला मुख्यालय परिसर में ही जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के दावे फेल होते नजर आए।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की एक बड़ी लापरवाही जिला मुख्यालय परिसर में देखने को मिली है। जिला मुख्यालय में बनाये गए कोविड-19 कंट्रोल रूम से चंद

कदमों की दूरी पर ही खुले में ही जांच के बाद एंटीजन किट, स्लाइड, टेस्ट स्टीक आदि वेस्ट फेंक दिया गया, वेस्ट के ठीक सामने जिले में कोरोना संक्रमण की मॉनीटिरिंग के लिए कंट्रोल रूम भी बना हुआ है। यहां से अधिकारी गुजरते हैं, लेकिन किसी की भी नजर इस ओर नहीं गई।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर पति ने लगाई फांसी

नोएडा। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के बिश्नूली गांव में शराब पीने के लिए पैसा देने से मना करने पर पति-पत्नी के बीच लड़ाई हो गई। नाराज पति ने पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मनोज कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक मनोज कुमार दिहाड़ी मजदूरी का काम करता था। मनोज कुमार ने शनिवार शाम पत्नी से पैसे मांगे। पत्नी ने शराब पीने के लिए पैसा देने से मना कर दिया, दोनों के बीच लड़ाई हो गई और मनोज ने फांसी पर लटकर जान दे दी।

पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर ट्रक में घुसी कार, 4 मरे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर देर रात गांव दुहाई पुल के पास आगे जा रहे ट्रक के अचानक ब्रेक मारने के कारण पीछे आ रही कार ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

इस हादसे में कार सवार चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। युवकों की मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार नोएड़ा के गांव भंगेल निवासी इरशाद (26 वर्ष) पुत्र शमशाद अपने साथी हरकेश ,अम्मू व तय्यब के साथ नोएड़ा से कार से कोडली की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि जब वह एक्सप्रेस वे पर गांव दुहाई स्थित पुल के पास पहुंचे तो आगे जा रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक मार दिए। ब्रेक लगते ही पीछे से आ रही कार ट्रक में जा घुसी। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। डॉक्टरों ने इरशाद , हरकेश , अम्मू व तय्यब को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया किकार व ट्रक को सड़क से हटाकर यातायात सुचारु कराया गया।

पांच सालों का सबसे गर्म संडे, आज बारिश के आसार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली एनसीआर में गर्मी व उमस से लोगों का हाल बेहाल है। आलम यह है कि सितंबर महीने में अप्रैल-मई जैसी गर्मी पड़ रही है।

सितंबर महीने का उत्तरार्ध शुरू हो गया है लेकिन न तो उमस कम हो रही है और न ही तापमान। गत 20 सितंबर यानी रविवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 36.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले पांच सालों में सितंबर के महीने का सबसे ज्यादा तापमान था।

मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक इस महीने में औसतन सबसे अधिक तापमान रविवार को था, जिससे गर्मी व उमस बढ़ी है। मंगलवार व बुधवार को हल्की बारिश होने के आसार हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक सफदरजंग वेधशाला के आंकड़ों के अनुसार, इस महीने में अब तक 20 दिनों का औसत अधिकतम तापमान 36.1 डिग्री रहा है और बारिश के दिनों की संख्या तीन थी।

पिछले वर्षों में, सितंबर में अधिक वर्षा वाले दिन और कम औसत तापमान दर्ज किया गया है। पिछले साल छह दिनों की बारिश के साथ औसत 35.1 डिग्री सेल्सियस था। सितंबर 2018 में, 14 दिनों की बारिश के साथ औसत 32.7 डिग्री सेल्सियस था।

वर्ष 2017 में, सात बारिश के दिनों के साथ, औसत तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस और वर्ष 2016 में, तीन दिनों की बारिश के साथ 35 डिग्री सेल्सियस था। केवल सितंबर 2015 में, शहर वर्तमान में उतना ही गर्म हो गया था, जब दो दिनों की बारिश के साथ औसत तापमान 36.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

इस माह 79 फीसद कम हुई बरसात

आईएमडी के क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि 22 व 23 सितंबर के आसपास कुछ राहत मिलेगी। यहां हल्की बारिश से पारे में एक या दो डिग्री की गिरावट आ सकती है। इसके बाद यह फिर से बढ़ जाएगा। वर्तमान में उत्तर पश्चिमी भारत से शुष्क हवाएं चल रही हैं। आने वाले दिनों में भी तेज बारिश के आसार नहीं हैं। दिल्ली में पिछले 12 दिनों से बारिश नहीं हुई है। सफदरजंग वेधशाला ने पिछली बार आठ सितम्बर को 1.3 मिमी बारिश दर्ज की थी। जबकि इस महीने अभी तक 79 प्रतिशत कम बारिश हुई है। सितंबर में सामान्य 100.5 मिमी की तुलना में 20.9 मिमी बारिश दर्ज की है।

मौसम में बदलव को लेकर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डा. मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि अभी इस बारे में कुछ भी कह पाना मुश्किल होगा। हवाओं की दिशा बदलने में भी समय है। लिहाजा, सर्दियों के आगमन पर बाद में ही कुछ कहा जा सकेगा।

डूब क्षेत्र में प्लॉट बेचने वाला 25 हजार का इनामी प्रॉपर्टी डीलर गिरफ्तार

नोएडा। नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस ने हिंडन और यमुना के डूब क्षेत्र में धोखाधड़ी से जमीन बेचने वाले एक प्रॉपर्टी डीलर को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 25 हजार रूपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

नॉलेज पार्क कोतवाली प्रभारी ने बताया कि डूब क्षेत्र में भोले भाले लोगों को धोखाधड़ी से जमीन बेचने वाले विजयपाल निवासी चौधरी मार्केट दक्षिणी पूर्वी दिल्ल॥ को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने मैसर्स पीवीएग्रियल स्टेट प्राइवेट लिमिटेड नाम से कंपनी बनाई हुई हैं। सैकड़ों लोगों को गुमराह कर डूब क्षेत्र में प्लॉट बेच दिए हैं। इनामी अभियुक्त पर दो मुकदमे दर्ज हैं।

प्रिय सदस्यगण,

जैसा कि आपको भली-भाँति विदित है कि विगत कुछ वर्षो से कतिपय वैधानिक अड़चनों के कारण मैच्योरिटी भुगतान में कुछ विलम्ब की स्थिति उत्पन्न हुई, लेकिन हम एक दिन का भी विलम्ब से भुगतान करने पर अपने सम्मानित सदस्यों को विलम्बित अवधि का ब्याज अवश्य देते हैं। सोसाइटी के मेम्बर्स का हित प्रभावित न हो एवं अपने सदस्यों के सेवा पक्ष को और सुदृढ़ करने के लिए अपने अधिकृत केन्द्रों के अतिरिक्त कॉल सेन्टर, ग्रिवॉन्स सेल तथा सदस्यों को अपनी बात रखने के लिए पोर्टल की भी सुविधा प्रदान की गयी है।

हम अपने कोऑपरेटिव एडुकेटर साथीगण एवं सम्मानित सदस्यों से यह अपील करना चाहेंगे कि सोसाइटी सदैव आपकी हितों एवं सेवा के लिए कटिबद्ध है और आगे भी रहेगी। अतएव आप सरकारी प्रतिष्ठानों यथा प्रधानमंत्री कार्यालय, मुख्यमंत्री कार्यालय, जिलाधिकारी कार्यालय एवं पुलिस प्रशासन के अलावा सेन्ट्रल रजिस्ट्रार कार्यालय आदि को पत्र न लिखकर यदि सोसाइटी के पोर्टल के माध्यम से अपनी समस्या प्रेषित करते तो उसका समाधान और भी पहले मिल जाता तथा उन सरकारी कार्यालयों का समय खराब नहीं होता। क्योंकि उक्त प्रतिष्ठानों का दायित्व पूरे देश के विकास कार्यो का है।

अतः हम आपसे निवेदन करना चाहते है कि आप अपनी समस्त परेशानियों/शिकायतों को उपरोक्त सरकारी विभागों में न भेजकर हमारे निम्नलिखित पोर्टल, टोल फ्री नम्बर एवं ई.मेल, पतों पर भेजें-

Website: www.sccsl.sahara.in
E-mail: contactus.sccsl@sahara.in

पत्राचार का पता :
सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड
सहारा इंडिया भवन, 1, कपूरथला काम्प्लेक्स, अलीगंज
लखनऊ-226024 (उ०प्र०)
टोल फ्री नं. 1800-103-6894

CHHABI2020-9-31/CORP-All

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

कोरोना भय के बीच कम ही विद्यार्थी पहुंचे स्कूल

सोमवार को छह महीने पर खुले स्कूल

स्कूलों में कोरोना से बचाव को बरती गईं सावधानियां

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सोमवार को स्कूल खुलने के बाद पहुंची छात्रा का तापमान जांचते स्टाफ सदस्य।

सोमवार को स्कूल खुलने के बाद कक्षा में पहुंची एक छात्रा को पढ़ाती शिक्षिका।

कोरोना महामारी के भय से छह माह पूर्व 19 मार्च 2020 को बंद किए गए स्कूल सोमवार को खोल दिए गए। हालांकि स्कूलों में 9वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को ही बुलाया गया है। यह भी कम संख्या में। स्कूलों में पहुंचे विद्यार्थियों व स्टाफ ने कोरोना महामारी प्रोटोकॉल के तहत मास्क, सेनिटाइज व सामाजिक दूरी का ख्याल रखा गया।

सोमवार को जिले में स्कूलों को खोले जाने के साथ ही स्टाफ व अन्य कर्मचारियों ने पूरी ऐहतियात बरती। एक दिन पहले से ही सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थी। सामाजिक दूरी के लिए फर्श पर पेंट से गोल दायरे बना दिए गए थे, ताकि सभी विद्यार्थी सामाजिक दूरी से ही खड़े हों। कक्षाओं में कमरों, बेंच को पूरी तरह से सेनिटाइज किया गया। जैसे ही विद्यार्थियों ने स्कूलों में प्रवेश किया गया, उनके हाथ धुनवाने, सेनिटाइज करने के साथ तापमान भी मापा गया। जिनका तापमान अधिक था, उनको प्रवेश देने से पहेज किया गया। स्कूलों में पहुंचने वाले शिक्षकों का कोरोना टेस्ट भी करवाया जा रहा है। ताकि किसी तरह का रिस्क न रहे। निजी और सरकारी केंद्रों, अस्पतालों में कोरोना के टेस्ट किए जा रहे हैं। शिक्षकों ने इस दोनों स्थानों पर कोरोना की जांच करवाई। 9वीं से 12वीं तक की कक्षा के विद्यार्थियों के लिए शुरू किए गए स्कूलों में कम ही विद्यार्थियों को बुलाया गया है। उन विद्यार्थियों को बुलाया गया, जिन्हें ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान कुछ समझ नहीं आया।

यहां जैकबपुरा स्कूल का दौरा किया तो देखा कि गेट के अंदर प्रवेश करते ही छात्राओं के हाथ सेनिटाइज कराने के साथ तापमान मापा जा रहा था। इसके बाद ही उन्हें कक्षाओं में प्रवेश दिया गया। स्कूल में पहुंचने वाले विद्यार्थियों के लिए यह भी जरूरी था कि वे स्कूल में आने के लिए अपने परिजनों से पत्र लेकर आएं। यानी परिजन उन्हें पत्र देकर कहें कि वे अपनी मर्जी से अपने बच्चों को स्कूल भेज रहे हैं। सरकार ने सीधे तौर पर अपना बचाव किया है। अगर कल को किसी विद्यार्थी के साथ कोई परेशानी होती है तो सरकार इससे पल्ला झाड़ सकती है कि किसी विद्यार्थी को दबाव में नहीं बुलाया गया। हालांकि बच्चों की संख्या बहुत ही कम रही।

मुफ्त में हों शिक्षकों के कोरोना टेस्ट

शिक्षक यूनियन के जिला प्रधान दुष्यंत ठाकरान का कहना है कि अभी तक 5 फीसदी शिक्षकों के भी कोरोना टेस्ट नहीं हो पाए हैं। साथ ही शिक्षकों से कोरोना जांच के नाम पर रुपए लिए जा रहे हैं। यानी कोरोना जांच सरकारी अस्पतालों में भी मुफ्त में करने की बजाय, रुपए लेकर की जा रही है। यह शिक्षकों के साथ भेदभाव है। अस्पतालों में आरटीपीसीआर टेस्ट के 1500 रुपए, रैपिड एंटीजन टेस्टिंग के 650 रुपये और एक जीसी बेस्ड ऐलिसा टेस्टिंग के 250 रुपये लिए जा रहे हैं।

गांव खुर्रमपुर में दो पक्षों के बीच हुए झगड़े में महिला सहित चार घायल

फरूखनगर। खंड के गांव खुर्रमपुर खेड़ा में पूर्वजों की समाधि को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया। आपसी कहासूनी खूनी संग्राम में बदल गई। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के चार लोगों को लोहे की रॉड, सरिये, डंडे से मारपीट की और पथराव करके घायल कर दिया। घायलों का उपचार के लिए फरूखनगर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया और झगड़े में गंभीर रुप से घायल साहिल को गुरुग्राम रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने मौके की कार्रवाई के जांच शुरु कर दी है।

झगड़े में घायल हुए लेखराज ने बताया कि गांव में उनके पूर्वजों की समाधि बनी हुई है। समाधि पर हुए कब्जे को लेकर उनका परिवार के ही सदस्यों से मनमुटाव चल रहा था। रविवार को जब वह अपने घर पर थे तो उसी दौरान रोशन, नवीन, प्रवीण, जग्गी, नीरज, धीरज, कश्मीरी, भारती, प्रियंका, किरण, सरोज हाथो में लोहे की रॉड, सरिये, डंडे लेकर आये और गाली गलौच करने लगे। इसी बीच अचानक मारपीट शुरू कर दी। झगड़े के दौरान महिलाओं ने पथराव कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

रेजांगला शौर्य की कहानी पाठ्यक्रम में शामिल हो : डॉ. टीसी राव

गुरुग्राम। पिछले छह सालों से की जा रही मांगों को स्वीकार करते हुए हरियाणा सरकार ने जिले के 144 सरकारी स्कूलों का नामकरण शहीदों के नाम पर करने का आदेश जारी किया है। इसके लिए ग्रामीण उत्थान-भारत निर्माण के संयोजक डॉ. टीसी राव ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है। टीसी राव ने यह भी कहा कि अब रेजांगला शौर्य की कहानी पाठ्यक्रम में शामिल की जाए। उन्होंने कहा कि 6 सालों से सरकार से निवेदन कर रहे थे कि शहीदों के नाम पर जिले के सभी स्कूलों का नाम उनके गांव के शहीद सैनिकों के नाम पर किया जाए। स्कूल के नामकरण के साथ-साथ स्कूल के प्रांगण में उस गांव के शहीदों की प्रतिमा की स्थापना भी की जाए। यह मांग काफी समय से लंबित थी। जिस पर हरियाणा सरकार इसकी घोषणा कर चुकी है। इसको क्रियान्वित करने के लिए जल्द से जल्द प्रयास किए जाएं। डॉ. राव कई बार मुख्यमंत्री से मिलकर इस मुद्दे पर चर्चा कर चुके हैं। सैनिक कल्याण मंत्री ओमप्रकाश यादव को पिछले 10 महीनों से बार-बार अवगत करवा रहे थे, उनका भी धन्यवाद करते हैं। हम तमाम शहीद परिवारों की ओर से पूर्व सैनिकों की ओर से और क्षेत्रवासियों की ओर से मुख्यमंत्री का एक बार फिर आभार व्यक्त करते हैं। स्कूलों के शहीदों के नाम पर नामांकरण से निश्चित रूप से गांव के युवाओं, जो स्कूल में पढ़ते हैं।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

सोहना। सीआईए-39 गुरुग्राम पुलिस ने सोहना में अवैध हथियार लेकर घूम रहे युवक को गिरफ्तार किया है। जिसके खिलाफ सोहना सिटी थाना में मामला दर्ज कराया है। रविवार शाम सीआईए पुलिस सेक्टर-39 गुरुग्राम की टीम सोहना में गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान सूचना मिलने पर जिला पलवल के थाना हथीन निवासी पीयूष को नागरिक अस्पताल के सामने से काबू कर लिया। तलाशी के दौरान अवैध हथियार बरामद कर लिया। आरोपी के खिलाफअवैध हथियार लेकर घूमने और लूट की वारदात को अंजाम देने की मंशा के तहत मामला दर्ज किया है।

युवक तीन दिन बाद भी घर नहीं लौटा

सोहना। गांव खेड़ला में जरूरी काम के लिए घर से गया युवक 72 घंटे बीत जाने के बाद भी नहीं लौटा। युवक की पत्नी ने सोहना सदर थाना में शिकायत दर्ज कराई है। गांव खेड़ला निवासी सपना ने पुलिस को बताया कि उसका पति सुनील शर्मा शुक्रवार सुबह 8 बजे घर से बैंक के लिए निकला था। लेकिन तीन दिन से उसका कोई सुराग नहीं लग रहा है। उसका मोबाइल फोन बंद आ रहा है। पीड़िता महिला की शिकायत पर अज्ञात होने का पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

लाइन कटने से शहर की पानी आपूर्ति व्यवस्था ठप

सोहना। सोहना में एलीवेटेड मार्ग निर्माण के दौरान बरती जा रही लापरवाही का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। सड़क निर्माण कार्य को गति देने के प्रयास में बार-बार पेयजल आपूर्ति की लाइनें कट रही हैं। कॉलोनियों में पेयजल आपूर्ति न होने से लोग शहर के दूसरे वार्डो से पानी बाइक, स्कूटी, साइकिल से ढोकर ला रहे हैं। महिलाएं सिर पर बर्तन रख पानी लाने के लिए मजबूर हो रही हैं। सोहना के वार्ड-19 में बीते पांच दिनों में दो बार पेयजल पाइप लाइन कटने से समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है। स्थानीय निवासी नैनसिंह सैनी का कहना है कि पांच दिन में मात्र दो घंटे पानी की सप्लाई मिली है। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण के दौरान मशीनों पर कार्य करने वाले इंजीनियर जमीन में दबी पानी लाइनों को नजरंदाज कर रहे हैं। मिट्टी खुदाई के दौरान जेसीबी या हाइड्रा से लाइनों को काट दिया जाता है। श्याम सिंह का कहना है कि दूसरे वार्ड में जाकर पानी साइकिल से लेकर आना पड़ रहा है। कोरोना काल में हर कोई जानकार अपने घरों में बाहरी लोगों को आने से रोक रहे हैं। जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी एलीवेटेड मार्ग के निर्माण के दौरान पेयजल आपूर्ति की लाइन बार-बार कटने से परेशान हो रहे हैं। एसडीओ ओमप्रकाश का कहना है कि राष्ट्रीय लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सड़क निर्माण कार्य में सतर्कता बरतने को कह दिया है। जिस स्थान पर लाइन कटती है। वहां पर लोकनिर्माण विभाग के कर्मचारी तुरत प्रभाव से ठीक करेंगे। ताकि पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था किसी सूरत में समस्या का कारण न बने।

फ्लाईंग स्कवायड टीमें रखेंगी पराली जलाने वालों पर नजर

गुरुग्राम। जिला में फसल के अवशेषों को जलाने से रोकने व इसकी निगरानी करने के लिए गांव, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर फ्लाइंग स्कवायड टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें जिला में फसलों के अवशेष जलाने की रोकथाम के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उपायुक्त बताया कि ग्रामीण स्तर पर मॉनीटरिंग के लिए संबंधित क्षेत्र के पटवारियों, सरपंचों तथा एडीओ की ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार खण्ड स्तर पर संबंधित खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, कानूनगो तथा खण्ड कृषि अधिकारी, उपमण्डल स्तर पर संबंधित एसडीएम, तहसीलदार, उपमण्डल कृषि अधिकारी तथा एसीपी निगरानी रखेंगे। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, गुरुग्राम के उपनिदेशक तथा हरियाणा राज्यप्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी मॉनिटरिंग करते हुए सुनिश्चित कर रही हैं कि जिला में फसलों के अवशेषों को ना जलाया जाए। जिला उपायुक्त ने जिला के सभी किसानों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपनी फसलों के अवशेष न जलाएं और फसलों के अवशेषों को जमीन मेंही मिलाएं ताकि भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाई जा सके। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान इस कार्य में जिला प्रशासन का सहयोग करें।

एसओपी नियमों के अनुरूप सोमवार को खुले स्कूल

बच्चों की हुई थर्मल स्क्रीनिंग और मांगा गया अभिभावक सहमति पत्र

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तावडू में तापमान जांच कराते बच्चे।

छह महीने बाद स्कूल खुलने पर एक अलग ही चहल पहल दिखाई दी। कोरोना महामारी में कक्षा 9-12 तक के स्कूल खुलने की एसओपी का पालन करते हुए तावडू क्षेत्र के स्कूल खुले। जिन स्कूल संचालकों ने आज स्कूल नहीं खोला उन स्कूलों के स्टाफ ने सोमवार को सीएचसी व अपने स्कूल परिसर में कोरोना टेस्टिंग कराई। इन संचालकों ने कहा कि वे मंगलवार से स्कूल खोलेंगे।

स्कूलों में कदम रखते ही अध्यापकों व बच्चों की थर्मल स्क्रीनिंग हुई। सभी ने हाथों को सेनिटाइज किया गया व बच्चों से स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों का सहमति भरा पत्र भी लिया। इसके बाद ही बच्चे को स्कूल में अंदर आने की अनुमति मिली। हालांकि अभी स्कूलों में बच्चों को केवल परामर्श लेने को बुलाया गया है। सोशल डिस्टेंसिंग का अध्यापकों व बच्चों ने समुचित तौर पर पालन किया। यहां बता दें कि सरकार ने अनलॉक-4 में देश में 9वीं से 12वीं क्लास के छात्रों के लिए एहतियात के साथ स्कूल खोलने की मंजूरी दी है। कोरोना महामारी के चलते गत 6 महीने से स्कूल बंद थे। हालांकि अब भी वही छात्र स्कूल जा सकेंगे जिनके घर कंटेनमेंट जोन से बाहर हैं। ऐसे छात्रों के लिए ऑनलाइन क्लास अब भी जारी रहेगी। शांति निकेतन स्कूल पथरेडी के संचालक नरेश महलावत, स्प्रिंग डेजी कान्वेंट स्कूल के संचालक दीपक भाटी, ग्रीन डेल्ज स्कूल के संचालक भुवनेश्वर शर्मा, स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल के संचालक विनोद गोयल, हिंद हाई स्कूल के संचालक राजशेखर धर्मसोत, सर्वोदय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संचालक नरेश राठी, चंद्रवती स्कूल ऑफ एजुकेशन के संचालक बाबू रविंद्र गुप्ता, लिपिन पब्लिक स्कूल के संचालक संजीव यादव, जनता स्कूल के संचालक डॉ. केशव गोयल, एमएसडी स्कूल के संचालक हासम खान के अलावा कई अन्य स्कूल संचालकों ने सरकार की इस पहल का स्वागत किया है।

परामर्श के लिए स्कूल पहुंचे 9 से 12वीं के विद्यार्थी

सोहना। राजकीय स्कूलों में सोमवार से कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों को परामर्श के लिए बुलाया गया।

विद्यार्थियों को परामर्श के बाद घर भेज दिया। सोहना खंड हाई व सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में 9 से 12वीं की कक्षाओं के विद्यार्थियों का स्कूल के प्रवेश द्वार पर बनाए गए विशेष जांच काउंटर पर शरीर का तापक्रम मापने के साथ उन्हें सैनेटाइज किया गया। शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच सामाजिक दूरी का विशेष ध्यान रखा गया। पिछले छह माह जो विद्यार्थी अपने घर पर स्मार्ट मोबाइल फोन या नेटवर्क न होने के कारण पढ़ाई नहीं कर रहे थे। ऐसी छात्राओं को प्राथमिकता देते हुए सोमवार को स्कूल में पढ़ाई के लिए बुलाया। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल की प्रधानाचार्य सुनील कुमारी ने बताया कि उन्होंने उन छात्राओं को परामर्श के लिए बुलाया है।

फ्लाईओवर में आई दरार मरम्मत कार्य शुरू

एलीवेटेड मार्ग के निर्माणाधीन फ्लाईओवर में आई दरार। लाल घेरे में।

नरेश कुमार। सोहना

गुरुग्राम-सोहना के बीच निर्माणाधीन एलीवेटेड मार्ग पर ढाणी के पास बन रहे फ्लाईओवर में आई दरार ठीक करने की कवायद शुरू हो गई है। करीब दो माह पहले फ्लाईओवर की दो प्लेटों में दरार आने से हड़कंप मच गया था। पायनियर में छापी खबर का असर करीब एक माह के बाद दिखाई दे रहा है।

फ्लाईओवर की दो प्लेटों में दरार आने से फ्लाईओवर के निर्माण पर सवालियां निशान लगने लगे थे। वहीं फ्लाईओवर के निर्माण कार्य में बरती जा रही लापरवाही का खुलासा होने लगा। फ्लाईओवर का निर्माण कार्य एचजी इंफ्रा कंपनी द्वारा किया जा रहा है। दैनिक पायनियर अखबार ने समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिससे कंपनी के ठेकेदार से लेकर अधिकारी तक हरकत में आ गए थे। करीब एक माह बाद कंपनी ने फ्लाईओवर में आई दरार दुरस्त करने का कार्य शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार फ्लाईओवर में आई दरार ठीक करने वाले कारीगर उत्तर प्रदेश से आए हैं। समस्या दूर करने में कम से कम 15 दिन लगने की उम्मीद की जा रही है। इस संबंध में मौके पर मौजूद कंपनी के अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करनी चाही तो उन्होंने कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया।

सस्पेंड सरपंच की जगह दूसरे को नहीं मिलने पर रुके विकास कार्य

फरूखनगर। खंड के गांव बांस हरिया अलियर की सरपंच सीमा उर्फ सविता को प्रधान सचिव पंचायती विभाग सुधीर राजपाल द्वारा फिर से सस्पेंड किए जाने के जिसके चलते गांव का सरपंच पद खाली पड़ा है। सरपंच पद रिक्त होने से गांव को मूलभूत सुविधाओं स्ट्रीट लाइट, पेयजल, सफाई, सिवरेज आदि समस्याओं से दो चार होना पड़ रहा है। इतना ही नहीं स्कूल, कॉलेज के छात्रों को डोमोसाइल, चरित्र, जाति प्रमाण पत्र बनवाने में भी दिक्कत आ रही है।

गांव का सरपंच पद महिला आरक्षित है और गांव के कुल आठ पंचों में से 3 महिला पंच चुनी हुई है। अगर नियमों की बात करें तो इस सरपंच पद के लिए महिला पंचों में से ही कार्यवाहक सरपंच चुना जाना तय है। आठ पंचों में से पांच पंच जिस महिला पंच पर अपना विश्वास जताएंगे, वह गांव की नई कार्यवाहक सरपंच चुनी जा सकती है। जिला उपायुक्त ने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को आदेश भी पारित किए हुए हैं कि गांव में कार्यवाहक सरपंच चुनने के लिए किसी बहुमत वाले पंच को चार्ज दिया जाए।

पूर्व मंत्री जगदीश नेहरा बने नेहरा खाप ट्रस्ट के अध्यक्ष

नेहरा खाप ट्रस्ट विधिवत रूप से पंजीकृत

कर्नल धर्मवीर नेहरा सचिव, वरिष्ठ पत्रकार अमित नेहरा मैनेजिंग ट्रस्टी, बलबीर सिंह नेहरा बने सह -सचिव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नेहरा खाप के अध्यक्ष बनने के बाद जानकारी देते पूर्व मंत्री जगदीश नेहरा।

विश्व शांति दिवस के मौके पर सुप्रसिद्ध नेहरा गौत्र की खाप के ट्रस्ट ने पंजीकरण कराया है। भविष्य में देश-विदेश के नेहरा गौत्र की सभी खापों की सभी गतिविधियां इस ट्रस्ट के अधीन होंगी। नेहरा खाप ट्रस्ट का अध्यक्ष पूर्व केबिनेट मंत्री जगदीश नेहरा, सचिव कर्नल धर्मवीर नेहरा, संयुक्त सचिव बलवीर सिंह नेहरा और मैनेजिंग ट्रस्टी वरिष्ठ पत्रकार अमित नेहरा को बनाया गया है। नेहरा खाप ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश नेहरा ने कहा कि बड़े हर्ष का विषय है कि विश्व शान्ति दिवस के मौके पर नेहरा खाप ट्रस्ट का पंजीकरण हुआ है। इससे समाज में शान्ति और भाईचारे का संदेश जायेगा। नेहरा ने कहा कि देश-विदेश में अभी तक नेहरा खाप की गतिविधियां असंगठित रूप से चल रही थीं। ट्रस्ट बनने के बाद इनको संगठित रूप से आयोजित किया जा सकेगा। इससे संगठन में पारदर्शिता आयेगी। भविष्य में किसी प्रदेश या देश-विदेश में किसी भी नेहरा खाप के गठन या पुनर्गठन और चुनावों के लिए नेहरा खाप ट्रस्ट से मंजूरी लेनी आवश्यक होगी। जल्द ही नेहरा खाप ट्रस्ट, नेहरा खाप के लिए लिखित में दिशा-निर्देश जारी करेगा, ताकि संगठन में और ज्यादा पारदर्शिता आये। उन्होंने बताया कि नेहरा गौत्र का कोई भी व्यक्ति ट्रस्ट की सभी औपचारिकताएं पूरी करके ट्रस्टी बनकर समाजसेवा कर सकता है। नेहरा खाप ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश नेहरा खाप के भी राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल कोरोना काल चल रहा है। अत: खाप बड़े सामाजिक सम्मेलनों के आयोजनों से दूरी बनाए हुए है। जब तक स्थितियां सामान्य नहीं हो जातीं तब तक सामाजिक दूरी का पालन आवश्यक है। इस दौरान कम संख्या में एकत्रित होकर समाजसेवा के कार्य किये जाए। इस अवसर पर कृष्ण नेहरा, संदीप नेहरा, आशीष नेहरा, सहीराम सहारण पूर्व सरपंच और राम जाट समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

...जो चाहो छांव तो वृक्षों सा झुक जाना जरूरी है

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बड़े हो तो बड़प्पन का हुनर आना जरूरी है, जो चाहो छांव तो वृक्षों सा झुक जाना जरूरी है। कवियत्री मोनिका शर्मा ने यह संदेशपरक रचना पढ़ी डिजिटल काव्य गोष्ठी में। यह हिन्दी विमर्श एवं काव्य गोष्ठी अखिल भारतीय साहित्य परिषद गुरुग्राम इकाई की ओर से आयोजित की गई। प्रख्यात कवि एवं साहित्य परिक्रमा के संपादक डॉ. इंदुशेखर तत्पुरुष ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहे। प्रख्यात कवि एवं गगनांचल पत्रिका के संपादक डॉ. आशीष कंधवे विशिष्ट अतिथि रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अभासा परिषद गुरुग्राम इकाई की अध्यक्ष प्रो. कुमुद शर्मा ने की। प्रान्तीय मार्गदर्शक शिव कुमार खंडेलवाल के सान्निध्य में प्रान्तीय महामंत्री डॉ. योगेश वशिष्ठ ने विषय प्रवर्तन की भूमिका का निर्वाह किया। कार्यक्रम का सुन्दर संचालन इकाई महामंत्री मोनिका शर्मा ने किया।

गुरुग्राम में काव्य गोष्ठी में शामिल कविगण।

गोष्ठी में डॉ. योगेश वशिष्ठ ने वर्तमान समय के कठिन दौर की प्रभावशाली रचना पढ़ी। उन्होंने सुनाया-हम समय के ऐसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं, जिसमें बच्चों का बचपन टीवी मोबाइल ने लील दिया है। अपनी भाषा को भूलकर अंग्रेजी का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है। हमारी भारतीयता व स्वाभिमान को लकवा मार गया है। हरीन्द्र यादव ने सम सामयिक हरियाणवी रचना पढ़ी- फीके पड़ गए सब त्योहार-कोरोना तेरो डर लागे, सबके मुंह चढ़ा आवरण- दे न शक्ल दिखाई, दो गज की दूरी रखकर-कैसे दें बधाई। नरेन्द्र खामोश ने सुनाया-फैल गयो सब देसन में, कहुं देस को कोउ प्रदेस बचो ना। शालिनी रस्तोगी के सस्वर काव्य पाठ निज दुख निज पीड़ा से कैसे तुमको एकाकार करूं। सविता स्याल ने सुनाया-काश, धरती से स्वर्ग तक मार्ग इक सुन्दर बन जाए, हम चंदा, तारों संग, अक्सर जा बैठ, बतियाएं। डॉ. इंदुशेखर ने रविवार को केन्द्र में रखकर मध्यम वर्गीय परिवार के बिम्ब से शानदार चित्र खींचा। उन्होंने सुनाया-हफ्ते में दो बार क्यों नहीं आता रविवार। राजकुमार गजलयार ने महानगरों की जीवनशैली से जुड़ी गजल में सुनाया-जिन्दगी में इतनी भागम-भाग क्यों है, सोती नहीं सड़कें रात-रात शहर में बेचैन जागम-जाग क्यों है।

डॉ. आशीष कंधवे ने अयोध्या के संदर्भ में रचना में कहा-धरा क्षितिज का देख आलिंगन हर्षित, हर्षित भारत-भू का कोना-कोना आज मधुबन है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभासा परिषद गुरुग्राम इकाई की अध्यक्ष प्रो. कुमुद शर्मा ने की। प्रान्तीय मार्गदर्शक शिव कुमार खंडेलवाल के सानिध्य में प्रान्तीय महामंत्री डॉ. योगेश वशिष्ठ ने विषय प्रवर्तन की भूमिका का निर्वाह किया। कार्यक्रम का सुन्दर संचालन इकाई महामंत्री मोनिका शर्मा ने किया। इस गोष्ठी में साहित्यकार मुकेश शर्मा, विभा रश्मि, कमलेश कौशिक, कृष्णा जैमिनी, ज्योति वर्मा, अश्वनी शर्मा सहित कई साहित्य प्रेमियों ने शिरकत की।

होम आइसोलेशन में कोरोना संक्रमितों को करा रहे वर्चुअल योगासन

गुरुग्राम। कोरोना संक्रमित होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों के लिए वर्चुअल माध्यम से योग सत्र का आयोजन भी शुरू किया गया है ताकि वे योग क्रियाएं करके अपने शरीर की बिमारियों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर जल्द कोरोना को मात दे सकें और स्वस्थ हो सकें।

जिला आयुष विभाग ने होमआइसोलेशन में रह रहे मरीजों के लिए एक घंटे का योग सेशन वर्चुअल माध्यम से शुरू किया है। इस दौरान होम आइसोलेशन में रहे रहे कोरोना संक्रमित मरीजों को उनयोग क्रियाओं की जानकारी दी जाती है जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेतथा वे जल्दी इस बीमारी से रिकवर कर पाएं। यह वर्चुअल योग सेशन प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से 10 बजे तक एकघंटे के लिए योग प्रशिक्षक भूदेव द्वारा करवाया जाता है।

भ्रष्टाचार और काम में देरी बर्दाश्त नहीं होगी : सत्यप्रकाश जरावता

पायनियर समाचार सेवा। फरूखनगर

पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने सोमवार को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय परिसर में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों की बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने सख्त हिदायत दी कि भ्रष्टाचार और कार्य में देरी नहीं चलेगी। अधिकारी विशेष ध्यान दें, ताकि क्षेत्र की जनता को अपने कार्यों के लिए बार बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर ना लगाने पड़ें। अधिकारी, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों का जनता की सेवा ही परम धर्म है।

उन्होंने कहा कि आज की अधिकारियों के साथ बैठक का मुख्य उद्देश्य कोरोना काल से पूर्व कराये गए विकास कार्यों की रुप रेखा की समीक्षा करना है। बैठक में शिकायत लेकर पहुंचे गांव महचाना के ग्रामीणों ने महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना के तहत सरकार द्वारा दिए गए 100-100 वर्ग गज के प्लाट अभी तक नहीं दिए व इंतकान नहीं चढ़ाने की शिकायत की। विधायक ने तुरंत बीडीपीओ को गरीबों की फरियाद पर अमल करने के आदेश दिए। ग्रामीणों ने बिजली, पानी, सड़क, सीवरेज, पुलिस विभाग से जुड़ी समस्याओं को रखा तो उन्हें जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। विधायक ने समस्याएं सुनने के उपरांत मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि अनाज मंडी फरूखनगर में बाजरे की खरीद शुरु होने से पहले जर्जर सड़क को दुरुस्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि तीन कृषि अध्यादेश से किसानों को असली आजादी मिलेगी। देश का किसान खुश है।

फरूखनगर में लोगों की समस्याएं सुनते विधायक सत्यप्रकाश जरावता।

विपक्ष किसानों को बरगलाने, बहकाने में जुटा है। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि फरूखनगर खंड के सभी गांवों के सरकारी स्कूलों में लड़के और लड़कियों के शौचालय बनाये जाये। मुशैदपुर हाई स्कूल को अपग्रेड करने की फाइल तैयार की जाये। उन्होंने पीडब्ल्यूडी विभाग के एसडीओ से फरूखनगर के सरकारी सरकारी अस्पताल के 50 बेड के भवन निर्माण, डिग्री कालेज फरूखनगर सुल्तानपुर के निर्माण के बारे में जानकारी ली और जल्द निर्माण पूरा करने के लिए कहा।

स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के आदेशों के बीच उलझे शिक्षक

हेल्थ डिपार्टमेंट शिक्षकों से ले रहा कोरोना जांच का शुल्क

कोरोना

निर्देशों देकर कोरोना जांच केन्द्र रविवार को खोलना भूल गए जिला सिविल सर्जन

कविता। फरीदाबाद

सोमवार से नौवीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल खुल गए, लेकिन स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के आदेशों ने शिक्षकों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। सीएमओ द्वारा जिला शिक्षा विभाग को सभी सरकारी और निजी स्कूलों के अध्यापकों को आने से पहले कोरोना जांच कराने के आदेश दिए हैं। जिसमें जांच के लिए शिक्षकों से शुल्क लेने की बात कही है। शिक्षकों ने शुल्क वसूलने पर विरोध जताया है। उनका कहना है कि कोरोना महामारी में सरकार के हर निर्देश के तहत काम किया। अब उनकी जांच के लिए उनसे शुल्क मांगा जा रहा है।

बीके अस्पताल में कोरोना जांच करवाने को लगी भीड

नहीं हुई जांच

शिक्षा विभाग ने स्वास्थ्य विभाग का यह आदेश स्कूलों में शनिवार को भेजा गया। शनिवार को सूचना देरी तक सभी को मिली। ऐसे में रविवार को जांच करवाना मुश्किल भरा था। क्योंकि निर्धारित किए गए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र पोलियों बुथ ही खुले मिले। अन्य ज्यादातर केन्द्रों पर रविवार को जांच न होने की सूचना मिली। ऐसे में रविवार को उनकी जांच न हो सकी। मात्र दो या तीन प्रतिशत शिक्षक ही अपनी जांच करवा सके।

यह था लेटर

जिला सिविल सर्जन द्वारा 18 सितंबर को शिक्षा विभाग को शिक्षकों की कोरोना जांच करवाने के लिए पत्र भेजा गया। जिला सिविल सर्जन के द्वारा कुल 45 शहरी और ग्रामीण इलाकों के स्वास्थ्य केन्द्रों के नाम, डॉक्टर के नाम और नम्बर समेत दिए गए थे। इसके साथ मौजूद नोटिस में शिक्षकों को कोरोना जांच का शुल्क देने को कहा है। जिसमें आरटीपीसीआर जांच के लिए 1600 रुपये, रैपिड़ एंटीजन जांच के लिए 650 रुपये और एलाइजा टेस्टिंग के लिए 250 रुपये मांगे गए हैं।

रविवार को बंद कोरोना जांच

कोरोना जांच के लिए जिला सिविल सर्जन के द्वारा सिविल अस्पतालों के अलावा 45 शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्रों की लिस्ट जारी की गई है। पायनियर ने पड़ताल के लिए जारी नंबरों पर फोन किया तो पता चला कि ज्यादातर स्वास्थ्य केन्द्र रविवार को बंद रहते हैं। जो स्वास्थ्य केन्द्र खुलते हैं, उनमें रविवार को लैब टैक्नीशियन न होने से कोरोना समेत अन्य सभी जांच नहीं हो पाती है। स्वास्थ्य विभाग के इस लापरवाह रवैये के कारण सोमवार को शिक्षक कोरोना जांच की लम्बी लाइनों में खड़े नजर आए।

कोरोना: एक मौत, 251 पॉजिटिव से आंकड़ा 18012

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सोमवार को 251 पॉजिटिव मरीज आने से जिले में कोरोना 18 हजारी हो गया। 18 हजारी कोरोना महामारी में अब तक मृतकों की संख्या का आंकड़ा 206 पर पहुंच चुका है। वहीं सोमवार को पिछले 24 घंटे में राहत की बात यह रही कि 285 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 89.4 प्रतिशत पर पहुंच गया।

मृतक और पॉजिटिव

206 मृतकों में एक मौत सोमवार को हुई। 55 वर्षीय मृतक व्यक्ति आजाद कालोनी का रहने वाला था। वह कोरोना के साथ अन्य कई बीमारियों से ग्रस्त था। वहीं 251 पॉजिटिव में श्याम कालोनी, भारत कालोनी, स्प्रींग फिल्ड कालोनी, भूड कालोनी, भूपानी, पुरी प्रणायाम, सैनिक कालोनी, विनय नगर, सूर्या बिहार, शिव दुर्गा बिहार, एसी नगर, नंगला, दयालपुर, फतेहपुर तगा, मोहना, नवादा, ऊंचा गांव से 1-1 मरीज है। सेक्टर-3, 17, 15, खतरी वाड़ा, जीवन नगर, आदर्श नगर, सीही, अजरौंदा, बसंतपुर, ओल्ड फरीदाबाद, अमर नगर, मौजपुर, मेवला महाराजपुर, सीकरी, तजुपुर से 2-2 मरीज शामिल है। सेक्टर-31, 14, बसेलवा कालोनी, एनएच-5, 2, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, फ्रेंडस कालोनी, महावीर कालोनी, तिगांव, जनता कालोनी, जवाहर कालोनी, पर्वतीया कालोनी, चावला कालोनी से 3-3 मरीज है। सेक्टर-30, 28, 16, 86, तिलपत, दयालबाग, आजाद नगर, खेड़ीकलां, एसजीएम नगर, एनएच-एक, तीन, सुंदर कालोनी से 4-4 मरीज है। ग्रीन फिल्ड कालोनी, सेक्टर-21, 9, 15, 88, शास्त्री कालोनी से 5-5 मरीज है।

यह हैं आंकड़े

कुल सैंपल लिये	184569
रिपोर्ट नेगेटिव	166236
रिपोर्ट आनी है शेष	321
अब तक कुल पॉजिटिव	18012
अब तक कुल ठीक	16106
अब तक कुल मौत	206
गंभीर हालत में भर्ती	55
आईसीयू में भर्ती	12

संक्षिप्त समाचार

नागर ने बताया पेड़ों का महत्व

फरीदाबाद। तिगांव के विधायक राजेश नागर के अनुज सुधीर नागर ने पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि पृथ्वी पर पेड़ उगाकर भगवान ने मनुष्य को जीवन का सबसे बड़ा तोहफा दिया है। अगर पृथ्वी पर पेड़ नहीं होते तो मानव का बचना धरती पर नामुमकिन था। नागर उदयीमान क्रिकेटर युवराज के 14वें जन्मदिवस पर एसआरएस पर्ल सोसायटी के सैन्ट्रल पार्क में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में पौधारोपित करने के बाद उपस्थित रेजीडेंट को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर एसआरएस पर्ल रेजीडेंट वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष सुभाष नरवाल व अन्य पदाधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। उदयीमान क्रिकेटर युवराज केन्द्रीय विद्यालय नम्बर-2 के नेशनल टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अभी तक 1400 पौधों का रोपण करा चुके हैं। उपस्थित रेजीडेंट्स को सम्बोधित करते हुए नागर ने कहा कि पेड़ हमें ऑक्सीजन प्रदान करते है। इससे हमारा जीवन संभव होता है। पेड़ों से हमें फल-फूल व जीवन रक्षक औषधियां भी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर युवराज की तरह ही प्रत्येक व्यक्ति को अपने जन्मदिवस पर पौधारोपण करवाना चाहिए। पृथ्वी पर जितने ज्यादा पौधे रोपित किए जाएगें। उतना ही हम ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से छुटकारा पा सकेंगे।

निगम मुख्यालय पर कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

फरीदाबाद। नव चयनित क्लर्कों की ज्वाइनिंग के बाद नगरपालिका, परिषदों व नगर निगमों में सालों से आऊटसोर्सिंग नीति पार्ट 1 व 2 में ठेके पर लगे क्लर्कों व कम्पयूटर आपरेटरों की छंटनी के खिलाफ निगम मुख्यालय कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कर्मचारी जुलूस लेकर निगम आयुक्त के आवास पर पहुंचे जहां निगम आयुक्त को आंदोलन का नोटिस दिया। नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने छंटनी पर रोक नहीं लगाई और छंटनी किए गए कर्मचारियों को ड्यूटी पर वापस नहीं लिया तथा मानी गई मांगों को लागू नहीं किया तो संघ 23 सितंबर को रोहतक में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की राज्य स्तरीय कन्वेंशन आयोजित कर हड़ताल की घोषणा करने के लिए मजबूर कर होगा। आज के प्रदर्शन की अध्यक्षता संघ के जिला प्रधान गुरुचरण खंडिया ने की तथा मंच का संचालन सफाई कर्मचारी यूनियन के सचिव सोहनपाल झिझोटिया ने किया।

पायथन और मैटलैब अनुप्रयोगों पर कार्यशाला संपन्न

फरीदाबाद। वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गणित विभाग तथा कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मैटलैब एवं पाइथन साफ्टवेयर अनुप्रयोगों का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक कम्प्यूटिंग विषय पर एक सप्ताह की कार्यशाला संपन्न हो गई। टीईक्यूआईपी-3 के अंतर्गत प्रायोजित इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के समापन सत्र को चैधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल मुख्य अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कंप्यूटर इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. कोमल भाटिया तथा गणित की विभागाध्यक्ष डा. नीतू गुप्ता भी उपस्थित थे। सत्र का समन्वय डॉ. सूरज गोयल ने किया।

श्रमिकों को उजाड़ने की जगह रोजगार दें सरकार

फरीदाबाद। कोरोना काल में अपने रोजगारों को छोडक़र गए प्रवासी श्रमिकों को वापस लाने के लिए राज्य सरकार ने भरसक प्रयास किए, लेकिन अब प्रदेश की भाजपा सरकार के सामने उनको रोजगार मुहैया कराना एक बड़ी चुनौती है। कोरोना महामारी में जहां निजी उद्योगों की कमर पहले ही टूट चुकी है, वहीं सरकार स्वयं मजदूरों एवं कर्मचारियों की छंटनी करने में लगी हुई है। इन सब हालातों को देखते हुए आज प्रवासी भारतीय मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का संकट उत्पन्न हो गया। इन्हीं हालातों के मद्देनजर रविवार को युवा कांग्रेस नेता गौरव चौधरी ने सेक्टर-9 स्थित स्वर्गीय विकास चौधरी के कार्यालय पर प्रवासी मजदूरों की एक मीटिंग का आयोजन किया। जिसमें प्रवासी मजदूरों सहित अनेक प्रवासी नेताओं ने शिरकत की। किसान कांग्रेस के वाइस चेयरमैन राकेश भड़ाना ने प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा स्थानीय युवाओं को नौकरी में 75 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने प्रस्ताव को युवाओं के हित में बताया लेकिन साथ ही कहा कि इससे दूसरे राज्यों से आए प्रवासी मजदूरों के अधिकारों का हनन होगा और कहीं न कहीं उनकी प्रतिभाओं के साथ अन्याय होगा। इसलिए सरकार को इस नीति में सुधार की आवश्यकता है।

घर में तोड़फोड़ कर आग लगाने की कोशिश

फरीदाबाद। पुरानी रंजिश में चार युवकों ने गढ़खेड़ा निवासी एक युवक के घर में घुसकर आग लगाने के उद्देश्य से डीजल डाल दिया। आरोपियों का विरोध करने पर उन्होंने मकान मालिक के साथ मारपीट करते हुए घर के भीतर तोड़फोड़ कर दी। जिस पर पीड़ित ने शोर मचा दिया। लोगों को आता देखकर आरोपी मौके से फरारा हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

थाना छांयसा पुलिस के मुताबिक गढ़खेड़ा गांव के रहने वाले वीर सिंह ने दी अपनी शिकायत में बताया कि गांव में रहने वाले डालचंद उर्फ मोगली से उसके परिवार की रंजिश चली हुई है। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते ये लोग हर समय झगड़े की फिराक में रहते हैं। वीर सिंह का कहना है कि 19 सितंबर की रात को वह अपने घर में परिवार सहित सोया हुआ था। आरोप है कि रात को करीब 12 बजे डालचंद उर्फ मोगली, दीसान, संजीव व हसन आए और उसके घर के बाहर लगे मीटर को तोड़ते हुए घर में घुसकर अन्य सामान तोड़ना शुरू कर दिया। आरोप है कि आरोपितों ने उसके घर में डीजल से भरी बोतल उडेलकर आग लगाने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपियो ने वीर सिंह व उसके बेटे देवेश के संग मारपीट भी की।

चिंताजनक हालत में किया बच्चों को रोहतक रेफर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ताऊ ने जिन दो मासूम बच्चों को सिगरेट से झुलसाया था, उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बीके सिविल अस्पताल से रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया। बच्चों की मां के पास पैसे न होने की स्थिति में समाजसेवी सतीश चौपड़ा ने उनके लिए एम्बुलेंस उपलब्ध कराई और बच्चों को रोहतक तक दाखिल करवाने पहुंचे। वहीं चाइल्ड हेल्प लाइन के सदस्य रविन्द्र को बच्चों को रोहतक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। होश न आने की वजह से वे बच्चों का बयान नहीं ले पाए।

रोहतक में अपातकालीन कक्ष में भर्ती दोनों बच्चे

शाम को किया रेफर

रविवार शाम को छह बजे रोहतक के लिए रेफर कर दिया। रोहतक के लिए एम्बुलेंस करवाने और बच्चों के लिए फल, कपड़ों के इंतजाम की जिम्मेदारी समाजसेवी सतीश चौपड़ा ने उठाई। बीके अस्पताल से रोहतक तक उनका खर्च उन्होंने उठाया। देर रात दोनों ने बच्चों को भर्ती करवाने के बाद सुबह सतीश चौपड़ा व रविंद्र वापस लौट आए। वहीं जिला बाल संरक्षण अधिकारी गरिमा ने बच्चों और परिजनों की मदद के लिए रोहतक चाइल्ड हेल्पलाइन और बाल संरक्षण ईकाई रोहतक को बच्चों का फोलोअप करने को कहा है।

नहीं आया होश

चाइल्ड हेल्पलाइन के सदस्य रविन्द्र की माने तो वह सुबह आठ बजे रोहतक से वापस चले थे। तक तक 4 वर्षीय बच्चे को थोड़ा होश था, लेकिन वह कुछ बोलने की स्थिति में नहीं था। वहीं बच्ची पूरी तरह से बेहोश हैं। दोनों अपातकालीन कक्ष में भर्ती हैं। सर्जन ओपियन के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। सभी तरह की जांच कराई गई हैं।

कम्युनिस्ट पार्टी ने किया विरोध

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सीपीआईएम जिला कमेटी फरीदाबाद के बैनर तले सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने आज सोमवार को दिल्ली दगों की सप्लीमेंट्री चार्जशीट में भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के जनरल सेक्रेटरी सीताराम येचुरी जानी-मानी अर्थशास्त्री जयंती घोष, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अपूर्वानंद, स्वराज इंडिया अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेंद्र यादव, डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता राहुल राय का नाम डाले जाने के विरोध में प्रदर्शन किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पार्टी के कार्यकर्ता बीके नगर निगम चौक पर एकत्रित हुए। यहां से प्रदर्शन करते हुए नीलम चौक तक गए। प्रदर्शनकारी दिल्ली दंगों की जांच के नाम पर षड्यंत्र करना बंद करो। राजनीतिक विरोधियों पर झूठे मुकदमे दायर करने पर रोक लगाओ के नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व पार्टी के जिला सचिव शिवप्रसाद कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिला कमेटी के सदस्य वीरेंद्र सिंह डंगवाल और लाल बाबू शर्मा ने केंद्र सरकार पर अपने प्रमुख विरोधियों को गलत ढंग से फंसाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों जैसे दिल्ली पुलिस, सीबीआई, एनआईए, तथा ईडी का खुलेआम दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

युग स्पोर्ट्स ने नौ विकेट से जीता मैच

फरीदाबाद। पहला रविंद्र फागना टी-20 क्रिकेट लीग में युग स्पोर्ट्स क्लब (गुरुग्राम) ने केपी इलेवन (सोहना) को 9 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि ये मैच 20-20 ओवर का है। वहीं केपी इलेवन टीम की ओर बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 9.2 ओवर में 10 विकेट पर 34 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए सुनील धनकड़ ने 14 और रोहित ने 8 रन बनाए। युग स्पोर्ट्स क्लबटीम की और से गेंदबाजी करते हुए योगेश कुमार ने 5 विकेट विशन पांचाल ने 3 विकेट,चिराग ओर अर्चित मलिक ने 1-1 विकेट लिए।

युवा लेंगे सीएम के साथ इंकलाब का संकल्प

पांच हजार से ज्यादा युवाओं ने कराया पंजीकरण

शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित होगी वेबिनार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहीद—ए—आजम भगत सिंह की 113वीं जयंती की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल प्रदेश के हजारों ग्रामीण युवाओं से ऑनलाइन संवाद करेंगे। यूथ फॉर न्यू हरियाणा (वाईएफएनएच) के बैनर तले होने वाले इस संवाद को हम लाएंगे इंकलाब नाम दिया गया है। अब तक 5600 युवाओं ने इस संवाद के लिए पंजीकरण कराया है।

विशेष तौर पर संवाद में 18 से 45 आयु के युवा मौजूद रहेंगे। इस दौरान वे मुख्यमंत्री से सीधा संवाद करेंगे और विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय भी देंगे। फरीदाबाद से करीब 300 युवा इस संवाद में हिस्सा लेंगे। यह जानकारी यूथ फॉर न्यू हरियाणा (वाईएफएनएच) के जिला मीडिया प्रभारी सुनील शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि शहीद शिरोमणि भगत सिंह की प्रेरणा से इस वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। क्योंकि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व वाली सरकार ने जिस प्रकार से नौकरियों में पारदर्शिता लाई है, वह भगत सिंह के सपनों का साकार करने जैसा है। सरकार ने नौकरियों के मामले में सिर्फ सुधार नहीं किया। बल्कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाकर एक नये इंकलाब को जन्म दिया है। इस नई व्यवस्था से हरियाणा का युवा खासा प्रभावित है। वह समझ गया है कि वर्तमान सरकार के हाथों में ही उसका भविष्य सुरक्षित है। इसलिए वह भी सरकार के साथ मिलकर अपनी रचनात्मक भूमिका निभाना चाहता है। क्योंकि जब—जब देश को युवाओं की जरूरत पडी, तब—तब हरियाणवी युवा ने अपनी दृढ़ इच्छा-शक्ति से देश की हर आशा को और मजबूत किया है। इसी भाव को लेकर ग्रामीण युवा मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

कोरोना काल में छह महीने बाद स्कूल पहुंचे बच्चे

कोरोना महामारी के कारण सहपाठी दूरी बनाकर बैठे नजर आए

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शिक्षा विभाग की तरफ से नौवीं से 12वीं कक्षा तक स्कूल सोमवार को खोल दिए गए। छह महीने बाद कुछ बच्चों ने पहले दिन बेमन से पढ़ाई की। कोरोना महामारी के कारण सहपाठी दूरी बनाकर बैठे नजर आए। वहीं कोरोना गाइडलाइन के तहत ही उन्हें स्कूल के भीतर आने दिया गया। स्कूल संचालकों द्वारा स्कूलों में सोशल डिस्टेंसिंग के लिए दूर-दूर बैंच लगाई गई। थर्मल स्कैनिंग और सेनिटाइजेशन के बाद ही बच्चों को स्कूल के भीतर लिया गया। जो नियम बच्चों के लिए था, वहीं नियम अध्यापकों के लिए भी था। लेकिन अध्यापकों को बिना कोरोना जांच के अंदर नहीं जाने दिया गया। कोरोना जांच पर्ची के बिना पहुंचे अध्यापकों को कुछ स्कूलों ने लौटा दिया। वहीं दूसरी तरफ कालोनियों के कुछ स्कूलों में कोरोना महामारी के बीच नियम टूटते हुए नजर आए। डबुआ कालोनी स्थित एक निजी स्कूल में बिना मास्क के शिक्षक बच्चों को पढ़ाते हुए देखे गए।

सरकार के कृषि विधेयक के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने किया हल्ला बोल

काले गुब्बारे उड़ा कर कांग्रेस पार्टी ने जताया विरोध

26 गांवों को फरीदाबाद नगर निगम में शामिल करने के प्रस्ताव को रद्द किया जाए

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्षा कुमारी सेलजा एवं पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपिंदर सिंह हुड्डा के निर्देशानुसार जिला फरीदाबाद के कांग्रेसजनों ने सेक्टर 12 स्थित लघु सचिवालय में भाजपा सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेशों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर जिला उपायुक्त के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा। केंद्र सरकार के अध्यादेश कृषि और किसान विरोधी हैं। सरकार न तो किसान संगठनों की आवाज सुनी गई और न ही किसानों की। आईएपीएमसी प्रणाली के खत्म होने का मतलब है- खरीद और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खतरा। कांग्रेस पार्टी आज राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर देश के हर एक किसान के साथ खड़ी है।

केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा तीन कृषि अध्यादेश लाए गए हैं जो कि पूरी तरह से किसान, मजदूर और आढ़ती विरोधी हैं। इन अध्यादेशों या विधेयकों के जरिए सरकार के कुछ पसंदीदा पूंजीपतियों को लूट की खुली छूट होगी। किसान अपनी फसल बेचने के लिए इन पूंजीपतियों पर निर्भर होंगे।

दूसरे अध्यादेश 'आवश्यक वस्तु अधिनियम संसोधन' के तहत अनाज, दाल, प्याज, आलू इत्यादि को जरूरी वस्तु अधिनियम से बाहर कर दिया गया है। इनकी स्टॉक सीमा समाप्त कर दी गई है। इससे अत्यधिक स्टॉक करके इन चीजों की कालाबाजारी होगी और ग्राहकों को महंगे दामों पर इन्हें बेचा जाएगा। तीसरे अध्यादेश में कॉन्टैक्ट फार्मिंग के माध्यम से किसानों का वजूद समाप्त करने की साजिश रची गई है। इस कानून के माध्यम से अनुबंध आधारित खेती को वैधानिकता प्रदान की गई है। ताकि बड़े पूंजीपति और कंपनियां अनुबंध के माध्यम से ठेका आधारित खेती कर सकें।

इस विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता पूर्व विधायक रघुवीर सिंह तेवतिया ने की। प्रदर्शन में पूर्व विधायक आनंद कौशिक, वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजय प्रताप, वरिष्ठ कांग्रेस नेता योगेश गौड़, प्रदेश प्रवक्ता योगेश कुमार ढींगरा, प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड, प्रदेश प्रवक्ता जितेंद्र चंदेलिया, पूर्व वरिष्ठ उप महापौर मुकेश शर्मा, प्रदेश कांग्रेस महासचिव बलजीत कौशिक,जिला युवा कांग्रेस अध्यक्षा तरुण तेवतिया, प्रदेश कोंग्रेस कोऑर्डिनेटर गौरव ढींगरा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मनोज अग्रवाल, युवा कांग्रेस प्रवक्त पराग शर्मा, युवा कांग्रेस नेता वरुण रघुबीर तेवतिया, फरीदाबाद विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष नितिन सिंगला,, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रियंका भारद्वाज, प्रदेश सचिव राजन ओझा,वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सत्यवीर डागर, एआईपीसी के जिला अध्यक्ष डॉ. सौरभ शर्मा, पूर्व पार्षद जगन डागर, दयाशंकर गिरी, पूर्व उप महापौर गजेंदर बामला, प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस मोनु ढिल्लों, बल्लभगढ़ युवा कांग्रेस अध्यक्ष चुन्नू राजपूत, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज नागर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एस. एल शर्मा, विजय कौशिक, वेदपाल दायमा, वेदप्रकाश यादव, राजेंद्र शर्मा, एनएसयूआई प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री, सुभाष कौशिक, बाबूलाल रवि, इशांत कथूरिया, अशोक रावल, संजय सोलंकी, अनीश पाल, समीर धमीजा, लक्ष्मण चैयरमैन, किरणपाल सरपंच डूंडसा, देवी सरपंच, अमर सरपंच, प्रह्लाद चैयरमैन, हरि ओम्, ब्रह्मानंद कौशिक, किशन सरपंच,एहसान कुरैशी, न आदि अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधायक त्रिखा ने नेत्रपाल को दी मुबारकबाद

फरीदाबाद। कैप्टन नेत्रपाल हुड्डा पहलवान को ध्यानचंद अवार्ड मिलने पर बड़खल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक सीमा त्रिखा ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर मुबारकबाद दी। इस मौके पर विधायक सीमा त्रिखा ने कहा कि कहा केंद्र व प्रदेश की सरकार हर प्रकार के खेलों को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं व स्कीम लागू कर रही है, जिससे युवाओं में खेलों की ओर तेजी से रुझान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि पहले जहां युवा खेल को सिर्फ अपने स्वास्थ्य को बरकरार रखने की दृष्टि से खेलते थे लेकिन अब इस क्षेत्र में सुनहरा करियर के भी पर्याप्त अवसर मिल रहे है, जिससे युवा तेजी से खेलों की ओर लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर के जाने-माने पहलवान को ध्यानचंद अवार्ड मिलने से जिले के युवाओं में कुश्ती के लिए रुझान बढ़ेगा और उम्मीद है भविष्य में जिले के पहलवानों को भी ऐसे ही अवार्डों ने नवाजा जाएगा।

कोरोना वैक्सीन
अमीर देशों का वर्चस्व

कोरोनावायरस वैश्विक महामारी से मुकाबला करने के लिए बनने वाली वैक्सीन के मामले में एक बार फिर 'वैक्सीन राष्ट्रवाद' की विकृत अवधारणा सामने आई है। अमीर देशों की खरीद शक्ति तथा दवाओं के पेटेंट के कारण एचआईवी-एड्स की जरूरी दवायें विकासशील देशों को उपलब्ध न होने की समस्या सभी जानते हैं। कोविड-19 की पांच वैक्सीनें वर्तमान समय में तीसरे क्लीनिकल परीक्षण के दौर में हैं। देखना होगा कि इसका लाभ सबसे पहले किस देश को मिलता है। एच1एन1 की सबसे पहले वैक्सीन बनाने वाले देश ने इसके निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, जबकि कुछ अमीर देशों ने दवा कंपनियों को अग्रिम खरीद आदेश दे दिए थे। लेकिन उस समय नुकसान इतना नहीं हुआ था जितना कोरोनावायरस के मामले में हो सकता है क्योंकि यह एच1एन1 की तुलना में ज्यादा संक्रामक व घातक है तथा गरीब देश इसके बोझ से परेशान हैं। आक्सफैम की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमीर देशों की दुनिया में जनसंख्या केवल 13 प्रतिशत है, पर उन्होंने संभावित वैक्सीन की 51 प्रतिशत खूराकों पर कब्जा कर लिया है। गरीब देशों और विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ ने इस खतरनाक स्थिति का संकेत पहले ही दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए वैक्सीन पुन: चुनाव जीतने का एक माध्यम है और वे इसे अपने मतदाताओं के लिए चाहते हैं। इस प्रकार सबसे पहले जिसे वैक्सीन मिलेगी वह विश्व शक्ति श्रृंखला में सर्वोच्च स्थान पर होगा और इसके असाधारण आर्थिक लाभ भी होंगे। कोविड वैक्सीन तैयार करने का प्रयास कर रही कंपनी माडर्ना को करदाताओं का 2.48 बिलियन डालर मिला है। उसका इरादा वैक्सीन से मुनाफा कमाना है। उसका इरादा अमेरिका में इसकी कीमत 12-16 डालर रखने तथा अन्य अमीर देशों को 35 डालर प्रति खूराक तक बेचने का है। ऐसे में गरीब देश वैक्सीन से वंचित हो जाएंगे। लेकिन कंपनी की उत्पादन क्षमता केवल 475 मिलियन लोगों तक पहुंच की है जो दुनिया का केवल 6 प्रतिशत हैं। यदि सभी पांच वैक्सीनें परीक्षण की दौड़ में सफल हो जाती हैं तो भी केवल 2022 तक दो तिहाई दुनिया तक उनकी पहुंच होगी। ऐसे में यात्रा पर नियंत्रण लगाने होंगे। डब्लूएचओ ने चेतावनी दी है कि यह वैश्विक महामारी है, अत: कुछ क्षेत्रों में ही वैक्सीन पहुंचने का कोई लाभ नहीं होगा। इसी कारण विभिन्न संगठन 'जनता की वैक्सीन' का आह्वान कर रहे हैं जिस पर दवा कंपनियों का एकाधिकारी नियंत्रण न हो तथा वे विभिन्न देशों से आवश्यक सूचनाओं के साझे का अनुरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह वैक्सीन सस्ते दामों पर हर मनुष्य को उपलब्ध होनी चाहिए और इसका वितरण भुगतान क्षमता के बजाय आवश्यकता पर आधारित होना चाहिए। यदि सभी पांच वैक्सीनें कारगर सिद्ध होती हैं तो आक्सफैम के अनुसार, इनकी संयुक्त उत्पादन क्षमता 5.94 बिलियन खूराक होगी। यह 2.97 बिलियन लोगों के लिए काफी होगी क्योंकि ज्यादा संभावना वैक्सीन की दो खूराकों की आवश्यकता होगी। वैक्सीन की 5,303 खूराकों की सप्लाई के समझौते किए जा चुके हैं जिनमें से 2,728 बिलियन, यानी लगभग 51 प्रतिशत पर अमीर देशों ने कब्जा कर लिया है। इनमें ब्रिटेन, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, हांगकांग व मकाऊ, जापान, स्विटजरलैंड, इस्राइल तथा यूरोपीय संघ शामिल हैं। बाकी 2,575 खूराकें या तो विकासशील देशों ने खरीदी हैं या उनको इनके मिलने का वादा किया गया है। इन देशों में भारत, बांग्लादेश, चीन, ब्राजील, इंडोनेशिया, मैक्सिको, आदि शामिल हैं। इसमें एस्ट्राजेनेका वैक्सीन भी शामिल है जिसने कोवैक्स एडवांस्ड मार्केट कमिटमेंट-एएमसी से वादा किया है। इसने विकासशील देशों के लिए वैक्सीन वितरण व्यवस्था बनाई है। इस स्थिति की गंभीरता को समझते हुए विश्व शक्तियों को सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा विश्व अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नैतिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

भारतीय सेलेब्रिटीज और नारीवाद

इक्कीसवीं शताब्दी में भारतीय महिला सेलेब्रिटीज़ की छवि जिस तरह पेश की जा रही है उससे अब तक नारीवाद द्वारा प्राप्त उपलब्धियां खतरे में पड़ती लग रही हैं।

रिंकू घोष
(लेखिका दि पायनियर की सह संपादक हैं)

आज महिलायें अपने पैरों पर खड़ी हो गई हैं, लेकिन क्या वे समझ रही हैं कि बदले संदर्भों में जनता के लिए उनको एक 'वस्तु' के रूप में पेश किया जा रहा है? ऐसा सही या गलत कारणों से हो रहा है। इससे वे भले ही अपना सशक्तीकरण समझें, पर जाने-अनजाने पुरुषवादी दृष्टिकोण को वैध बना सकती हैं। यदि वे सेलेब्रिटीज़ हों तो जनता की व्यापक समझ में उनके 'यौनीकरण' की संभावनायें और बढ़ जाती हैं। स्थिति यहां तक पहुंची है कि अब बड़े पर्दे के बजाय उनको राजनीति की वस्तु बना लिया गया है तथा तर्क के बजाय उनका प्रयोग एडवोकेसी के लिए हो रहा है। अपनी बौद्धिकता के कारण वे हजारों संघर्षशील महिलाओं की प्रतीक बन गई है जिनमें से कुछ अपने संघर्ष में सफल हुई हैं और उनको प्रशंसा मिली है। लेकिन इस प्रकार सामने आने वाले चेहरे प्राइम-टाइम का नया विषय बन गए हैं। कुल मिला कर इससे संघर्षशील दिखने वाली महिलायें उन सारी चीजों का मजाक उड़ा रही हैं जिनको नारीवाद ने प्राप्त किया है।

कंगना रनौत, रिया चक्रवर्ती, उर्मिला मातोंडकर को मिलने वाली कवरेज तथा मीडिया में उनकी बयानबाजी वर्तमान समय में राजनीतिक पार्टियों को अपना विमर्श आगे बढ़ाने में सहायक हो रही है। कंगना रनौत बहुत अच्छी अभिनेत्री हैं और भयानक उत्पीड़न के बावजूद उन्होंने अपने स्पेस पर कब्जा करने तथा उसे बनाए रखने में विरले साहस का प्रदर्शन किया है। फिल्म उद्योग में अनेक बाहरियों को विद्रोही बताया गया या समाहित कर लिया गया, लेकिन वे इनमें से नहीं हैं। उन्होंने भाई-भतीजावाद व वंशवाद पर चल रही व्यवस्था को चुनौती दी तथा लोकतंत्र पर जोर दिया जो रचनात्मक स्पेस को समृद्ध कर सकता है। उन्होंने यह करते हुए जीवन्त भूमिकायें निभाईं जिनसे महिलाओं की असली भूमिकायें फिल्म उद्योग में पुरुष सितारों के समान आमदनी का स्रोत बन गईं। दृष्टिकोण में मौजूद ईमानदारी और साहस ने उनको सबका प्रिय बना दिया। वे फैशन में समझदारी के साथ स्वतंत्र रूप से संवेदनशील लगीं। मी टू के बहुत पहले ही उन्होंने फिल्म उद्योग में पुरुष शोषकों के खिलाफ आवाज उठाई तथा अपनी स्पष्टवादिता से उन्होंने समान शक्ति व सम्मान प्रदर्शित किया।

कंगना रनौत ने बड़बोले लोगों के बीच अपना अलग सचेतन स्थान बना कर अपने प्रति आकर्षण पैदा किया। मीडिया आयोजनों और वार्ताओं में नियमित भूमिका अदा कर उन्होंने फिल्मों के संकुचित जीवन से बाहर निकलने का प्रयास किया। मीडिया ने भी उनको महत्व दिया। इसके साथ उन्होंने राजनीतिक हवा का रुख पहचाना तथा राष्ट्रवाद से दक्षिणपंथी प्रतिबद्धताओं की ओर झुकीं। हालांकि, अभिनेताओं समेत सभी नागरिकों को अपनी वैचारिक पसंद पर चलने का अधिकार है, पर सालों तक अपनी विशिष्ट आलोचनात्मक ब्रांड विकसित करनी वाली कंगना इस बार रास्ता भटक कर इसमें शामिल हो गईं। संभवत: भाजपा ने उनको अपना मुहरा बना लिया है, चाहे वह मामला नेहरू-गांधी परिवार का मजाक उड़ाना हो, महाराष्ट्र में शिवसेना पर हमला बोलना हो या सुशांत सिंह राजपूत की रहस्यमय मृत्यु का मामला उछालना हो। हालांकि, शिवसेना नेताओं के अपने विरोधियों से निपटने के कोई मानक नहीं हैं, पर कंगना द्वारा मुंबई को पाक-अधिकृत कश्मीर बताना राजनीतिक अपरिपक्वता थी जिससे शिवसेना के बजाय उनको ही ज्यादा नुकसान हुआ है। भाजपा को इस स्थिति का लाभ हुआ है क्योंकि शायद अनुराग ठाकुर व कपिल मिश्रा की बयानबाजी की तुलना में जनता ने इसे ज्यादा स्वीकारा है। फिल्म उद्योग से होने के कारण कंगना रनौत उसके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकती हैं।

लेकिन फिल्म उद्योग पर लगे नशे का दाग साफ करने की प्रक्रिया में वे उद्योग में अपनी महिला साथियों पर ही हमले करने लगीं। इस प्रकार अतार्किक रूप से काम करते हुए वे उन महिला हितों के विरुद्ध चली गई हैं, जिनका वे प्रतिनिधित्व करती रही हैं। उन्होंने अभिनेत्री व समाजवादी पार्टी की राज्यसभा सांसद जया बच्चन पर हमला बोला जो सक्रिय सांसद के रूप में सामाजिक मुद्दों पर मुखर रही हैं। जया बच्चन का कहना था कि कुछ बुरे लोगों और नशा प्रयोग करने वालों के कारण 'सिन सिटी' नाम नहीं दिया जा सकता है, जबकि फिल्म उद्योग ने रोजगार और अवसर प्रदान किए हैं। उनका कहना था कि यह 'बिना सरकारी सहायता' के किया गया है। इस प्रकार कंगना ने अनेक महिला अभिनेत्रियों की भूमिका को भी खारिज कर दिया जिनके चलते वे वर्तमान स्पेस प्राप्त कर सकी हैं। कंगना ने जया बच्चन के 'थाली में छेद' वाली टिप्पणी पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा, 'एक थाली मिली जिसमें दो मिनट की प्रशंसा आइटम गीतों तथा हीरो के साथ रोमांटिक सीन के लिए मिली और वह भी उसके साथ रात में सोने के बाद। मैंने फिल्म उद्योग को नारीवाद सिखाया।' हालांकि, जया बच्चन ने उनकी तुलना में महिलाओं की ज्यादा सशक्त भूमिकायें निभाई हैं। मनोरंजन की तरह खबरों को देखने वाले टेलीवीजन दर्शकों के अलावा इस विमर्श का कोई लाभ नहीं हुआ है। इससे वह पूर्वाग्रह मजबूत हुआ है कि 'महिलायें हमारी सबसे बड़ी दुश्मन' हैं। जया बच्चन की समकक्ष तथा भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने यह स्थिति समझ कर जया के भाषण का समर्थन किया। हो सकता है कि कंगना को भविष्य में चुनाव लड़ने के लिए टिकट मिल जाए, पर वे इसे अपने रास्ते पर चल कर नहीं प्राप्त करेंगी और इस प्रकार उन धारणाओं को ही मजबूत करेंगी जो राजनीति में महिलाओं के प्रवेश को ताजा हवा की तरह समझते हैं। उनको तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जे. जयललिता से सबक लेना चाहिए जिनका वे पर्दे पर प्रतिनिधित्व कर रही हैं। जयललिता राजनीति के सारे दांवपेंचों में महारत पाने के बाद सम्मानित नेता बनीं थीं। वे अपने संरक्षक एमजीआर की छाया से बाहर निकलीं तथा पुरुष समकक्षों द्वारा स्थापित तानाशाही का मुकाबला किया। दु:ख की बात है कि कंगना को एक मुहरे की तरह देखा जा सकता है। शायद वे सोशल व विज़ुअल मीडिया में मिलने वाली सुर्खियों से यह नहीं समझ रही हैं कि इसका प्रयोग देश की ज्यादा महत्वपूर्ण समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए किया जा रहा है जिनमें कोरोनावायरस वैश्विक महामारी व लद्दाख में चीन की आक्रामकता है।

इस प्रकरण में दूसरे सिरे पर रिया चक्रवर्ती हैं। हर आदमी उनके बारे में जानकारियां उनकी फिल्मों या काम के बजाय स्वर्गीय अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का शोषण करने वाली गर्लफ्रेंड के रूप में प्राप्त करना चाहता है। निसंदेह एक योग्य अभिनेता बहुत जल्दी ही अपने जीवन से विदा हो गया। लेकिन उनकी मृत्यु की रहस्यमय परिस्थितियां, नशे व मानसिक स्वास्थ्य के कारण उनका अशांत अतीत, उनकी बिहारी पहचान तथा फिल्म उद्योग में 'बाहरी' वाली छवि, आदि अनेक ऐसे तत्व हैं जिनका प्रयोग राजनेता तथा प्रसारण मीडिया कर रहे हैं। पूरा देश बड़ी उत्सुकता के साथ षडयंत्र की वह कहानी समझ रहा है जिसमें रिया चक्रवर्ती ने सुशांत को नशे की ओर धकेला, उनका पैसा लूटा, उनके पैसे को ऐसी जगह लगाया जिससे वे कर्ज तथा नशा व्यापारियों के जाल में फंस गए। हालांकि, अभिनेता की मृत्यु के कोई विधिक प्रमाण और तथ्य नहीं हैं, लेकिन एक अभिनेत्री के मामले में संदिग्ध रूप से शामिल होने के कारण जनता की दिलचस्पी बनी हुई है। रिया के जेल जाने से त्वरित न्याय का संतोष भी लोगों को हुआ है। केवल 59 ग्राम गांजा मिलने पर रिया की गिरफ्तारी से वह भी अपने ब्वायफ्रेंड की असमय मौत से मिली कुख्याति को समझ रही है। विक्ट्री का संकेत करते हुए और 'डाउन विध पैट्रीआर्की' लिखी टी शर्ट पहने रिया भी महिला अधिकारों की पैरोकार बन सकती है।

यदि भाजपा 'जस्टिस फार सुशांत' अभियान को हवा दे रही है तो कांग्रेस ने 'रिया को न्याय' की मुहिम छेड़ दी है। स्वघोषित एक्टिविस्ट 'बंगाल की बेटी के खिलाफ निन्दा अभियान' का मुकाबला करते हुए प्रदर्शन कर रहे हैं। बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने रिया को 'बंगाली ब्राह्मण' के रूप में पेश किया है। क्या रिया इस जाल में फंस कर पितृसत्तात्मक सोच वाली महिलाओं की घृणा का निशाना बनना चाहती हैं। दु:ख की बात है कि दुनिया भर में लोकप्रिय संस्कृति की खबरों में स्थान बनाने वाली महिलायें अपने प्रतिनिधिक चरित्र के कारण स्थान पाती हैं, अपने व्यक्तित्व के कारण नहीं। इस प्रकार उनकी एक्टिविज्म एक प्रकार से फर्जी लगती है। समुदायों व समर्थकों के साथ सोशल मीडिया द्वारा गहन साझेदारी विकसित करने के प्रयास में वे मध्ययुगीन सोच वाली बाजार व्यवस्था को भी प्रोत्साहित करती हैं। यहां महिलायें कामगार मधुमक्खी की तरह विश्वसनीय मानी जाती हैं, पर वे स्वयं को रानी मधुमक्खी समझती रहती हैं।

मध्य-पूर्व में बड़े बदलावों की आहट

> **एकमात्र चीज जो डीसी में वाकई हुई वो यह थी कि यूएई और बहरीन ने इस्राइल के साथ पूर्व में अपने गोपनीय रिश्तों को, खासकर हथियारों के व्यापार मामले में, सार्वजनिक कर दिया है।**

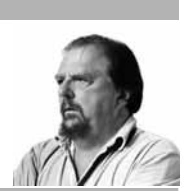

गुइन डायर
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में वाशिंगटन में "नए मध्य-पूर्व के प्रादुर्भाव" की घोषणा की क्योंकि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन ने इस्राइल के साथ पहली बार एक सार्वजनिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। जैसा कि ट्रंप ने दावा किया, यह कोई शांति समझौता नहीं है क्योंकि इनमें से एक भी देश इस्राइल के साथ युद्धरत नहीं रहा है। दस्तावेजों में राजदूतों का आदान-प्रदान और व्यापार समझौते शामिल थे। और यह महत्वपूर्ण है कि यद्यपि ट्रंप और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू वहां पर स्वयं मौजूद थे, यूएई और बहरीन ने शासकों ने कागजों पर हस्ताक्षर करने के लिए अपने विदेश मंत्रियों को भेजा था। एकमात्र चीज जो व्हाइट हाउस में वाकई हुई वो यह थी कि यूएई और बहरीन ने इस्राइल के साथ पूर्व में अपने गोपनीय रिश्तों को, खासकर हथियारों के व्यापार मामले में, सार्वजनिक कर दिया है। यह बात पहले भी गोपनीय नहीं थी, लेकिन कम से कम येरुशलम के साथ उनके रिश्ते छिपे तौर पर रहे हैं। उसके अलावा, यह वही पुराना मध्य-पूर्व है, उतना ही भ्रष्ट, दुष्कार्यात्मक एवं विडंबनापूर्ण रूप से महत्वाकांक्षी, चमकता हुआ और फैशनेबल जितना कि हमेशा रहा है। पिछली बार इस्राइल ने अपने किसी भी अरब पड़ोसी से यदि युद्ध किया भी तो वह 1982 में किया था, लेबनान पर पूर्णरूपेण आक्रमण जिसका अंत इस्राइल द्वारा लंबे समय तक उस देश के दक्षिणी भाग पर सैन्य कब्जा बने रहने के रूप में हुआ। वह बहुत पुरानी बात है, यद्यपि लेबनान भयावह रूप से दुर्दशा का शिकार बना रहा, लेकिन संपूर्ण क्षेत्र में लड़े गए अन्य युद्ध भारी रूप से निर्बाध चलते रहते हैं।

द्वितीय लीबियाई गृहयुद्ध अपने छठे वर्ष में भी जारी है, जिसमें बहुत से विदेशी भागीदार एवं समर्थक हैं जिनमें रूस, तुर्की, फ्रांस, मिस्र और यूएई शामिल हैं। यमन में सऊदी अरब के नेतृत्व में अत्याचारों से परिपूर्ण विदेशी सैन्य हस्तक्षेप जिसमें अधिकतर तानाशाही अरब राज्य एवं उनके पश्चिमी हथियार आपूर्तिकर्ता शामिल हैं, केवल एक वर्ष कम है और प्रतिमाह लगभग 5,000 लोगों को मौत की नींद सुला रहा है। सीरियाई गृहयुद्ध अपने नवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इसमें लगभग आधा मिलियन लोग मारे जा चुके हैं और लगभग आधी जनसंख्या अपने घरों को छोड़कर पलायन कर चुकी है। हो सकता है अब यह अपने अंत की ओर बढ़ रहा हो, जहां केवल एकमात्र प्रांत ही बागियों के नियंत्रण में है, लेकिन बागियों को तुर्की सेना का समर्थन हासिल है और रूसी वायुसेना असद हुकूमत के पक्ष में लड़ती है।

इराक 2003 में अमेरिका के आक्रमण के बाद से सापेक्षिक शांति के दूसरे वर्ष में प्रवेश कर गया है, लेकिन संकेत बढ़ रहे हैं इस्लामिक स्टेट वहां पर बड़ी वापसी करने जा रहा है। तेल की कीमतें गिर जाने के कारण अधिकतर जनसंख्या गरीबी की हालत में पहुंच गई है। नगरीय युवा खुले विद्रोह पर उतारू हैं, जहां सैकड़ों इस वर्ष पुलिस की गोलियां खा चुके हैं। और जब कुछ वास्तविक रूप से अंतहीन अशांति की सिथति में होता है जो क्षेत्र की राजनीति को पृथक करता है, तो उसका स्वागत नहीं किया जाता। कभी स्थिर, अंतर-अरब राजनीति की रूढ़िवादी धुरी हुआ करता था, अब एक ढीली-ढाली तोप में परिवर्तित हो गया है, न जीते जाने योग्य लड़ाइयां प्रारम्भ कर रहा है, सीरिया में जिहादी अतिवादियों को पैसा और हथियार मुहैया करा रहा है, और हुकूमत के आलोचकों की सुनियोजित ढंग से हत्याओं को अंजाम दे रहा है, जैसा कि पत्रकार जमाल खाशोगी की हत्या से सिद्ध हो गया था।

इन सभी लड़ाइयों पर आच्छादित होकर, और असलिसत में उनमें से कुछ को विभाजित करना क्रांतिकारी शिया ईरान और रूढ़िवादी सुन्नी राजतंत्रों एवं पूर्वी अरब जगत की तानाशाही हुकूमतों के बीच धार्मिक एवं रणनीतिक टकराव है। इसी लिए बड़ी मात्रा में अरब के हथियारों की खरीद हुई है, इस्राइल से युद्ध करने के लिए नहीं।

निश्चित रूप से, येरुशलम, सुन्नी अरब राज्यों एवं ईरान के बीच क्षेत्रव्यापी शीत युद्ध में मौन साझीदार है, यही है जिसने व्हाइट हाउस में हुए छोटे से समारोह को संभव बनाया। अरब-इस्राइल के बीच कोई संघर्ष नहीं चल रहा है। प्रमुख अरब राज्य पहले से ही इस्राइल के सहयोगी हैं, और इस्राइली सेना फिलिस्तीनियों के खिलाफ अपनी छिटपुट दंडात्मक कार्रवाइयों को घास के मैदान को समतल करने जैसी कार्रवाई का नाम देती है।

इस क्षेत्र में असली बदलाव ग्लेशियल गति धीमी होने के साथ होता है, यदि कोई हुआ भी, लेकिन इसका अर्थ नहीं कि वह स्थायी है। इसके विपरीत, वह अचानक उग्र रूप से एक भिन्न राज्य में तब्दील हो सकता है। लगभग ऐसा ही उसने 2010-12 में किया था, अरब वसंत के वर्षों में, और जिन ताकतों ने विद्रोह को आगे बढ़ावा वे अब और भी ज्यादा मजबूत हैं। मध्य-पूर्वी एवं उत्तरी अफ्रीकी देशों में आधी जनसंख्या 25 वर्ष से कम आयु की है। क्योंकि जनसंख्या बढ़ती है, जैसे कि इराक की जनसंख्या 1990 के खाड़ी युद्ध के बाद से दोगुनी होकर 40 मिलियन पहुंच गई है, अर्थव्यवस्थाओं ने शांति कायम नहीं रखी तथा जीवन स्तरों में लगभग हर जगह गिरावट आई है। एक विशाल, अधिकतर युवा जनसंख्या का निराशा में जीना अब अरब जगत का मानक बन गया है।

तेल संसाधनों से समृद्ध खाड़ी राज्य इस शासन के अपवाद रहे थे, लेकिन अब नहीं रह गए। इस बार आई तेल के दामों में गिरावट अस्थायी प्रकृति की नहीं है। मांग गिर रही है और गिरना जारी रहेगा क्योंकि जलवायु संकट तथा सस्ते नवीन स्वच्छ ऊर्जा स्रोत तेल के परम्परागत बाजारों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। व्हाइट हाउस में हुआ हालिया तमाशा पुराने संघर्ष के चंद ढीले छोरों को व्यवस्थित करने के लिए हुआ था। इसकी कुछ प्रासंगिकता भी होती यदि भविष्य वर्तमान से कुछ ज्यादा हो पाता, लेकिन ऐसा नहीं है। समय अनिश्चित है लेकिन गंतव्य स्पष्ट है।

बड़े बदलाव आ रहे हैं जो बहुत सी वर्तमान हुकूमतों को नेस्तानाबूद कर देंगे तथा क्षेत्र की राजनीति को नया रूप देंगे। प्रसन्नतादायी अंत अवश्यंभावी नहीं है, लेकिन भिन्न प्रकार के अंत व्यावहारिक रूप से निश्चित होंगे।

आप की बात

कृषि संबंधी विधेयक

संपादक महोदय, आपका संपादकीय कृषि संबंधी विधेयक खेती का संभावित निगमीकरण पढ़ा। सरकार ने पांच वर्षों में किसानों की आय दुगनी करने की बात कही थी लेकिन ये शायद सरकार की सामर्थ्य से बाहर है इसलिए खेती का निगमीकरण किया जा रहा है। देश की जनसंख्या में साठ प्रतिशत किसान हैं लेकिन ये अब चंद पूंजीपतियों के हाथों में खेलेंगे और फैक्ट्रियों में काम करने वाले मज़दूरों जैसे बन जाएंगे। कृषि उत्पादन बढ़ेगा, आय बढ़ेगी पर किसान के हाथ न्यूनतम मज़दूरी जैसी चीजें ही आयेंगी और सारा फायदा पूंजीपतियों के पास चला जायेगा। जिस तरह निजी कंपनियों के आने के बाद सार्वजानिक क्षेत्र की कंपनियां ठप्प हो गईं ठीक उसी तरह से कृषि मंडियों की समान्तर व्यवस्था भी धीरे-धीरे बैठ जाएगी। रेलवे, कोयला खदानों का निजीकरण, एयर इंडिया और बीमा कंपनियों सहित तमाम सार्वजनिक उपक्रमों में विनिवेश की प्रक्रिया ये साबित करती है कि सरकार को खुद से ज्यादा पूंजीपतियों पर भरोसा है और उसे लगता है की विकास सिर्फ पूंजीपतियों के हाथों ही हो सकता है। ये कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का पराभव और पूंजीवादी व्यवस्था का प्रादुर्भाव है।

– **बृजेश माथुर**, गाजियाबाद

प्रोटोकाल का पालन करें!

कोरोनावायरस के मामले दिन के दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। और अब तो यह देखने में मिल रहा है कि 1 दिन में भारत में लगभग 92 हजार मामले तक आ रहे हैं। इसीलिए यह हम सबके लिए जरूरी हो जाता है कि हम महामारी से जुड़े सभी प्रोटोकॉल का पालन करें। जैसे मास्क लगाना, सैनिटाइजर का प्रयोग करना और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना आदि। अभी कड़े प्रोटोकॉल्स के चलते कई बड़े खिलाड़ी भी बड़े टूर्नामेंटों से बाहर हुए हैं, इसे हम सब को सीख लेनी चाहिए। आजकल लोगों में लापरवाही देखने को मिल रही है जैसे कि कुछ लोग अगर कोई छोटे समय के लिए बाहर जाते हैं तो वह मास्क का प्रयोग नहीं करते हैं। अगर ऐसा ही चलता रहा तो मां से का प्रचलन लगभग समाप्त हो जाएगा। और हम एक महामारी की चपेट में दोबारा आ जाएंगे। इसके लिए हमें जन जागरूकता फैलाने होगी। सबसे जरूरी है सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना जो कि आजकल कम देखने को मिल रही है। जैसे कि कहीं बस अड्डों में भीड़ देखने को मिल रही है, दुकानों में लोग ज्यादा इकट्ठा हो रहे हैं और ऑफिसों में आवश्यकता से ज्यादा गतिविधि देखने को मिल रही है। हमारी सरकार ने इस और बहुत सारे कदम लिए हैं जो की बहुत ही सराहनीय है।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

धर्मांतरण एक अपराध

लालच व प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराना अक्षम्य अपराध होने के साथ-साथ बहुत ही निंदनीय है। लेकिन प्रलोभनों में आकर धर्मांतरण करने वाले गरीबों व आदिवासियों की लाचारी मजबूरी को भी समझना होगा। अगर ये सक्षम होते व इनको सरकार व समाज का पूरी तरह सहयोग मिलता रहता तो निश्चित ही ये ऐसे प्रलोभन के झांसे में आने वाले नहीं हैं। इन गरीबों, आदिवासियों को हर दृष्टि(शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक, रोजगारी) से मजबूत करना होगा तथा इनकी जरूरतों को पूरी करना होगा, अन्यथा भूखे पेट वालों को ना धर्म दिखता है, ना समाज, ना नैतिकता, केवल जीने के लिए जो सहारा देंगे, उसी के सहारे होंगे। जो रोजी-रोटी दे, शिक्षा, स्वास्थ्य व जीवन स्तर सुधार का ख्याल रखें, वही उनका सबसे बड़ा धर्म हो जाता है । यही कारण है कि ये गरीब बड़ी मात्रा में धर्मांतरण करते हैं। सरकार व हमारी सामाजिक व्यवस्था को ये सभी कमी बेसिया व दोष दूर करना ही होंगे, अन्यथा धर्मांतरण रुकने वाला नहीं है। जिसके पेट में रोटी नहीं होती, उसके लिए धर्म, जाति, समाज सब बातें खोटी होती है।

– **हेमा हरि उपाध्याय,** उज्जैन

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

बगैर किसी वैधता वाले आडियो के कारण पेरू में जीवन ठप नहीं हो सकता। महामारी प्रबंधन और आर्थिक पुन: सक्रियता को स्थगित नहीं किया जा सकता।

– **मार्टिन विज़कारा**
पेरू के राष्ट्रपति

तीनों कृषि अध्यादेशों से बिचौलियों को को प्रोत्साहन मिलेगा और बड़े उद्योपतियों को लाभ होगा। इनसे कालाबाजारी भी बढ़ेगी।

– **गोविंद सिंह दोतासर**
राजस्थान पीसीसी प्रमुख

आंकड़ों का हवाला देकर भाजपा को श्रेय से वंचित करने के प्रयास हो रहे हैं। हर कोई जानता है कि अतीत में मुसलमानों को किस तरह वोट बैंक बनाकर सीमित कर दिया गया था।

– **चंद्रमोहन**
उप्र भाजपा सचिव

कोरोना को परास्त करने के लिए विशेष रणनीति बनाएं

आक्सीजन की आपूर्ति किसी भी दशा में बाधित न होने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना से जंग के छह महीने से अधिक का समय गुजरने के बाद भी संक्रमण के लगातार बढ़ने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अधिकारियों से साफ कहा है कि देश-दुनिया के सामने यह नयी बीमारी के रूप में उभर कर सामने आयी है। इसे परास्त करने के लिये विशेष रणनीति बनाकर काम करना होगा। उन्होंने कहा है कि कोरोना को परास्त करने के लिए आवश्यक है कि हम एक कदम आगे की रणनीति रखें। जनपद मुख्यालय से लेकर ब्लॉक स्तर तक कोरोना के नियंत्रण और उपचार की प्रत्येक कड़ी को मजबूत रखा जाए।

मुख्यमंत्री सोमवार को अपने सरकारी आवास पर अनलाक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार कोविड.19 के मद्देनजर सभी व्यवस्थाएं कर रही है। उन्होंने प्रत्येक जनपद में स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी को कोविड चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने लखनऊ और कानपुर नगर पर विशेष ध्यान देते हुए चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रभावी और कारगर रणनीति बनाते हुए उसे लागू किया जाए। स्वास्थ्य विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रत्येक स्तर पर मॉनिटरिंग करते हुए रिकवरी दर को बेहतर बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में आक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता और बैकअप की व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि आक्सीजन की आपूर्ति किसी भी दशा में बाधित न होने पाए। उन्होंने आक्सीजन की काला बाजारी करने वालों के खिलाफसख्त कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए हैं। योगी ने मेडिकल टेस्टिंग, डोर-टू-डोर सर्वे तथा कान्टैक्ट ट्रेसिंग को पूरी सक्रियता से संचालित करने पर बल देते हुए कहा कि कोविड.19 के नियंत्रण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि कान्टैक्ट ट्रेसिंग का कार्य प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए ट्रेसिंग के दायरे में आने वाले सभी लोगों की मेडिकल टेस्टिंग की जाए। मुख्यमंत्री ने कोविड.19 से बचाव के सम्बन्ध में जनता को निरन्तर जागरूक किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन परम्पराओं में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने से सम्बन्धित अनेक तथ्य उपलब्ध हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में बीमारियों से लड़ने के लिए शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने पर बल दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने राजस्व संग्रह में वृद्धि के लिए, सभी विभागों को प्रभावी योजना बनाकर उसके अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए हैं। शासन स्तर एवं जनपद स्तर पर राजस्व प्राप्ति की गहन मानिटरिंग की जाए। उन्होंने बताया कि जीएसटी के तहत राजस्व संग्रह कार्य की वे स्वयं समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान तथा स्टार्टअप योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा पात्र लोगों को मिल सके इसके लिए राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में कार्ययोजना बनायी जाए। एमएसएमई इकाइयों के सुदृढ़ीकरण व स्थापना के साथ-साथ युवाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए बैंकों से समन्वय बनाकर उनके लिए ऋण की सुगम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, मुख्य सचिव आरके तिवारी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश सी अवस्थी, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद तथा सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

खनन माफियाओं के विरुद्ध सरकार के तेवर सख्त

● अन्तरराजीय सीमा से आने वाले उप खनिज वाहनों की सघन चेकिंग की जाए: रोशन जैकब

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सचिव एवं निदेशक खनन विभाग डॉ रोशन जैकब ने खान अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अन्तर्राजीय सीमा से आने वाले उप खनिज वाहनों की सघन चेकिंग की जाए तथा सुनिश्चित किया जाए कि सभी वाहन वैध प्रपत्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में प्रवेश करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि जांच के दौरान विभागीय ऐप के माध्यम से इंटर स्टेट ट्रांसिट पास को स्कैन भी कराया जाए और फेक यूआरएएल फोटो शाप, फोटो कॉपी के प्रकरण पाए जाने पर सम्बन्धित लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाए। डा. रोशन जैकब ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप प्रदेश में अवैध खनन परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए और इसके लिए सभी प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों द्वारा सतर्कता बरती जाए तथा सतत् रूप से निगरानी रखी जाए। खनन कार्यों में प्रवर्तन की कार्रवाई में तेजी लाने के उद्देश्य से सचिव एवं निदेशक खनन विभाग डॉ रोशन जैकब बीती रात अचानक इटावा पहुंचीं। संगठित अपराध के रूप में अन्तर्राजीय सीमा पर उप खनिजों के अवैध परिवहन की जांच हेतु डॉ रोशन जैकब ने सतर्कता विभाग की टीम के साथ जनपद इटावा में स्थित उदी चौकी के अंतर्गत चेक पोस्ट रात 1 बजे से सबेरे 4 बजे के मध्य छापा मारकर सघन चेकिंग अभियान चलाया। मौके पर 100 से अधिक वाहनों की चेकिंग की गई, जिसमें काफी संख्या में वाहनों के कागजात सही पाए गए। लेकिन कई मामलों में गंभीर अनियमितताएं भी पायी गयीं। चेकिंग के दौरान फेक यूआरएल जनित इंटरस्टेट ट्रांजिट पास पाये गये। इस मामले में 20 प्रकरण में एफआईआर दर्ज कराई गई।

ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए तय समय में पूरा करें निर्माणाधीन इकाइयों का कामः श्रीकांत

● 2022 तक 12734 मेगावॉट हो जाएगी यूपी में विद्युत उत्पादन क्षमताः ऊर्जा मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ऊर्जा मंत्री श्रीकान्त शर्मा ने सोमवार को उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम की निर्माणाधीन तापीय व काम कर रही इकाईयों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी निर्माणाधीन इकाइयों का काम तय समय पर पूरा हो जिससे प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने बताया कि ऊर्जा विभाग 2022 तक 7260 मेगावाट ऊर्जा का उत्पादन अपने तापीय विद्युतगृहों से करने लगेगा। इसमें से 1320 मेगावॉट विद्युत उत्पादन इसी वर्ष से बढ़ जाएगा। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि 2017 में सरकार बनने के बाद से ही ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दिए जाने के प्रयासों को तेज किया गया था। पूर्ववर्ती सरकारों में शुरू की गई परियोजनाओं की धीमी रफ्तार को भी बढ़ाया गया। जिससे विलंब से चल रही परियोजनाओं को गति दी जा सकी। मेजा में 12176 करोड़ की लागत से उत्पादन निगम व एनटीपीसी के जॉइंट वेंचर से 660 मेगावॉट की दो यूनिटें बनाई जा रही हैं। इसकी 660 मेगावॉट की एक यूनिट पिछले वर्ष अप्रैल में शुरू कर दी गई थी। दूसरी यूनिट से 660 मेगावॉट विद्युत उत्पादन अक्टूबर के पहले सप्ताह से शुरू हो जाएगा। वहीं 6011.83 करोड़ की लागत की हरदुआगंज तापीय परियोजना से भी 660 मेगावॉट विद्युत उत्पादन दिसंबर में शुरू हो जाएगा।

उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं के शुरू होने से प्रदेश के उत्पादनगृहों की क्षमता बढ़कर 12734 मेगावॉट हो जाएगी। इसमें 9434 मेगावॉट राज्य विद्युत उत्पादन निगम व जॉइंट वेंचर से 3300 मेगावॉट विद्युत का उत्पादन शामिल है। इससे सबको बिजली, पर्याप्त बिजली व निर्बाध बिजली के हमारे संकल्प को पूरा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि यह पहला मौका है जब सरकार पर्यावरण को लेकर भी सचेत है। पहली बार अनपरा और ओबरा परियोजना को पर्यावरण विभाग ने कंसेंट टू ऑपरेट का सर्टिफिकेट दिया।

उद्योगों के लिये भू-उपयोग परिवर्तन की दरें घटीं

लखनऊ। राज्य सरकार ने सूबे में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिये बडा फैसला लिया है। जिसके तहत आवास एवं शहरी नियोजन विभाग द्वारा औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए भू-उपयोग परिवर्तन के आवेदनों को 90 दिन के अन्दर करना होगा। इसके साथ ही कृषि से औद्योगिक श्रेणी में भू-उपयोग परिवर्तन शुल्क की दरों को भी घटा दिया गया है। कृषि से औद्योगिक श्रेणी में भू-उपयोग परिवर्तन शुल्क सर्किल रेट के 35 प्रतिशत की दर के स्थान पर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। बड़े भू-खण्डों पर टेलीस्कोपिक दरें को सम्मिलित करते हुए यह शुल्क मात्र 14 प्रतिशत रह जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक आस्थानों/औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों को दोहरे टैक्स के बोझ से मुक्ति मिलेगी। जिला पंचायतों द्वारा एकत्र किये गये टैक्स का न्यूनतम 60 प्रतिशत उसी औद्योगिक क्षेत्र के रख रखाव में व्यय किया जाएगा।

बिकरू कांड की विवेचना पूरी, 42 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट तैयार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कानपुर के बिकरू कांड में पुलिस की विवेचना पूरी हो गई है। पुलिस ने चार्जशीट तैयार कर ली है। चार्जशीट में एनकाउंटर में मारे गए विकास दुबे समेत 42 लोगों को आरोपी बनाया गया है। एक सप्ताह के अंदर चार्जशीट कोर्ट में दाखिल किए जाने की उम्मीद है।

मालूम हो कि बीती 2 जुलाई की रात चौबेपुर थाना क्षेत्र के बिकरू गांव में विकास दुबे ने अपने गुर्गों के साथ पुलिस टीम पर हमला कर दिया था। विकास और उसके गुर्गों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर सीओ सहित आठ पुलिसकर्मियों को मौत के घाट उतार दिया गया था। बिकरू कांड में पुलिस ने जो पहली एफआईआर दर्ज की थी उसमें 21 आरोपितों को नामजद करने के अलावा 50-60 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। दस जुलाई को पुलिस ने विकास दुबे को मुठभेड़ में मार गिराया था। इससे पहले 3 जुलाई को राजाराम उर्फ प्रेमप्रकाश और अतुल दुबे, 8 जुलाई को अमर दुबे, 8 जुलाई को प्रभात मिश्रा और 9 जुलाई को बउआ उर्फ प्रवीण दुबे मुठभेड़ मारा गया। कानपुर पुलिस इस लोमहर्षक हत्याकांड में श्यामू बाजपेई, छोटू शुक्ला, शशिकांत, जहान यादव, दयाशंकर अग्निहोत्री, राहुल पाल, क्षमा पत्नी संजय उर्फसंजू दुबे, खुशी पत्नी अमर दुबे, रेखा अग्निहोत्री पत्नी दयाशंकर, संजय दुबे, सुरेश वर्मा, शांति देवी पत्नी रमेश चंद्र, विनय तिवारी, कृष्ण कुमार, गुड्डन उर्फ अरविंद त्रिवेदी, सुशील कुमार तिवारी, शिवम उर्फ दलाल दुबे, जयकांत बाजपेयी, प्रशांत कुमार उर्फ डब्बू, बालगोविंद दुबे समेत लगभग 50 लोगों को जेल भेज चुकी है। पुलिस ने नामजद आरोपियों के अलावा विवेचना में शामिल किए गए लोगों के खिलाफउनके अपराध के मुताबिक साक्ष्य जुटाए हैं। साक्ष्यों के साथ 42 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट तैयार की गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक करीब चार्जशीट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अंतिम रूप देने से पहले वरिष्ठ अधिवक्ताओं से सलाह मशविरा ली जा रही है। पूरी तरह रिव्यू करने के बाद ही कोर्ट में दाखिल की जाएगी।

दो आईपीएस अफसरों के तबादले

लखनऊ। राज्य सरकार ने सोमवार को 2 आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। लखनऊ में अपर पुलिस उपायुक्त सोनम कुमार को इसी पद पर गोरखपुर भेजा गया है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण लखनऊ के पद से पिछले दिनों हटाए गए आदित्य लांग्हे को अब अपर पुलिस अधीक्षक वाराणसी के पद पर तैनाती प्रदान की गई है।

बकाया शुल्क जमा करने पर ही ईंट-भट्ठा चलाने की मिलेगी अनुमति

लखनऊ। विभिन जनपदों में ईंट भट्ठा मालिकों द्वारा विनियमन शुल्क जमा नहीं कि ये जाने पर योगी सरकार सख्त रुख अख्तियार किया है। अब ईंट-भट्ठा मालिकों से बकाया धनराशि जमा कराने के उपरान्त ही भट्ठा सत्र 2020-21 में ईंट-भट्ठे की संचालन की अनुमति मिलेगी। निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग डॉ रोशन जैकब ने बताया कि ईंट-भट्ठा सत्र 2020-21 माह अक्टूबर 2020 से प्रारम्भ होगा, जिसके अन्तर्गत जनपदों में विभिन्न श्रेणी के साधारण भट्ठे तथा जिगजैग भट्ठे संचालित होंगे।

भाजपा पूरी तरह पूंजीघरानों की हितरक्षकः नरेश उत्तम

लखनऊ। सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहा है कि भाजपा ने अपने चाल-चरित्र से यह स्पष्ट कर दिया है कि वह पूरी तरह पूंजीघरानों की हितरक्षक है। किसान मजदूर और नौजवान उसकी प्राथमिकता में नहीं आते हैं। वह किसानों को मजदूर बनाने वाले कृषि अध्यादेश के बाद अब श्रमिक विरोधी औद्योगिक सम्बंध संहिता 2020 विधेयक ले आई है। नौजवानों पर तो आए दिन उसकी लाठियां बरस ही रही है। भाजपा सरकार ने श्रम कानूनों में बदलाव के नाम पर केवल पूंजीपतियों की मनमानी करने की छूट दी हैं। अब तक 100 से कम कर्मचारी वाले औद्योगिक प्रतिष्ठान या संस्थान ही पूर्व सरकारी मंजूरी के बिना कर्मचारियों को रख और उन्हें हटा सकते थे।

भू-माफिया के खिलाफ बड़ा अभियान चलाने की तैयारी

लखनऊ। योगी सरकार एक बार फिर प्रदेश में भू-माफिया के खिलाफ बडा अभियान चलाने की तैयारी में है। भू-माफिया को चिह्नित करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई कराई जाएगी। उनके कब्जे से सरकारी या फिर किसानों की जमीनों को खाली कराया जाएगा। राजस्व विभाग इस संबंध में जिलाधिकारियों को जल्द निर्देश जारी करेगा। राज्य सरकार भू-माफिया के खिलाफ सख्त है। प्रदेश में किसानों से डरा धमका कर औने पौने दामों पर जमीन लेने या फिर सरकारी जमीन को कब्जा कर भू-माफिया को बेच देते हैं। सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ एक बार पहले भी कार्रवाई कर चुकी है। शासन में उच्चाधिकारियों की बैठक में विचार विमर्श के दौरान तय किया गया है कि एक बार फिर भू-माफिया को चिह्नित करते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। राज्य सरकार का मानना है कि भू-माफिया पर नकेल कसने के बाद शहरी क्षेत्रों में अवैध तरीके से बसने वाली अवैध कालोनियों पर भी काफी हद तक रोक लगेगी। भू-माफिया छोटी छोटी जमीनों या फिर सरकारी जमीनों को प्लाटिंग कर बेच देते हैं। इससे शहरों में अवैध कालोनियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इन अवैध कालोनियों में बाद में निकायों पर विकास कराने का दबाव पड़ता है। इसलिए भू-माफिया पर सख्त कार्रवाई होने के बाद अवैध कालोनियों पर भी काफी हद तक रोक लगेगी।

रालोद ने सीएम से की डूबती शिक्षा व्यवस्था को बचाने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्र नाथ त्रिवेदी ने वैश्विक महामारी कोरोना के कारण प्रदेश में चरमराती हुई शिक्षा व्यवस्था के प्रति चिन्ता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री से माँग करते हुए कहा कि वे इस सन्दर्भ में भी शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से डूबती हुई शिक्षा व्यवस्था को बचाने का प्रयास करें ताकि बच्चों का भविष्य अन्धकार के गर्त में जाने से बच सके। उन्होंने कहा है कि अनलॉक के प्रथम चरण से लेकर अब तक स्कूल, कालेज और विश्वविद्यालयों को छोड़कर लगभग सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान फैक्ट्रियाँ, बाजार और पर्यटन स्थलों को आवागमन के लिए खोल दिया गया है। इन सभी स्थानों पर सामाजिक दूरी का सर्वथा अभाव देखने को मिल रहा है क्योंकि इस प्रकार के निरीक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। त्रिवेदी ने कहा कि स्कूल और कालेजों में दूरी का निरीक्षण करने के लिए प्रधानाचार्य के साथ अध्यापक, अध्यापिकाएँ और अन्य कर्मचारी भी रहते हैं। उन्होंने कहा कि यदि बेसिक शिक्षा अधिकारियों और जिला विद्यालय निरीक्षकों के द्वारा कक्षाओं को दो या तीन पालियों में विभाजित करके कक्षाएँ चालू कर दी जातीं तो बच्चों का इतना नुकसान न होता। यद्यपि वर्तमान सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में किसी प्रकार की रुचि नहीं दिखाई। एक भी सत्र में समय से छात्रों को पाठ्य सामग्री उपलब्ध न कराना प्रमाण के लिए काफी है। उन्होंने बताया कि सीबीएसई और आईसीएसई बोर्डों से प्रतिस्पर्धा के कारण यूपी बोर्ड का कोर्स और परीक्षण व्यवस्था अवश्य तहस नहस कर दी गई। जबकि यूपी बोर्ड एशिया में सबसे अच्छा बोर्ड था। वर्तमान महामारी के समय यूपी बोर्ड की कक्षाएं आनलाइन शिक्षण में अन्य बोर्डों से पिछड़ गईं। रालोद प्रवक्ता ने कहा हमारे शिक्षकों के अतिरिक्त समाज का प्रबुद्ध वर्ग और सभी अभिभावक इसी मत के रहे हैं कि बच्चों को स्मार्ट फोन से दूर रखा जाए ताकि वे पढ़ने में मन लगा सकें परन्तु समय की करवट ने सब उल्टा कर दिया और प्रत्येक बच्चे को स्मार्ट फोन खरीद कर देना पड़ा।

आयुष के 1127 मेडिकल अफसरों को है तैनाती का इंतजार

लखनऊ। एक तरफ सरकार जहां कोरोना से निपटने के सीनियर रेजीडेंट डाक्टरों को मेडिकल कालेजों से कार्यमुक्त नही कर रही है, वहीं ऑनलाइन काउंसिलिंग करा चुके आयुष के 1127 मेडिकल अफसरों को अभी तैनाती का इंतजार है। इनमें आयुर्वेद और होमियोपैथी दोनों विधा के डॉक्टर शामिल हैं। तारीफ की बात यह है कि इन डाक्टरों को ऑनलाइन डिस्पेंसरी भी आवंटित हो चुकी है और इनमें से ज्यादातर ने डिस्पेंसरी के समीप किराए पर कमरे लेकर रहना भी शुरू कर दिया है। मगर अभी तक इन्हें नियुक्ति पत्र नहीं मिल सका है। इन आयुष डॉक्टरों (आयुर्वेद के 521 और होम्योपैथिक के 506) ने मई 2018 में लोक सेवा आयोग से निकले फार्म भरे। 30 सितंबर 2018 को एंट्रेंस एग्जाम हुआ। करीब 15 माह बाद जनवरी 2020 एंट्रेंस का परिणाम आया। फिर फरवरी में इंटरव्यू हुआ। 20 अप्रैल 2020 को इंटरव्यू का परिणाम आया। जून में मेडिकल और पुलिस का वैरिफिकेशन हुआ। चार अगस्त को ऑनलाइन ही डिस्पेंसरी अलॉट कर दी गई। तब से आज तक इन आयुष डॉक्टरों को ज्वॉइनिंग लेटर नहीं मिल सका है। फिलहाल इस बारे में आयुर्वेद निदेशक डॉ एसएन सिंह का कहना है कि शासन के निर्देश पर काउंसलिंग संपन्न कराई गई थी। शासन से निर्देश मिलते ही नियुक्ति पत्र भी जारी कर दिया जाएगा।

भर्तियों में देरी युवाओं के साथ अन्यायः प्रियंका गांधी

● कांग्रेस महासचिव ने प्रतियोगी युवाओं से किया संवाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

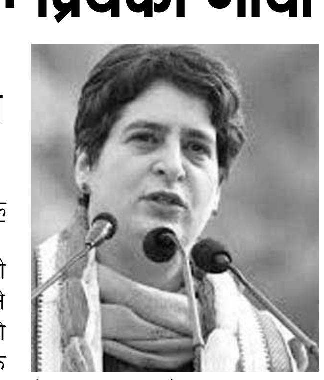

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रतियोगी युवाओं से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बातचीत करके उनका दर्द साझा किया। महासचिव ने आज ग्राम विकास अधिकारी और दारोगा भर्ती के अभ्यर्थियों से बातचीत की। गौरतलब है कि ग्राम विकास अधिकारी की परीक्षा 2018 में हुई थी लेकिन अभी तक प्रतिभागियों को नियुक्ति नहीं हुई है। दरोगा भर्ती 2016 से लटकी पड़ी है। प्रियंका गांधी ने बेरोजगार युवा प्रतिभागियों से ऑनलाइन संवाद के बाद अपने ट्विटर हैंडल से इसकी जानकारी भी शेयर की। प्रियंका ने ट्वीट करते करते हुए कहा कि युवा आक्रोश के बाद जागी यूपी सरकार आज बैठक कर भर्तियों पर विचार कर रही है। युवा जानना चाहते हैं कि सरकार गंभीर होकर प्रत्येक भर्ती के लिए सभी मसले सुलझाकर नियुक्ति की पक्की डेडलाइन का ब्योरा रखेगी या नहीं, भर्तियों में देरी, उन्हें अटकाना-भटकाना युवा के साथ अन्याय है। यह बंद करिए। दूसरा ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा कि वीडीओ 2018 के युवा प्रतिभागियों से संवाद में बताया कि यह लोग परीक्षा दे चुके हैं, रिजल्ट आ चुका है लेकिन नियुक्ति नहीं मिली। सरकार नहीं बताती कि नियुक्ति क्यों रुकी है। भर्तियों पर हो रही सरकार की मीटिंग से इन्हें न्याय मिलना चाहिए।

प्रियंका ने एसआई भर्ती के प्रतिभागियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के बाद ट्वीट करते हुए लिखा कि यूपी में एसआई भर्ती के लोगों से आज संवाद किया। एक बात कॉमन है कि सरकार की तरफसे न तो कोई साफ कम्युनिकेशन है और न ही कोई डेडलाइन। सरकार को युवाओं को रोजगार का हक देना चाहिए न कि यह चिंता कि कब मिलेगी उनके हक की भर्ती।

समाजवादी पार्टी ने भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ किया प्रदर्शन

● समस्त तहसील मुख्यालयों पर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी ने सोमवार को सभी जनपदों में तहसील स्तर पर भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। तहसील मुख्यालय जाते हुए समाजवादी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने कई स्थानों पर रोकने की कोशिश की, उनसे झड़पें हुई।

लखनऊ में वंदना चतुर्वेदी, अशोक गुप्ता सहित दर्जन भर कार्यकर्ताओं तथा बांदा में विजय करन यादव जिलाध्यक्ष तथा नगर अध्यक्ष मोहन साहू सहित लगभग चार दर्जन कार्यकर्ताओं, नेताओं की गिरफ्तारी की गई है। कन्नौज, फरेंदा महाराजगंज तथा बांदा में प्रदर्शन कर रहे समाजवादी कार्यकर्ताओं से पुलिस की झड़प भी हुई। समाजवादी पार्टी ने ज्ञापन में कोरोना संकट काल में आवश्यक उपकरणों की खरीद में घोटाला, स्वास्थ्य सेवाओं में अनियमितता, भ्रष्टाचार, सरकारी उत्पीड़न में वृद्धि, बेहाल किसान, बेरोजगारी और ध्वस्त कानून व्यवस्था के मुद्दे उठाते हुए राज्यपाल से संवैधानिक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन में क्षेत्रीय समस्याओं का भी जिक्र कर उनके निराकरण का भी आग्रह किया गया।

मेरठ में पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर और अमेठी में विधायक राकेश प्रताप सिंह पुलिस द्वारा तहसील मुख्यालय तक जाने से रोकने के विरोध में धरना पर बैठ गए वहीं बाराबंकी में अर्धनग्न होकर भी कई युवाओं ने प्रदर्शन किया। बस्ती में विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह धरना देने बैलगाड़ी में बैठकर पहुंचे। आगरा के जिलाध्यक्ष रामगोपाल यादव को घर में ही कैद कर दिया गया। राजधानी लखनऊ में सभी पांचों तहसीलों सदर, मोहनलालगंज, सरोजनीनगर, बख्शी का तालाब, मलिहाबाद में हजारों की संख्या में पहुंचे समाजवादी कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन के बाद अपना ज्ञापन सौंपा।

डॉ. कफील ने परिवार सहित प्रियंका गांधी से की मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जेल से छूटने के बाद गोरखपुर बीआरडी कॉलेज के निलंबित डॉक्टर कफील खान ने आज कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात की। जेल से रिहाई के बाद कांग्रेस महासचिव ने कफील खान और उनके परिजनों से फोन पर बातचीत कर उनका हालचाल लिया था और हर संभव मदद का वादा किया था। कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली में डॉक्टर कफील खान अपने परिवार के साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात की। डॉक्टर कफील के साथ उनकी पत्नी और बच्चे भी प्रियंका गांधी से मिले। दिल्ली में हुई इस मुलाकात के वक्त यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और अल्पसंख्यक कांग्रेस के चेयरमैन शाहनवाज आलम मौजूद थे।

मप्र विस का एक दिवसीय सत्र जरूरी कामकाज निपटाने के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

भाषा। भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा में सोमवार को वित्त विधेयक 2020 और अन्य महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित करने के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। कोविड-19 महामारी के दिशा निर्देशों के इंतजाम के साथ सीमित सदस्यों के साथ बुलाए गए इस एक दिवसीय विशेष सत्र में डेढ़ घंटे के दौरान वित्त विधेयक 2020 पारित किया गया ताकि सरकार चालू वित्तीय वर्ष के दौरान अपना खर्च चला सके। इसके साथ ही सदन में मध्यप्रदेश साहूकार (संशोधन) विधेयक 2020, मध्यप्रदेश नगर पालिक विधि (संशोधन) विधेयक 2020, मध्यप्रदेश वेट (संशोधन) विधेयक 2020 भी पारित किए गए।

प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा की अनुपस्थिति में संसदीय कार्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने वित्त विधेयक प्रस्तुत किया जिसे सदन ने पारित कर दिया। इन विधेयकों के पारित होने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में कोरोना वायरस की स्थिति और इससे निपटने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों के बारे में सदन को बताया। अपने संबोधन में चौहान ने दावा कि कोरोना महामारी पर अन्य राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश में बेहतर तरीके से निपटा गया है।इससे पहले नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के कमलनाथ ने कोरोना मरीज़ों को उपचार के दौरान आ रही परेशानियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मरीज़ों को ऑक्सीजन, वेंटीलेटर नहीं मिल रहे हैं तथा निजी अस्पतालों में गलत रिपोर्ट मरीजों को देने की भी शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने इन समस्याओं की जांच कराने और एक शिकायत केन्द्र स्थापित करने की मांग की ताकि जनता अपनी शिकायतों का पंजीकरण करा सके।

मुख्यमंत्री चौहान के भाषण के बाद विधानसभा के अस्थाई अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) रामेश्वर शर्मा ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। इससे पहले विधानसभा के एक दिवसीय सत्र शुरु होने पर हाल में दिवंगत हुए पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, मध्यप्रदेश के पूर्व राज्यपाल लालजी टंडन एवं अन्य नेताओं को श्रद्धांजलि दी गई।

भोपाल में विधानसभा सत्र के पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा का स्वागत करते मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान व विपक्ष के नेता कमल नाथ

गंटूर में आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी पुलिस सेवा एप का उद्घाटन करते हुए।

बंगले में अवैध बदलाव नहीं किए: कंगना

भाषा। मुंबई

अभिनेत्री कंगना रनौत ने सोमवार को बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के उन आरोपों से बंबई उच्च न्यायालय में इनकार किया कि उन्होंने अपने पाली हिल बंगले में अवैध ढांचागत बदलाव किए थे। इस बंगले के कुछ हिस्सों को नगर निकाय ने नौ सितंबर को तोड़ दिया था। अपनी याचिका पर बीएमसी के जवाब के बाद अदालत में एक और हलफनामा देते हुए कंगना ने कहा कि उन्होंने अवैध रूप से कोई ढांचागत बदलाव या मरम्मत नहीं कराई थी।

उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि तोड़फोड़ को अवैध घोषित करने और बीएमसी द्वारा मुआवजे के तौर पर दो करोड़ रुपए की मांग वाली उनकी याचिका कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। हलफनामे में उन्होंने कहा, मैं इस बात से इनकार करती हूं कि मैंने गैरकानूनी रूप से कुछ जोड़ा या बदलाव किया जैसा कि आरोप लगाया गया है। बीएमसी ने पिछले हफ्ते अपने वकील जोएल कार्लोस के जरिए रनौत की याचिका के जवाब में न्यायमूर्ति एस जे कथावाला की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष हलफनामा दायर किया था। नगर निकाय ने कहा था कि अभिनेत्री ने इमारत में बिना इजाजत अहम ढांचागत बदलाव किए थे। उसने कहा कि बीएमसी अधिकारी नौ सितंबर को उन बदलावों को तोड़ने के दौरान सिर्फ नियमों का पालन कर रहे थे। नगर निकाय ने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया था कि वह रनौत की याचिका को रद्द कर दे और उन पर याचिका दायर करने का जुर्माना भी लगाए जो कि न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग थी। वहीं रनौत ने बीएमसी के जवाब के बाद अपने हलफनामे में कहा कि नगर निकाय ने पर्याप्त समय दिए बिना उनकी संपत्ति के हिस्से को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर वैधानिक प्रक्रिया का दुरुपयोग किया है। उन्होंने पहले कहा था कि बीएमसी ने उन्हें तोड़फोड़ के नोटिस का जवाब देने के लिए सिर्फ 24 घंटे का वक्त दिया और उसके नोटिस पर उनके जवाब को जल्दबाजी में खारिज कर दिया। रनौत ने कहा कि बीएमसी ने नौ सितंबर को उनके खिलाफ पक्षपातपूर्ण कार्वाई की क्योंकि बीएमसी ने उनके बंगले के बगल में स्थिति फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के बंगले में कथित अवैध बदलावों को लेकर उन्हें भी नोटिस जारी किया था लेकिन मल्होत्रा को नोटिस का जवाब देने के लिए सात दिनों का वक्त दिया गया।

कृषि विधेयक किसान विरोधी, देश मे सूखे की स्थिति पैदा करने वाला: ममता बनर्जी

कोलकाता (भाषा)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि राज्यसभा और लोकसभा से पारित हुए दोनों कृषि विधेयक से किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से वंचित रहना पड़ेगा और इससे देश में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। तृणमूल अध्यक्ष बनर्जी ने कहा कि सभी विपक्षी पार्टियों को साथ मिलकर इन विधेयकों के खिलाफ लड़ना चाहिए। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, देश जहां कोविड-19 महामारी से जूझ रहा है, केंद्र सरकार इन कृषि विधेयकों के जरिए सूखा लाना चाहती है। बनर्जी ने कहा, केंद्र ने आवश्यक वस्तुओं के बढ़ते हुए दाम को नियंत्रित करने के लिए कुछ नहीं किया है।

नीतीश कुमार ने रास में उपसभापति के साथ विपक्ष के बर्ताव की निंदा की

भाषा। पटना

बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं ने कहा कि कृषि विधेयकों के राज्यसभा में पारित होने के दौरान उपसभापति हरिवंश के साथ विपक्ष के बर्ताव ने बिहार की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाई है और राज्य के लोग इसका जवाब देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बिहार में 14,260 करोड़ रूपए की लागत से 350 किलोमीटर लंबी नौ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जो कुछ कल राज्यसभा में हुआ वह बहुत ही गलत हुआ और उसकी जितनी निंदा की जाए कम है। कुमार ने कहा, हमलोगों ने 2006 में ही एपीएमसी एक्ट को समाप्त कर दिया था। उस समय भी यहां राजद सहित अन्य विरोधी दल खूब हंगामा कर रहे थे। उन्होंने कहा, जो कुछ भी कल राज्यसभा में हुआ, वह बहुत ही बुरा और खराब हुआ है। इससे पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा, राज्यसभा के उपसभपति के साथ सदन में जो अमर्यादित घटना हुई, उसने पूरे बिहार की अस्मिता को ठेस पहुंचाई है। विपक्ष ने लोकतंत्र के मंदिर में जिस तरह का अमर्यादित व्यवहार किया है, वह निंदनीय है। इससे बिहार के सभी लोग मर्माहत हैं। विपक्ष के बर्ताव का बिहार की जनता करारा जवाब देगी।

विपक्ष के भारी हंगामे के बीच कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन और सुविधा) विधेयक-2020 और कृषक (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक-2020 रविवार को राज्यसभा में पारित हो गए थे। इस दौरान दो विधेयकों को पारित कराने पर जोर देने पर विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया था। तृणमूल कांग्रेस सदस्यों के नेतृत्व में कुछ विपक्षी सदस्य आसन के बिल्कुल पास आ गए।

क्विक न्यूज

जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म होने के बाद पीडीपी नेताओं ने पहली बार की बैठक

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म होने के बाद पीडीपी के वरिष्ठ नेताओं ने पहली बार सोमवार को यहां बैठक की। पीडीपी ने कहा कि श्रीनगर मे पार्टी मुख्यालय में हुई बैठक की अध्यक्षता पार्टी उपाध्यक्ष अब्दुल रहमान वीरी ने की, क्योंकि पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती नजरबंद है। पीडीपी ने अपने नेताओं की रिहाई के बाद पहली बार बैठक की। इन नेताओं को पिछले साल तब हिरासत में ले लिया गया था जब केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर दिया था। बैठक में पूर्व मंत्री एवं विधायकों समेत वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती कड़े जन सुरक्षा अधिनियम के तहत गुपकर रोड स्थित फेयरव्यू आवास में नजरबंद है जिसे उप-जेल में तब्दील किया गया है। केंद्र ने पिछले पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर इसे दो केंद्रशासित प्रदेशों- जम्मू कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था।

तस्वीरों के इस्तेमाल पर नुसरत जहां ने पुलिस से मांगी मदद

कोलकाता। अदाकारा एवं तृणमूल कांग्रेस की सांसद नुसरत जहां ने एक वीडियो चैट ऐप के उनकी सहमति के बिना कथित तौर पर ऑनलाइन प्रचार के लिए उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल करने के मामले में सोमवार को कोलकाता पुलिस से मदद मांगी। सांसद ने कोलकाता पुलिस आयुक्त अनुज शर्मा को ट्विटर पर टैग करते हुए प्रचार विज्ञापन के स्क्रीनशॉट साझा किए और कहा कि वह मामले को कानूनी तौर पर उठाने को तैयार है। जहां ने ट्वीट किया, बिना सहमति के तस्वीरों का इस्तेमाल करना अस्वीकार्य है। कोलकाता पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ से मामले में कार्वाई की अपील करती हूं। मैं मामले को कानूनी तौर पर उठाने को तैयार हूं। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनके साइबर प्रकोष्ठ ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कश्मीर के पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास पाक ने की गोलाबारी

जम्मू। जम्मू कश्मीर के पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास सोमवार को पाकिस्तान की ओर से भारी गोलाबारी की गई जिसके बाद भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। एक रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीमापार स्थित शाहपुर, किरनी और कस्बा सेक्टर से बिना उकसावे के गोलाबारी की गई और यह दोनो पक्षों के बीच हुए संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन था। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने अपराह्न ढाई बजे के आसपास मोर्टार दागे और छोटे हथियारों से गोलीबारी शुरू की। उन्होंने कहा कि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नही है।

बिहार में 26.4 किग्रा चरस जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में पुलिस ने 26.4 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ चरस जब्त करके दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक नवीन चंद्र झा ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार रात पुलिस ने पड़ोसी जिले मुजफ्फरपुर से पूर्वी चंपारण जिला मुख्यालय मोतिहारी की ओर आ रही एक कार से चकिया थाना अंतर्गत एक टोल प्लाजा के पास 26.4 किलोग्राम चरस जब्त की। इस चरस को 52 पैकेट में छुपाकर रखा गया था। गिरफ्तार तस्करों के नाम उस्मान सफी शेख तथा विजयवंशी प्रसाद है जो महाराष्ट्र के कुलार के रहने वाले बताए गए है। नवीन ने बताया कि ये लोग मुजफ्फरपुर से चरस खरीद कर महाराष्ट्र ले जा रहे थे।

पीएम तीन अक्टूबर को अटल सुरंग का कर सकते हैं उद्घाटन

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रोहतांग में लेह-मनाली राजमार्ग पर अटल सुरंग का तीन अक्टूबर को उद्घाटन कर सकते है। ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम के मुताबिक, वह सुरंग का उद्घाटन करने के लिए तीन अक्टूबर को मनाली आएंगे तथा लाहौल की यात्रा करेंगे। मीडियाकर्मियो के साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी इस बात पर फैसला नही हुआ है कि क्या प्रधानमंत्री उस दिन लाहौल में जनसभा को संबोधित करेंगे या नही।

पूर्व मुख्यमंत्री फड़णवीस ने कृषि विधेयकों की प्रशंसा की

नागपुर। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फड़णवीस ने सोमवार को कहा कि हाल ही मे राज्यसभा से पारित कृषि विधेयको का किसान नही, बल्कि निहित स्वार्थ वाले लोग विरोध कर रहे है। कई नेता इस क्षेत्र मे अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए इनका विरोध कर रहे है। कांग्रेस ने 2109 के अपने घोषणापत्र मे किसानो को जो आश्वासन दिए थे उन्हें केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने पूरा किया। संसद से पारित विधेयको से किसानो को संविदा कृषि करने एवं कृषि क्षेत्र मे निवेश लाने की अनुमति मिलेगी तथा किसानो का बोझ भी घटेगा क्योंकि उसमे कई कर एवं उपकर हटा दिए गए है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, किसान अब अपनी उपज बिना कोई कर या उपकर चुकाए अपनी पसंद से बेच सकते है। ये विधेयक क्रांतिकारी है।

गुवाहाटी में अनलॉक 4 के दौरान स्कूल खुलने पर हाथों को सैनिटाइज करती हुई शिक्षिकाएं

महाराष्ट्र सरकार ने मराठा आरक्षण पर रोक वाली याचिका दाखिल

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय की वृहद पीठ के समक्ष आवेदन दायर कर नौकरियों एवं शिक्षा में मराठा आरक्षण लागू करने पर लगी शीर्ष अदालत की रोक को हटाने का अनुरोध किया है। एक आधिकारिक बयान में सोमवार को यह जानकारी दी गई। इस मामले में आरक्षण समर्थक संगठनों द्वारा राज्य के विभिन्न हिस्सों में किए जा रहे विरोध-प्रदर्शन के बीच सरकार का यह कदम सामने आया है।

महाराष्ट्र के लोक निर्माण विभाग मंत्री अशोक चव्हाण ने मराठा आरक्षण लागू करने पर उच्चतम न्यायालय द्वारा लगाई गई रोक हटवाने के मद्देनजर राज्य सरकार के प्रयासों को लेकर सोमवार को राकांपा प्रमुख शरद पवार से चर्चा के लिए संपर्क किया। मराठा आरक्षण को लेकर गठित महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की उपसमिति की अगुवाई करने वाले चव्हाण ने यहां वाईबी चव्हाण केंद्र में पवार से मुलाकात की।

चव्हाण ने पवार के साथ हुई बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, इससे पहले हमने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ मराठा आरक्षण पर लगी उच्चतम न्यायालय की रोक को हटाने के संबंध में कानूनी पहलुओं के बारे में चर्चा की थी। मैंने आज ही पवार साहब को इससे अवगत कराया और उनके विचारों को समझा।

उच्चतम न्यायालय ने इस महीने की शुरुआत में शिक्षा और नौकरियों में मराठों को आरक्षण देने वाले महाराष्ट्र सरकार के कानून के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी थी। हालांकि, यह स्पष्ट किया था कि इसका लाभ पाने वालों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

बंगाल में भाजपा को रोकने के लिए तृणमूल ले रही है नरम हिंदुत्व का सहारा

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले हिंदू पुजारियों को भत्ता देने की तृणमूल सरकार की योजना, तुष्टिकरण के आरोपों की काट और भारतीय जनता पार्टी को मात देने की सोची समझी रणनीति प्रतीत होती है। राजनीति पर निगाह रखने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि तृणमूल कांग्रेस हिंदू विरोधी छवि को त्याग कर नरम हिंदुत्व को अपनाना चाहती है और इसके लिए वह सावधानीपूर्वक कदम उठा रही है। पार्टी ने प्रशांत किशोर और उनकी टीम को अपना चुनावी रणनीतिकार बनाया है। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस ने ब्राह्मण सम्मेलन आयोजित कराने और दुर्गा पूजा समितियों को आर्थिक सहायता देने जैसे निर्णय भी लिए हैं। हालांकि, ममता बनर्जी नीत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का दावा है कि समावेशी राजनीति के तहत आठ हजार सनातन ब्राह्मण पुजारियों को आर्थिक सहायता और मुफ्त आवास उपलब्ध कराया गया है, वहीं, विपक्षी दल भाजपा ने इसे उसके हिंदू वोट बैंक में सेंध लगाने का प्रयास करार दिया है।

तृणमूल के वरिष्ठ नेता और सांसद सौगत रॉय ने कहा, हम सांप्रदायिक राजनीति में विश्वास नहीं रखते, जैसा कि भाजपा करती है। हमारा लक्ष्य पीड़ित व्यक्तियों और समुदायों की सहायता करना है। पार्टी का कोई धार्मिक एजेंडा नहीं है। हालांकि, रॉय यह समझाने में असफल रहे कि हिंदू पुजारियों को वित्तीय सहायता देने में आठ साल का समय क्यों लगा, जबकि इमाम और मुअज्जिनों को इस प्रकार की सहायता का लाभ पिछले आठ साल से मिल रहा है।

नाम उजागर न करने की शर्त पर तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, भाजपा हमें हिन्दू विरोधी कह कर प्रचारित करती रही है। उनके सदस्य खुद को हिंदुत्व के सबसे बड़े ठेकेदार बताते हैं। इसलिए हमने समावेशी विकास के संदेश के साथ जनता के बीच, विशेषकर हिंदू समुदाय तक अपनी पहुंच बढ़ाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा, हिंदू विरोधी होने के आरोपों से हमें 2019 के लोकसभा चुनाव में बहुत नुकसान हुआ था। हम इसे बदलना चाहते हैं लेकिन इसके साथ ही हम अल्पसंख्यकों को किनारे नहीं कर सकते। हमें इस खाई को भरना होगा और 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले जनता के बीच अपनी खोई हुई जमीन वापस लेनी होगी।

तृणमूल के सूत्रों के अनुसार 2019 के लोकसभा चुनाव में उत्तरी और दक्षिणी बंगाल के कई हिस्सों में पार्टी की हार आंखें खोलने वाली थी। पिछले साल राजनीतिक पंडितों के आकलन को धता बताते हुए पश्चिम बंगाल में भाजपा ने 42 में से 18 सीटों पर जीत हासिल की थी और 41 प्रतिशत मत हासिल किया था। लोकसभा में तृणमूल की सीटें 2014 में 34 थीं जिनकी संख्या 2019 में घटकर 22 रह गई थी। इसके अलावा पार्टी को जंगलमहल क्षेत्र में करारी हार का सामना करना पड़ा था जहां की आदिवासी जनता ने इस बार तृणमूल की बजाय भाजपा के पक्ष में मतदान किया था।

ममता बनर्जी नीत पार्टी के सूत्रों का कहना है कि हिंदुओं में ब्राह्मण पुजारियों को अभी भी बहुत आदर प्राप्त है और यह चुनाव में बाजी पलटने की क्षमता रखते हैं। एक सूत्र ने कहा, आई-पैक (किशोर का संगठन) ने बंगाल की स्थिति की समीक्षा की है और हमारी रणनीति पुन: बनाने के लिए सुझाव दिए हैं। हमारी संशोधित योजना के तहत ब्राह्मणों तक पहुंच बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। राजनीतिक विशेषज्ञों का दावा है कि 2019 के संसदीय चुनाव के नतीजे और भाजपा द्वारा लगातार किए जा रहे हमलों के कारण तृणमूल को अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर होना पड़ा।

राजनीतिक विश्लेषक विश्वनाथ चक्रवर्ती ने कहा कि तृणमूल का नरम हिंदुत्व का एजेंडा उन हिंदू मतों को वापस पाने का प्रयास है जो अब भाजपा के पाले में चले गए हैं। चक्रवर्ती ने कहा, केवल समय ही बता सकता है कि पार्टी को इस नरम हिंदुत्व से लाभ होगा या नहीं। तृणमूल, हिंदू मतों का विभाजन करते हुए अल्पसंख्यक मतों को छोड़ना नहीं चाहती। यदि वह भाजपा के हिंदू मतों का विभाजन सफलतापूर्वक कर लेती है तो पार्टी फायदे में रहेगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पश्चिम बंगाल इकाई ने पिछले सप्ताह कहा था कि सरकार ने भत्ते की घोषणा कर ब्राह्मणों का मजाक उड़ाया है। आरएसएस ने कहा था कि वर्तमान बंगाल में बंगाली बोलने वाले हिन्दुओं का अस्तित्व खतरे में है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और पार्टी के बंगाल प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस सरकार की चुनावी पैंतरेबाजी से कोई नतीजा नहीं निकलने वाला।

पटना में बिहार विधानसभा चुनाव में विकासशील इंसान पार्टी अपने चुनाव-निशान नाव को लेकर प्रचार करते हुए।

बिहार को दी 14,000 करोड़ की राजमार्ग परियोजनाओं की सौगात

भाषा। नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राज्य में 14,258 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होने वाली नौ राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इसके अलावा उन्होंने बिहार के सभी 45,945 गांवों को इंटरनेट से जोड़ने के लिए ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट सेवाओं का भी उद्घाटन किया।वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इन परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करने के बाद मोदी ने कहा कि 2014 में केंद्र की सत्ता में भाजपा के आने के बाद सड़कों के निर्माण की रफ्तार दोगुनी हुई है जबकि इसपर होने वाले खर्च को पांच गुना बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि अगले चार-पांच सालों में अधोसंरचना पर 110 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

इंटरनेट सेवाओं के बारे में मोदी ने कहा इस योजना के तहत एक हजार दिनों में देश के छह लाख गांवों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा जाएगा और इसकी शुरुआत बिहार से हो रही है।उन्होंने कहा, आज का दिन बिहार के लिए तो अहम है ही, पूरे देश के लिए भी बहुत बड़ा दिन है। आज भारत अपने गांवों को आत्मनिर्भर भारत का मुख्य आधार बनाने के लिए भी एक बड़ा कदम उठा रहा है। मुझे विश्वास है कि नीतीश जी (नीतीश कुमार) के सुशासन में, दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ते बिहार में इस योजना पर भी तेजी से काम होगा। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को राष्ट्र को संबोधित करते हुए घोषणा की थी कि देश के छह लाख गांवों को एक हजार दिन के भीतर ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

उन्होंने कहा, भारत के गांवों में इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या कभी शहरी लोगों से ज्यादा हो जाएगी, कुछ साल पहले तक सोचना भी मुश्किल था। गांव की महिलाएं, किसान और गांव

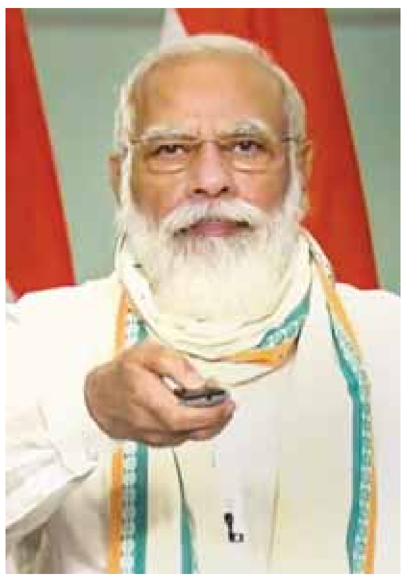

के युवा भी इतनी आसानी से इंटरनेट का इस्तेमाल करेंगे, इस पर भी बहुत लोग सवाल उठाते थे। लेकिन अब ये सारी स्थितियां बदल चुकी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक प्रकार से गांव को अब शहरों की ही तरह हर सुविधा घर बैठे मिले, इसके लिए जरूरी अधोसंरचना का विकास किया किया जा रहा है।उन्होंने कहा, अधोसंरचना विकास से जुड़ी परियोजनाओं पर अब जिस गति से काम हो रहा है वह अभूतपूर्व है। 2014 से पहले की तुलना में आज हर रोज दोगुनी से भी तेज गति से राजमार्ग बनाए जा रहे हैं। राजमार्ग निर्माण पर होने वाले खर्च में भी 2014 से पहले की तुलना में लगभग 5 गुणा बढ़ोतरी की गई है। आने वाले 4-5 सालों में इंफ्रास्ट्रक्चर पर 110 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें से भी 19 लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं सिर्फ हाईवे से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत डिजिटल लेनदेन करने वाले दुनिया के सबसे अग्रणी देशों की कतार में है। उन्होंने कहा कि जब गांव-गांव में तेज़ इंटरनेट पहुंचेगा तो गांव में पढ़ाई आसान होगी। उन्होंने कहा, गांव के बच्चे, हमारे ग्रामीण युवा भी एक क्लिक पर दुनिया की किताबों तक, तकनीक तक आसानी से पहुंच पाएंगे।

इस कार्यक्रम में पटना से बिहार के राज्यपाल फागू चौहान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी सहित कई नेता शामिल हुए। दिल्ली से केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और सड़क व परिवहन राज्यमंत्री जनरल वी के सिंह के अलावा आर के सिंह, गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय सहित कई मंत्री शामिल हुए।बिहार में अक्टूबर-नवम्बर में विधानसभा चुनाव होने हैं। हाल के दिनों में प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में विकास से संबंधित कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है।आज जिन नौ राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ उनमें 350 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया जाना है। इन परियोजनाओं में राष्ट्रीय राजमार्ग के बख्तियारपुर-रजौली खंड, आरा-मोहनिया खंड, नरेनपुर- पूर्णिया खंड, पटना रिंग रोड (कन्हौली-रामनगर) खंड के विकास सहित पटना में गंगा नदी पर महात्मा गांधी सेतु के समानांतर राष्ट्रीय राजमार्ग -19 पर 14.5 किलोमीटर लंबे चार लेन के पुल का निर्माण, कोसी नदी पर 28.93 किलोमीटर लंबा चार लेन का नया पुल और गंगा नदी पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर विक्रमशिला सेतु के समानांतर 4.445 किलोमीटर लंबा चार लेन का पुल बनाना शामिल है।इन परियोजनाओं पर 14,258 करोड़ रुपए की लागत आएगी। मोदी ने कहा कि बिहार के संपर्क में सबसे बड़ी बाधा बड़ी नदियों के चलते रही है और यही कारण है कि जब पीएम पैकेज की घोषणा हो रही थी तो पुलों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया था।

जयपुर में कोविड-19 के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाते पुलिस कर्मी

विरोध करने के अधिकार की कोई सार्वभौमिक नीति नहीं हो सकती

भाषा। नई दिल्ली

● सीएए के खिलाफ प्रदर्शन मामले में शीर्ष न्यायालय ने कहा

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि विरोध प्रकट के अधिकार के मामले में कोई सार्वभौमिक नीति नहीं हो सकती है और परिस्थितियों के अनुरूप संतुलन बनाए रखने के लिए सड़कें अवरूद्ध करने जैसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने जैसी संतुलित कार्वाई जरूरी है। शीर्ष अदालत ने राजधानी दिल्ली के शाहीनबाग में पिछले साल दिसंबर में नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में सड़क अवरुद्ध किए जाने के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणी की। न्यायालय ने कहा कि इस मामले में फैसला बाद में सुनाया जाएगा।कोविड-19 महामारी की आशंका और इस वजह से निर्धारित मानदंडों के पालन के दौरान यहां पर स्थिति सामान्य हुई थी।

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति अनिरूद्ध बोस और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने कहा, कुछ आकस्मिक परिस्थितियों ने इसमें अहम भूमिका निभाई और यह किसी के हाथ में नहीं था। ईश्वर ने खुद ही इसमें हस्तक्षेप किया। शशांक देव सुधि सहित विभिन्न अधिवक्ताओं की दलीलों का संज्ञान लेते हुए पीठ ने कहा, हमें विरोध प्रदर्शन के अधिकार और सड़कें अवरूद्ध करने में संतुलन बनाना होगा। हमें इस मुद्दे पर विचार करना होगा। इसके लिए कोई सार्वभौमिक नीति नहीं हो सकती क्योंकि मामले दर मामले स्थिति अलग-अलग हो सकती है। पीठ ने कहा, संसदीय लोकतंत्र में संसद और सड़कों पर विरोध प्रदर्शन हो सकता है लेकिन सड़कों पर इसे शांतिपूर्ण रखना होगा। इस समस्या को लेकर याचिका दायर करने वाले वकीलों में से एक अमित साहनी ने कहा कि व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए इस तरह के विरोध प्रदर्शनों की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

वित्त मंत्री अच्छा काम कर रही हैं : बसपा सांसद

नई दिल्ली। लोकसभा में बहुजन समाज पार्टी के एक सदस्य ने कांग्रेस पर केवल विरोध के लिए सरकार के सभी विधेयकों का विरोध करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अच्छा काम कर रही हैं, जरूरत सभी मंत्रालयों के बीच समन्वय की है। बसपा के मलूक नागर ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2020 पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा, समझ नहीं आता कि कांग्रेस के लोग अच्छे विधेयक का भी क्यों विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की तरह अच्छा काम कर रही हैं जो वित्त मंत्री भी रह चुके हैं।नागर ने कहा कि समस्या मंत्रालयों के बीच समन्वय की है। एक मंत्रालय के काम में दूसरे मंत्रालय के नियम आड़े आ जाते हैं।उन्होंने कहा, कोविड-19 महामारी के समय देश को बचाने के लिए और रोजगार को बचाने के लिए सोचना पड़ेगा। नागर ने मांग की कि राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधीकरण (एनसीएलटी) में जिस तरह कारोबारियों को सुविधाएं मिली हैं, ऐसी सुविधा किसानों को भी मिलनी चाहिए।

चेन्नई में किसान बिल को लेकर प्रदर्शन करते सीपीआईएम के कार्यकर्ता

कर्नाटक, केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश

भाषा। नई दिल्ली

● ओडिशा, पश्चिम बंगाल में भारी बारिश की संभावना

कर्नाटक और केरल में रविवार को भारी बारिश हुई। दोनों राज्यों के आठ जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना हैं क्योंकि बंगाल की खाड़ी के ऊपर हवा का कम दबाव का एक क्षेत्र बन गया है। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को उमस भरी गर्मी रही और यहां अगले दो-तीन दिन तक बारिश के आसार नहीं है। पिछले 12 दिन से दिल्ली में बारिश नहीं हुई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सितंबर में अब तक 78 फीसदी कम बारिश हुई है। वहीं रविवार को भारी बारिश के कारण केरल के आठ जिलों में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया। मौसम विभाग ने राज्य के 10 जिलों में सोमवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।मौसम विभाग के अनुसार रविवार सुबह तक बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का एक क्षेत्र बन गया है।कर्नाटक के एर्नाकुलम जिले के अधिकारियों ने कहा कि मुवत्तुपुझा नदी बाढ़ के स्तर तक पहुंच रही है जिससे एर्नाकुलम और कोट्टायम जिलों में बाढ़ आने की आशंका है।पड़ोसी राज्य तेलंगाना में सोमवार को अलग-अलग हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। विज्ञप्ति के अनुसार आदिलाबाद, करीमनगर, निजामाबाद, वारंगल और खम्मम में बारिश होने की संभावना है।एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, सभी पुलिस अधीक्षकों और जिलाधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है।बंगाल की खाड़ी पर कम दबाव क्षेत्र बनने से ओडिशा के कुछ हिस्सों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना है। इस मौसम में 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं की संभावना को देखते हुए मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे 22 सितंबर तक ओडिशा तट पर नहीं जाएं और समुद्र में नहीं उतरें।

कोविड-19 से संक्रमित मां को ठीक होने के बाद साथ रखने से बेटे ने किया इनकार

हैदराबाद। तेलंगाना के निजामाबाद में कोविड-19 संक्रमण से ठीक होने के बाद 65 वर्षीय एक महिला को कथित तौर पर उसके बेटे ने साथ रखने ने इनकार कर दिया और सोमवार को पुलिस के हस्तक्षेप के बाद साथ रखने को तैयार हुआ।पुलिस ने बताया कि महिला के पति ने दूसरी महिला से शादी करने के बाद उसे छोड़ दिया था और वह बेटे के साथ रहती थी। हालांकि, महिला और उसकी पुत्रवधु की आपस में नहीं बनती थी और लगभग एक साल पहले उसे वृद्धाश्रम में भर्ती कराया गया था।उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम में रह रही महिला और अन्य वरिष्ठ नागरिकों में कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई और इलाज के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। वृद्धाश्रम में महिला के अस्थाई रूप से रहने की व्यवस्था नहीं हो पाई और वह रहने के लिए अपने बेटे के घर आ गई। हालांकि, उनकी बहू को कथित तौर पर महिला के आने की जानकारी थी लेकिन फिर भी दंपति घर बंद कर हैदराबाद के लिए रवाना हो गए।

पेज एक का शेष

हंगामे पर ...

14 दिनों के नोटिस का भी पालन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि यह सत्र एक अक्टूबर को समाप्त हो रहा है इसलिए 14 दिनों की जरूरी समयसीमा का पालन नहीं हो पा रहा है। नायडू ने कहा कि उन्होंने कल की पूरी कार्यवाही पर गौर किया। उन्होंने कहा कि रिकार्ड के अनुसार उपसभापति ने हंगामा कर रहे सदस्यों से बार-बार अपनी सीट पर जाने, चर्चा में भाग लेने और अपने संशोधन प्रस्ताव पेश करने को कहा था। शून्यकाल समाप्त होने के बाद नायडू ने कहा कि एक दिन पहले उच्च सदन में कुछ विपक्षी सदस्यों ने जो आचरण किया वह दुखद, अस्वीकार्य और निंदनीय है तथा सदस्यों को इस संबंध में आत्मचिंतन करना चाहिए। नायडू ने हंगामा करने वाले सदस्यों के व्यवहार की निंदा करते हुए कहा कि कि हरिवंश ने बाद में उन्हें सूचित किया कि उनके खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी किया गया।

नायडू ने रविवार को हुए हंगामे का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ सदस्यों ने कोविड-19 संबंधी सामाजिक दूरी के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि उपसभापति के साथ बदसलूकी की गयी, माइक उखाड़े गए और नियमों की पुस्तिका फेंकी गयी। उनके साथ अमर्यादित आचरण किया गया। नायडू ने इस दौरान तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन के 'नाम का उल्लेख' करते हुए उन्हें सदन से बाहर जाने को कहा। हालांकि, ब्रायन सदन में ही रहे। सभापति ने कहा कि कल का दिन राज्यसभा के लिए बहुत ही खराब दिन था। वहीं कांग्रेस समेत विपक्ष ने इस कार्रवाई का जमकर विरोध किया। पार्टी के नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'पहले तो आवाज दबायी गई, फिर सांसदों को निलंबित किया गया तथा कृषि संबंधी काले कानूनों के बारे में किसानों की चिंताओं पर आंखें मूंदकर कर लोकतांत्रिक भारत की आवाज को दबाने की कोशश जारी है।' पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इस 'अन्तर्यामी सरकार' के अंतहीन घमंड ने पूरे देश को आर्थिक विपदा में झोंक दिया है।

लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी और कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखी। कांग्रेस नेताओं ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के आदेश के अनुसार काम कर रहे हैं। चौधरी ने आरोप लगाया कि नवनिर्वाचित उपसभापति सरकार की शह पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पीएमओ के आदेश पर उन्होंने विपक्षी दलों की आवाज को दबाने और उसे घोंटने का काम किया है।' उन्होंने कहा, 'यही वजह थी कि राज्यसभा में हंगामा हुआ।' सुरजेवाला ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, 'संसद में संविधान का और खेत खलिहान में किसान की आजीविका का गला घोंटा जा रहा है। मोदी जी के राजतंत्र को बचाने के लिए देश में और संसद में प्रजातंत्र को खत्म किया जा रहा है, उसकी हत्या की जा रही है।' उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने देश की संसद को भी अपने 'तानाशाही गुजरात मॉडल' में तब्दील कर दिया है और लोकतंत्र को 'एकतंत्र' में बदल दिया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ट्वीट किया, 'किसानों के हितों की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ने वाले आठ सांसदों का निलंबन दुर्भाग्यपूर्ण है और इस तानाशाह सरकार की उस मानसिकता को दर्शाती है जो लोकतांत्रिक मर्यादाओं और नियमों का सम्मान नहीं करती। हम झुकने वाले नहीं हैं और हम इस तानाशाह सरकार के खिलाफ संसद से लेकर सड़क तक लड़ेंगें।' ममता ने निलंबित सदस्यों से बात तथा उनके द्वारा संसद के मूल्यों को कायम रखने की कोशिश की प्रशंसा की।

निलंबन के खिलाफ कांग्रेस, माकपा, शिवसेना, जनता दल (सेक्यूलर), तृणमूल कांग्रेस, भाकपा और सपा के सांसद संसद भवन परिसर में धरने पर बैठ गए। उनके हाथों में 'लोकतंत्र की हत्या' और 'संसद की मौत' लिखी तख्तियां थीं। माकपा नेता इलामारम करीम ने कहा, 'निलंबन से हमारी आवाज को दबाया नहीं जा सकता। हम किसानों के साथ उनकी लड़ाई में साथ रहेंगे। उपसभापति ने कल संसदीय प्रक्रियाओं का गला घोंटा है। सांसदों के निलंबन ने भाजपा के कायर चहरे को उजागर कर दिया है।' संजय सिंह ने कहा, 'देश के किसानों जाग जाओ। भाजपा की सरकार ने आपकी जिंदगी को अडाणी-अंबानी को गिरवी रख दी है। जाग जाओ और इस काले कानून का विरोध करो। हम संसद में प्रदर्शन कर रहे हैं और आप इसके बाहर करो। भाजपा सरकार ने किसानों के खिलाफ काले कानून को पारित किया है। हमें विधेयक का विरोध करने के लिए निलंबित किया गया है।'

किसानों के ...

हुई है। अभी तक इसके सरकारी दाम 5215 रुपये थे जो अब 5327 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने लोकसभा में सीजन 2021-22 के लिए रबी फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी के कैबिनेट के फैसले की घोषणा की। दो कृषि बिलों के खिलाफ पंजाब और हरियाणा के सैकड़ों किसान यूनियनों ने आने वाले दिनों में कई विरोध प्रदर्शनों का आह्वान किया है, जिसमें 25 सितंबर को पूरी तरह बंद का ऐलान भी शामिल है। इस बीच, खरीफ फसलों के दौरान अच्छे मानसून और उच्च स्तर पर बुआई को ध्यान में रखते हुए कृषि मंत्रालय ने 2020-21 के लिए खाद्यान्न उत्पादन लक्ष्य को संशोधित किया है। बीते अप्रैल में 298.3 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पान का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन अब इसमें 1.5 प्रतिशत की वृद्धि कर 301 मिलियन टन कर दिया गया है।

संसद में पारित...

ये लोग एमएसपी पर किसानों को गुमराह करने में जुटे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह देश के प्रत्येक किसान को इस बात का भरोसा देते हैं कि एमएसपी की व्यवस्था जैसे पहले चली आ रही थी, वैसे ही चलती रहेगी। पीएम ने विपक्ष के हंगामे को लेकर यह भी कहा कि ये ही वे लोग हैं, जो कृषि क्षेत्रों में सुधारों को लेकर स्वामीनाथन समिति के सुझावों को अपने पैरों तले दबाए बैठे थे। विधेयकों पर बात करते हुए मोदी ने कहा कि नए कृषि सुधारों ने किसान को ये आजादी दी है कि वह किसी को भी, कहीं पर भी अपनी फसल अपनी शर्तों पर बेच सकता है। उसे यदि मंडी में ज्यादा लाभ मिलेगा, तो वहां अपनी फसल बेचेगा। मंडी के अलावा कहीं और से ज्यादा लाभ मिल रहा होगा, तो वहां बेचेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे देश में अब तक उपज बिक्री की जो व्यवस्था चली आ रही थी, जो कानून थे, उसने किसानों के हाथ-पांव बांधे हुए थे। इन कानूनों की आड़ में देश में ऐसे ताकतवर गिरोह पैदा हो गए थे, जो किसानों की मजबूरी का फायदा उठा रहे थे। आखिर ये कब तक चलता रहता? कृषि मंडियों के बंद होने के सवाल पर पीएम मोदी ने कहा कि कई जगह ये भी सवाल उठाया जा रहा है कि कृषि मंडियों का क्या होगा? क्या मंडियां बंद हो जाएंगी? कृषि मंडियां कतई बंद नहीं होंगी। ये कानून, ये बदलाव कृषि मंडियों के खिलाफनहीं हैं। जो ऐसा बोल रहे हैं, वे झूठ फैला रहे हैं। कृषि मंडियों में जैसे काम पहले होता था, वैसे ही अब भी होगा। पीएम मोदी ने बताया कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए दूसरा कानून बनाया गया है। ये ऐसा कानून है जिससे किसान के ऊपर कोई बंधन नहीं रहेगा। खेत की सुरक्षा, अच्छे बीज, खाद आदि की जिम्मेदारी उस व्यक्ति की होगी, जो किसान से समझौता करेगा।

टकराव वाले ...

हटकर रही। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में राजनयिक भी शामिल थे। भारत चीन सीमा संबंधी मुद्दों के लिए सहयोग और समन्वय के कार्यकारी तंत्र (डब्लूएमसीसी) की अध्यक्षता कर रहे विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव नवीन श्रीवास्तव, भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) महानिरीक्षक ने मोल्डो बैठक में शिरकत की। भारतीय टीम की अगुवाई लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह और दो मेजर जनरलों ने की। लेफ्टिनेंट जनरल पीजी मेनन भी इस निर्णायक बातचीत का हिस्सा बने। लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह का कार्यकाल अगले कुछ हफ्तों में लेह स्थित 14 कॉर्प्स में खत्म होने वाला है, तब लेफ्टिनेंट जनरल मेनन उनका स्थान ले सकते हैं। सैन्य-राजनीयिक स्तर की बातचीत के ताजा दौर की भारत की रणनीति पर पिछले हफ्ते चाइना स्टडी ग्रुप (सीएसजी) ने मंजूरी दी थी। भारत ने स्पष्ट तौर पर यह भी कहा कि चीन को एलएसी में एकतरफा बदलाव के लिए आक्रामक हरकतों से बाज आना होगा। सूत्रों ने बताया कि भारतीय प्रतिनिधि को इस बात के निर्देश दिए गए थे कि बातचीत के दौरान चीन द्वारा पहले सेना हटाने पर विशेष जोर दिया जाए। लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह और मेजर जनरल लीउ-लीउ के बीच कॉर्प्स कमांडर स्तरीय वार्ता का पिछला दौर 2 अगस्त को हुआ था। तब दोनों पक्ष सेनाएं हटाने पर परस्पर सहमति हुए थे लेकिन बाद में चीन पलट गया और तनाव वाले पैंगोंग त्सो सहित तमाम इलाकों में अपने और सैनिकों की तैनाती कर दी। पांच जून के बाद दोनों देश सोमवार से पहले सैन्य स्तर पर बातचीत के पांच दौर पूरे कर चुके थे। इन बैठकों में टकराव वाले इलाकों से सेनाओं को वापस बुलाने और भीतरी क्षेत्रों में जवानों की संख्या घटाने के तरीकों पर बात हुई। दोनों ही देशों ने मई माह के मध्य से गतिरोध वाले इलाकों में अतिरिक्त जवानों की तैनाती और भारी मात्रा में हथियार-गोला बारूद जमा कर रखे हैं। सूत्रों ने कहा कि भरोसा बहाली की कवायद के तहत जवानों-हथियारों की संख्या घटाने की कोशिशें की जा रही हैं।

भिवंडी में ढही ...

इमारतों को पहले ही खाली करा लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इमारत गिरने से हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ट्वीट किया, महाराष्ट्र के भिवंडी में इमारत गिरने से दुखी हूं। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। बचाव कार्य जारी है और प्रभावितों को हर संभव मदद की जाएगी। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने इमारत के गिरने पर दुख व्यक्त किया और प्रशासन को ठीक से बचाव कार्य करने और घायलों के इलाज का निर्देश दिया।

हेरोइन के लपेटे...

चुकी हैं कि डिप्रेशन से जूझ रहे सुशांत को उन्होंने सीबीडी ऑयल को चाय या कॉफी के साथ लेने की सलाह दी थी।

समंदर ने फैलाई ...

कि नौसेना महिला अधिकारियों को अपने युद्धपोत पर विभिन्न भूमिका में कार्य करने की अनुमति देगा और उचित सुविधा नवनिर्मित पोतों पर उनके लिए बनाई जाएगी। समारोह की अध्यक्षता रियर एडमिरल एंटनी जॉर्ज ने की, जो चीफ स्टाफ ऑफिसर (प्रशिक्षण) भी हैं। जॉर्ज ने 'ऑब्जर्वर' का पाठ्यक्रम पूरा करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया और प्रतिष्ठित विंग दिया। इसके साथ ही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने छह अधिकारियों (महिला अधिकारी सहित नौसेना के पांच अधिकारी और एक तटरक्षक बल का अधिकारी) को सफलतापूर्वक योग्य नेविगेशन प्रशिक्षक पाठ्यक्रम पूरा करने पर प्रशिक्षक बैच से सम्मानित किया। रियर एडमिरल एंटनी ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि यह ऐतिहासिक मौका है जब पहली बार महिलाओं को हेलीकॉप्टर का प्रशिक्षण दिया गया है जिससे अंतत: अग्रिम मोर्चों पर मौजूद युद्धपोतों पर उनकी तैनाती का रास्ता साफ होगा। बयान के मुताबिक 91 वें नियमित पाठ्यक्रम में 22वें एसएससी 'ऑब्जर्वर' पाठ्यक्रम में हवाई नेविगेशन, उड़ान की प्रक्रिया, हवाईयुद्ध की रणनीति, पनडुब्बी रोधी युद्ध और विमान के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों संबंधी प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण उड़ान ...

में केवल एक ही व्यक्ति था। सूत्रों ने बताया कि यह विमान केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रशिक्षण संस्थान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी अमेठी से संबद्ध था। संस्थान के प्रवक्ता ने पीटीआई-भाषा को बताया कि प्रशिक्षु पायलट की पहचान कोनार्क सरन के रूप में हुई है, वह हरियाणा के पलवल के रहने वाले थे। सरन के पास प्रशिक्षु के रूप में 125 घंटे की उड़ान का अनुभव था। वह एक कुशल प्रशिक्षु पायलट थे। प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा है कि खराब मौसम के कारण यह हादसा हुआ। प्रवक्ता ने बताया कि वह चार सीटो वाला यह विमान अति आधुनिक उपकरणों से लैस था। यह हादसा बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे है।

जीत के करीब पहुंचकर मिली नाकामी का दुख है : मयंक

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार वापसी करके जीत की दहलीज पर पहुंचने के बावजूद इंडियन प्रीमियर लीग का पहला मैच हारने वाली किंग्स इलेवन पंजाब के बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने कहा कि मैच को फिनिश नही कर पाने का उन्हे दुख है। जीत के लिए 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब ने पांच विकेट 55 रन पर गंवा दिए थे लेकिन इसके बाद अग्रवाल ने 89 रन बनाकर उसे 157 रन तक पहुंचाया। आखिरी दो गेंद मे पंजाब को एक रन चाहिए था लेकिन मार्कस स्टोइनिस ने दोनो गेंद पर विकेट लेकर मैच को सुपर ओवर मे खिंचा जिसमें दिल्ली विजई रही।

दबाव की परिस्थितियों में खेलने के अभ्यस्त हैं : अय्यर

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ सुपर ओवर तक खिंचे उतार चढ़ाव वाले मैच मे जीत दर्ज करने के बाद कहा कि उनकी टीम ऐसी परिस्थितियों में दबाव में नही आती है और इस तरह के मैचो की अभ्यस्त है। अय्यर ने कल जीत के बाद कहा, मैच में इस तरह के उतार चढ़ाव देखना मुश्किल था लेकिन हमारी टीम इसकी अभ्यस्त है। यहां तक कि पिछले सत्र मे भी हमने ऐसी परिस्थितियो का सामना किया था। दिल्ली कैपिटल्स की जीत के नायक मार्कस स्टोइनिस और कैगिसो रबाडा रहे। रबाडा ने सुपर ओवर मे केवल दो रन दिए और दो विकेट लिए।

रीयाल मैड्रिड ने रीयाल सोशिडाड से ड्रा खेला

मैड्रिड। गत चैम्पियन रीयाल मैड्रिड की स्पेनिश लीग फुटबॉल मे शुरूआत आशातीत नही रही और पहले ही मुकबले में उसे रीयाल सोशिडाड ने गोलरहित ड्रा पर रोका। पिछले सत्र की टीम मे कोई बदलाव नही किया गया है लेकिन जिनेदीन जिदान की टीम लय हासिल करने के लिए जूझती रही और उसे एक अंक से ही संतोष करना पड़ा। मैड्रिड ने पिछले 11 लीग मैचों में से 10 जीते है और तीन साल मे पहला खिताब जीता। वह 2007-08 के बाद पहली बार लगातार दो खिताब जीतने की कोशिश मे है।

जोकोविच को कोर्ट पर आपा खोने के लिए मिली चेतावनी

रोम। अमेरिकी ओपन मे आपा खोकर बीच मे ही बाहर होने के दो सप्ताह बाद दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को इटालियन ओपन सेमीफाइनल मे भी चेतावनी दी गई। जोकोविच ने कहा , मुझे चेतावनी मिलनी ही चाहिए थी। मेरी भाषा खराब थी। चेयर अंपायर से मेरे पिछले कुछ समय मे विवाद रहे है।

शॉर्ट रन कॉल के खिलाफ अपील की

दुबई। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ियो ने दिल्ली कैपिल्टल के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान अहम समय पर मैदानी अंपायर नितिन मेनन के विवादित शॉर्ट रन कॉल के खिलाफ अपील की है जबकि पूर्व खिलाड़ियो ने सही नतीजो के लिए तकनीक के अधिक उपयोग की मांग की। मैच के सुपर ओवर मे जाने से पहले टीवी फुटेज से पता चला कि स्क्वेयर लेग अंपायर मेनन ने 19वे ओवर की तीसरी गेद पर क्रिस जोर्डन को शॉर्ट रन के लिए टोका था।

पडिक्कल और डिविलियर्स के अर्धशतक

● आरसीबी के पांच विकेट पर 163 रन

भाषा। दुबई

युवा देवदत्त पडिक्कल और अनुभवी एबी डिविलियर्स के अर्धशतकों की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में सोमवार को यहां पांच विकेट पर 163 रन बनाए। आईपीएल में अपना पहला मैच खेल रहे पडिक्कल ने 42 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 56 रन बनाए जबकि डिविलियर्स ने 30 गेंदों पर 51 रन की पारी खेली जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल हैं। सनराइजर्स के गेंदबाजों की तारीफ करनी होगी जिन्होंने पावरप्ले में 53 रन देने के बाद मिशेल मार्श के चोटिल होने के बावजूद अच्छी वापसी की। उसकी तरफ से विजय शंकर, टी नटराजन और अभिषेक शर्मा ने एक -एक विकेट लिया।पडिक्कल ने पहले ओवर से ही आत्मविश्वास दिखाया और घरेलू क्रिकेट की अपनी फार्म के अनुरूप बल्लेबाजी की। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार को सम्मान दिया लेकिन दूसरे छोर से गेंदबाजों को निशाने पर रखकर मैदानों के चारों तरफ दर्शनीय शॉट लगाए। इस कारण डेविड वार्नर को पहले छह ओवर में ही गेंदबाजी में लगातार परिवर्तन करने पड़े। मार्श के टखना मुड़ जाने के कारण बाहर हो जाने से वार्नर की परेशानी बढ़ गई। उनका ओवर पूरा करने के लिए विजय शंकर पर आरोन फिंच (27 गेंदों पर 29, एक चौका, दो छक्के) ने पारी का पहला छक्का लगाया। फिंच ने पावरप्ले के बाद गेंद संभालने वाले करिश्माई लेग स्पिनर राशिद खान की गेंद भी छह रन के लिए भेजी। क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में पदार्पण पर अर्धशतक जड़ने वाले पडिक्कल ने आईपीएल में भी यह कारनामा किया। उन्होंने अभिषेक की गेंद पर डीप स्क्वायर लेग पर चौका जड़कर अपना पचासा पूरा किया। राशिद इसे कैच में बदल सकते थे लेकिन वह गेंद का सही अनुमान नहीं लगा पाए। सनराइजर्स के गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में बल्लेबाजों को बांधे रखा। विजय शंकर ने पडिक्कल को बोल्ड किया तो अभिषेक ने अगले ओवर की पहली गेंद पर फिंच को पगबाधा आउट करके सनराइजर्स में जोश भरा। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 90 रन जोड़े। इसके बाद कप्तान विराट कोहली (13 गेंदों पर 14 रन) और डिविलियर्स क्रीज पर थे लेकिन चार ओवर तक गेंद सीमा रेखा तक नहीं पहुंची। कोहली ने लंबा शॉट खेलने के प्रयास में ही सीमा रेखा पर कैच दिया। अब दारोमदार डिविलियर्स पर था जिन्होंने अपनी ख्याति के अनुरूप 19वें ओवर में संदीप शर्मा पर लगातार दो छक्के लगाए और फिर रन आउट होने से पहले अपना अर्धशतक पूरा किया। भुवनेश्वर ने हालांकि पारी की अंतिम चार गेंदों पर केवल एक रन दिया।

स्कोर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर : देवदत्त पडिक्कल बो विजय शंकर 56,आरोन फिंच पगबाधा बो अभिषेक 29,विराट कोहली का राशिद बो नटराजन 14,एबी डिविलियर्स रन आउट 51,शिवम दुबे रन आउट 07,जोश फिलिप नाबाद 01,**अतिरिक्त** (लेग बाई 01, नोबाल 02, वाइड 02) 05,**कुल** (20 ओवर में, पांच विकेट पर) 163,**विकेट पतन** : 1-90, 2-90, 3-123, 4-162, 5-163,**गेंदबाजी :** भुवनेश्वर 4-0-25-0,संदीप शर्मा 4-0-36-0,नटराजन 4-0-34-1,मार्श 0.4-0-6-0,शंकर 1.2-0-14-1,राशिद 4-0-31-0,अभिषेक शर्मा 2-0-16-1।

रॉयल्स की ओर से मैदान पर उतरेंगे स्मिथ

●सीएसके का पलड़ा भारी

भाषा। शारजाह

राजस्थान रॉयल्स की कमजोर टीम के लिए अपने पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स से पार पाना आसान नहीं होगा क्योंकि टीम को शुरुआती चरण में स्टार आलराउंडर बेन स्टोक्स की सेवाएं नहीं मिलेंगी लेकिन कनकशन चोट से कप्तान स्टीव स्मिथ के उबरने के कारण मंगलवार को होने इंडियन प्रीमियर लीग मैच से पहले टीम का हौसला कुछ बढ़ा होगा। स्टोक्स की गैरमौजूदगी से टूर्नामेंट में रॉयल्स का अभियान कम से कम पहले चरण में प्रभावित होगा लेकिन अंतिम एकादश में स्मिथ की मौजूदगी का मतलब है कि टीम आसानी से घुटने नहीं टेकेगी। स्मिथ को इंग्लैंड दौरे पर नेट सत्र के दौरान सिर में चोट लगी थी जिसके कारण वह एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। अब नियमों के तहत उन्होंने कनकशन (सिर में चोट लगने के कारण बेहोशी जैसी स्थिति) परीक्षण पास कर लिया है और खेलने के लिए तैयार हैं। फ्रेंचाइजी की ओर से जारी बयान में स्मिथ ने कहा, कुछ दिनों से दुबई में हूं। मैंने आराम किया और रनिंग की। कल मैंने तेजी से दाईं-बाईं तरफ दौड़ लगाई जो मैदान पर वापसी करने के नियमों का हिस्सा था। और आज मैंने नेट पर बल्लेबाजी की। उम्मीद करता हूं कि चोट से उबर गया हूं और कल खेलने के लिए तैयार हूं। कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने भी कप्तान की उपलब्धता पर खुशी जताई।

जोस बटलर भी पहले मैच से बाहर रहेंगे क्योंकि वह अपने परिवार के साथ अलग से आए हैं और उन्हें दुबई में 36 घंटे अनिवार्य पृथकवास में रहना होगा। पिछली उपविजेता चेन्नई ने पहले मैच में गत चैम्पियन मुंबई इंडियंस को पांच विकेट से हराया। तीन बार की विजेता का पलड़ा रॉयल्स के खिलाफ भारी होगा चूंकि रॉयल्स के पास स्टोक्स नहीं है और सलामी बल्लेबाज बटलर भी पहले मैच से बाहर हैं। स्टोक्स अपने बीमार पिता की तीमारदारी के लिए न्यूजीलैंड में हैं। लीग के पहले चरण में उनकी गैर मौजूदगी से टीम का संतुलन बिगड़ा है। रॉयल्स के प्रदर्शन का दारोमदार काफी हद तक विदेशी खिलाड़ियों पर है। गेंदबाजी में इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर और आस्ट्रेलिया के एंड्रयू टाए पर जिम्मेदारी होगी तो रन बनाने का जिम्मा दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर और कप्तान स्मिथ पर रहेगा। रॉयल्स के भारतीय खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। संजू सैमसन, रॉबिन उथप्पा, जयदेव उनादकट, वरूण आरोन अपेक्षाओं पर खरे उतरने में नाकाम रहे हैं।

चोटिल अश्विन अगले मैच के लिए तैयार रहेंगे, लेकिन फैसला फिजियो को करना है : अय्यर

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि भारतीय टीम के सीनियर ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को उम्मीद है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में टीम के अगले मैच से पहले वह कंधे की चोट से उबर जाएंगे लेकिन उनकी उपलब्धता पर अंतिम फैसला टीम के फिजियो पैट्रिक फरहार्ड करेंगे। अश्विन ने रविवार को किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ आईपील के 13वें सत्र के अपने पहले ओवर में ही दो विकेट चटकाकर शानदार शुरुआत की लेकिन इस ओवर की आखिरी गेंद पर डाइव लगाकर कर अपना कंधा चोटिल कर बैठे।

गायकवाड़ ने कोविड-19 से उबरने के बाद शुरू किया अभ्यास

दुबई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ कोविड-19 की दो अनिवार्य परीक्षणों में नेगेटिव आने के बाद सोमवार पहली बार अभ्यास शुरू किया।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को टीम को राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है। महाराष्ट्र का 23 साल का यह खिलाड़ी कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण दो सप्ताह तक पृथकवास पर था। वह शनिवार को गत चैम्पियन मुंबई इंडियन्स के खिलाफ आईपील के मौजूदा सत्र के पहले मैच में टीम का हिस्सा नहीं थे।

हालेप को इटालियन ओपन का खिताब

भाषा। रोम

शीर्ष वरीयता प्राप्त सिमोना हालेप ने सोमवार को यहां कारोलिना पिलिसकोवा के चोट के कारण फाइनल में मैच के बीच से हट जाने के कारण पहली बार इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। पिलिसकोवा ने जब हटने का फैसला किया तब हालेप 6-0, 2-1 से आगे चल रही थी। हालेप के पहला सेट जीतने के बाद पिलिसकोवा ने पीठ के निचले हिस्से में दर्द के लिए उपचार भी लिया था। हालेप इससे पहले 2017 और 2018 में फाइनल में इलिना स्वितोलिना से हार गई थी। उन्होंने टेनिस शुरू होने के बाद अपने रिकार्ड को 10-0 तक भी पहुंचा दिया है। वह हालांकि फरवरी से लेकर अब तक लगातार 14 मैच जीत चुकी हैं। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से यूएस ओपन में हिस्सा नहीं लिया था।

प्रजनेश आगे बढ़े, नागल फ्रेंच ओपन क्वालीफायर्स से बाहर

पेरिस। भारतीय टेनिस खिलाड़ी प्रजनेश गुणेश्वरन ने शुरू मे सर्विस गंवाने के बाद अच्छी वापसी करके सोमवार को यहां फ्रेंच ओपन पुरूष एकल क्वालीफाईंग के दूसरे दौर मे प्रवेश किया लेकिन देश के शीर्ष खिलाड़ी सुमित नागल करीबी मैच मे हारकर बाहर हो गए। क्वालीफाईंग मे 16वी वरीयता प्राप्त और यूएस ओपन के दूसरे दौर मे पहुंचकर पिछले सात साल मे किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के एकल मे जीत दर्ज करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने नागल को जर्मनी के डस्टिन ब्राउन के हाथो 6-7 (4), 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एक घंटे 47 मिनट तक चला।

पांच खिलाड़ी क्वालीफाइंग से बाहर

पेरिस। फ्रेंच ओपन क्वालीफाइंग दौर मे दो खिलाड़ी कोरोना वायरस जांच मे पॉजिटिव पाए गए जबकि तीन अन्य एक कोच के संपर्क मे थे जो पॉजिटिव पाया गया है। फ्रेंच टेनिस महासंघ ने रविवार को एक बयान मे कहा कि सभी पांचो खिलाड़ी पांच दिन के लिए पृथक्वास मे रहेंगे और उनमे से कोई भी 27 सितंबर से शुरू हो रहे क्वालीफायर मे भाग नही लेगा। आयोजको ने खिलाड़ियो या कोच का नाम नही बताया है। एफएफटी ने कहा कि गुरूवार से अब तक 900 कोरोना वायरस टेस्ट हो चुके है।

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम में अधिक बदलाव ना करे आस्ट्रेलिया

भाषा। पर्थ

आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने संकेत दिया है कि भारतीय टीम साल के अंत में जब चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए उनके देश का दौरा करेगी तब वे जांचे-परखे खिलाड़ियों के साथ उतरेंगे और

लैंगर ने दिया संकेत

शेफील्ड शील्ड में किसी खिलाड़ी के बेहतरीन प्रदर्शन करने पर ही टीम में बदलाव होगा।

न्यूजीलैंड में फरवरी-मार्च के बाद यह भारत की पहली श्रृंखला होगी और इसके तीन दिसंबर से शुरू होने का कार्यक्रम है लेकिन आयोजन स्थलों को लेकर थोड़ा भ्रम है क्योंकि आस्ट्रेलिया के विभिन्न शहरों में लॉकडाउन को लेकर अलग-अलग नियम हैं। लैंगर ने सोमवार को एडीलेड से एएपी से कहा, हम पिछले 12 से 18 महीने में शानदार टेस्ट क्रिकेट खेल पाए हैं। फिलहाल हम दुनिया की नंबर एक टीम हैं और इसके कई कारण हैं।

फ्लेमिंग ने सैम कुरेन की तारीफों के पुल बांधे

भाषा। दुबई,

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में टीम की ओर से पदार्पण करने वाले सैम कुरेन के रवैए से प्रभावित हैं और उन्होंने कहा कि आईपीएल के पहले मैच में उनके योगदान ने चोट से उबर रहे स्टार आलराउंडर ड्वेन ब्रावो अनुपस्थिति नहीं खलने दी।कुरेन ने शनिवार को आईपीएल के 13वें सत्र के पहले मैच में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ सीएसके की पहली जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने प्रभावशाली गेंदबाजी करने के बाद सिर्फ छह गेंद में 18 रन की पारी खेली जिससे सीएसके की टीम जीत के साथ शुरुआत करने में सफल रही। फ्लेमिंग ने मंगलवार को शारजाह में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच से पूर्व सीएसके की वेबसाइट पर कहा, ड्वेन (ब्रावो) को गंवाना बड़ा नुकसान था और सैम ने इसकी भरपाई की। उन्होंने कहा, सैम की जिस चीज ने हमें प्रभावित किया वह उसका रवैया है और लय में आने के बाद उसका रवैया और बेहतर होता जाता है। उसके आलराउंडर कौशल पर कोई भी कप्तान तुरंत भरोसा कर सकता है और वह उस तक शॉट खेल सकता है जैसे उसने खेले।

रोहित की कप्तानी में खेलने से आत्मविश्वास बढ़ा है: बुमराह

अबुधाबी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि मुंबई इंडियन्स में रोहित शर्मा की कप्तानी में मिलने वाली आजादी ने करियर के लिहाज से उनके आत्मविश्वास को काफी बढ़ाया है। बुमराह रोहित के नेतृत्व में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के खिताब को चार बार जीतने वाली इस फ्रेंचाइजी के अहम सदस्य हैं। अपनी बात करूं तो, उन्होंने (रोहित) मुझे हमेशा आजादी दी है, उन्होंने हमेशा मुझे खुद के मुताबिक गेंदबाजी करने के लिए कहा है।

भारत ने सस्ते तेल से रणनीतिक भंडारों को भरकर 5,000 करोड़ रुपए की बचत की: प्रधान

नई दिल्ली। कच्चे तेल कीमतों के दो दशक के निम्न स्तर पर पहुंचने के दौरान अप्रैल-मई में कच्चे तेल की खरीद कर तीन रणनीतिक कच्चे तेल भंडारों को भर कर सरकार ने करीब 5,000 करोड़ रुपए की बचत की है। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को यह जानकारी दी। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आयातक है जिसने अपनी किसी भी आकस्मिकता को पूरा करने के लिए तीन स्थानों पर कच्चे तेल के भूमिगत रणनीतिक भंडारण तैयार किए हैं। प्रधान ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कम कीमतों का फायदा उठाते हुए, भारत ने अप्रैल-मई, 2020 में एक करोड़ 67 लाख बैरल कच्चे तेल की खरीद करते हुए विशाखापत्तनम, मैंगलोर, और पाडुर में बनाए गए तीन रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारों को भरा।

दूरसंचार कंपनियों को 31 मार्च तक कुल एजीआर बकाए का 10प्रतिशत चुकाना होगा

नई दिल्ली। सरकारी सूत्रों का कहना है कि भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया सहित तमाम दूरसंचार कंपनियों, को समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाए का 10 प्रतिशत मार्च 2021 तक भुगतान करना होगा और उनके द्वारा पहले किए गए आशिंक भुगतान से इसमें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वर्तमान में परिचालन वाली दूरसंचार कंपनियों द्वारा 31 मार्च तक 12,921 करोड़ रुपए का बकाया दिए जाने की उम्मीद है, जिसमें से करीब 80 प्रतिशत भुगतान वोडाफोन आइडिया और भारती एयरटेल को करना है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, उच्चतम न्यायालय का आदेश एकदम स्पष्ट है कि दूरसंचार कंपनियों को डीओटी द्वारा मांगी गई कुल बकाया राशि का 10 प्रतिशत 31 मार्च 2021 तक चुकाना होगा।

जीएसटीएन के सीईओ ने कहा, पहले से भरा जीएसटी रिटर्न फॉर्म जल्द होगा उपलब्ध

नई दिल्ली। जीएसटी- पंजीकरण वाले व्यवसायियों, कंपनियों को जल्द ही पहले से भरा रिटर्न फॉर्म, जीएसटीआर-3बी उपलब्ध होगा। जीएसटी नेटवर्क के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) प्रकाश कुमार ने सोमवार को यह जानकारी दी। कुमार ने कहा, हम करदाताओं को पहले से भरा जीएसटीअर-3बी फॉर्म उपलब्ध कराने की दिशा में बढ़ रहे हैं। इससे करदाताओं को कर भुगतान में आसानी होगी। शुरुआत में करदाताओं को फॉर्म को संपादित करने का विकल्प उपलब्ध होगा, जिससे कंपनियां पूर्व के समायोजन आदि कर सकेंगी। जीएसटीएन माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के आईटी ढांचे को संभालता है। जीएसटीएन ने पहले ही करदाता के बिक्री रिटर्न जीएसटीआर-1 के आधार पर कर देनदारी का ब्योरा उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। इस का इस्तेमाल पीडीएफ के रूप में उसके कर भुगतान फॉर्म जीएसटीआर-3बी में किया जाएगा। इसके अलावा जीएसटीएन करदाता के आपूर्तिकर्ताओं की ओर से दी गई सूचना बीजक के आधार पर इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) ब्योरा भी उपलब्ध करा रहा है।

वैश्विक स्तर पर बिकवाली से बाजार धराशाई

● निवेशकों को लगी 4.23 लाख करोड़ रुपए की चपत

भाषा। मुंबई

वैश्विक स्तर पर बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 812 अंक लुढ़क गया जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 11,300 अंक से नीचे बंद हुआ। यूरोप में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी और एक बार फिर लॉकडाउन की आशंका में वैश्विक स्तर पर बाजारों में बिकवाली हुई जिसका असर घरेलू शेयर बाजारों पर पड़ा। डेनमार्क, यूनान और स्पेन ने कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण से निपटने के लिए नए सिरे से पाबंदिया लगाईं हैं। ब्रिटेन भी दूसरा देशव्यापी लॉकडाउन लगाने पर विचार कर रहा है। इसको देखते हुए निवेशकों ने यात्रा, खपत और बैंक शेयरों में बिकवाली की। यह लगातार तीसरी कारोबारी सत्र है जब शेयर बाजार नीचे आया है। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 811.68 अंक यानी 2.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38,034.14 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी भी 254.40 अंक यानी 2.21 प्रतिशत का गोता लगाकर 11,250.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान इंडसइंड बैंक को हुआ। इसमें 8.67 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा जिन अन्य प्रमुख शेयरों में गिरावट रही, उनमें भारती एयरटेल, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, एक्सिस बैंक और ओएनजीसी शामिल हैं। दूसरी तरफ सेंसेक्स के केवल तीन शेयर कोटक बैंक, इन्फोसिस और टीसीएस लाभ में रहे। इनें 0.86 प्रतिशत तक की तेजी आई। इस गिरावट से निवेशकों की संपत्ति 4.23 लाख करोड़ रुपए घट गई। बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटकर1,54,76,979.16 पर आ गया। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, दोपहर के कारोबार में मुनाफावसूली के चलते घरेलू शेयर बाजारों में 2 प्रतिशत से अधिक गिरावट आई। यह वैश्विक बाजारों के अनुरूप है जहां यूरोप समेत कई देशों में संक्रमण के मामले बढ़ने से धारणा नकारात्मक हुई है। संक्रमण बढ़ने के कारण यूरोप में अतिरिक्त पाबंदियों पर विचार किया जा रहा है। उच्च मूल्य के साथ इस बात की चिंता है कि कंपनियों की कमाई फिलहाल उस मूल्य के अनुरूप नहीं होंगी। ऐसे में बाजार में अनिश्चितता रह सकती है।

सोना 326 रुपए टूटा, चांदी भी 945 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक रुख और रुपए की विनिमय दर मे गिरावट के साथ राष्ट्रीय राजधानी मे सोना सोमवार को 326 रुपए टूटकर 52,423 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार पिछले कारोबार मे मूल्यवान धातु 52,749 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी की कीमत भी 945 रुपए लुढ़क कर 68,289 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। पिछले कारोबार मे यह 69,234 रुपए प्रति किलोग्राम थी। इस बीच, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे मजबूत होकर 73.38 (अस्थाई) पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार मे गिरावट रही। वैश्विक बाजार मे सोना गिरावट के साथ1,940 डॉलर प्रति औंस पर रहा जबकि चांदी 26.50 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रही।

केंद्रीय श्रमिक संगठन का किसानों के देशव्यापी आंदोलन में शामिल होने का एलान

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रमिक संगठनो ने 25 सितंबर को किसानो और खेतिहर मजदूरो के देशव्यापी विरोध प्रदर्शन को अपना समर्थन देने की सोमवार को घोषणा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार को किसान विरोधी कदम उठाना बंद करना चाहिए। किसानो ने संसद मे पारित दो कृषि विधेयकों का विरोध करने के लिए इस प्रदर्शन का आह्वान किया है।

PUBLIC NOTICE

This is for the information of general public that my clients Sh. Bachitter Singh S/o Tehal Singh and Smt. Paramjeet Kaur W/o Sh. Bachitter Singh both R/o G-30, Vishnu Garden, New Delhi-110018 have disowned and debarred their Son Iqbal Singh, his wife Gurminder Kaur and his family from all their moveable & immovable properties with immediate effect and severed all relations. Anybody dealing with them in any manner whatsoever will be doing so at his/her own cost, risk & responsibilities.

Mohinder Dhawan (Advocate)
Bar Room 3, Civil Side Tis Hazari, Delhi-54

PUBLIC NOTICE

it is brought to the notice of general public that onership of 01 catering trolly at Delhi Sarai Rohila Railway station was held by Late Shri Hardayal Gupta who had expired on 08 aug 2020. The contract is being considered to transfer in the name of Mr Anil Khandelwal S/o Late Sri Hardayal Gupta R/o H.No. 52/16A, Gali No.16, Nai basti Anand Parbat New Delhi 110005. If any person has any objection to this, it may be reported in writing to the office of Sr. Divisional Commercial Manager/ Catering, state entry road New Delhi-110055 with in 21 day from the publication of this notice

Ratan Lal Gupta (Advocate)
J-125, Adhyapak Nagar Nangloi Delhi-41

PUBLIC NOTICE

Public Notice is hereby given that the partnership between Rohit S/o Satbir Singh Yadav and Rohit Bansal & Kush Kumar Kwatra, carrying on business of rading medicines, etc. under the name and style of "M/s Moksh Meditech" at CW-252, Sanjay Gandhi Transport Nagar, Delhi-110042 is dissolved as from 20th September, 2020. Hereforth, Mr. Kush Kumar Kwatra shall not liable/responsible for any act/conduct done by any of the partners.

SAHIL MUNJAL (Advocate)
Ch. No. 127, Delhi High Court, New Delhi

लॉक्डाऊन के बाद 38.71 लाख ईपीएफ खातों से हुई 44,000 करोड़ रुपए की निकासी: श्रम मंत्री

भाषा। नई दिल्ली

देश में लॉकडाउन शुरू होने के बाद से कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) खातों से 38,71,664 कर्मचारियों के 44,054.72 करोड़ रुपए के निकासी दावों का निपटारा किया गया। संसद को सोमवार को यह जानकारी दी गई। सरकार ने घातक कोरोनो वायरस प्रसार को रोकने के लिए 25 मार्च 2020 को देशव्यापी लॉकडाऊन लागू किया था। श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि अब तक 44,054.72 करोड़ रुपए के लिए कुल 38,71,664 ईपीएफ निकासी दावों का निपटारा किया गया है। उत्तर के अनुसार इन निकासी में कोविड-19 से जुड़े दावे भी शामिल हैं। लॉकडाउन अवधि में 25 मार्च से 31 अगस्त तक 7,23,986 दावे महाराष्ट्र में किए गए थे जहां 8,968.45 करोड़ रुपए की अधिकतम राशि निकाली गई। इसके बाद कर्नाटक में 4,84,114 दावों के तहत 6,418.52 करोड़ रुपए और तमिलनाडु (पुड्डुचेरी सहित) 6,20,662 दावों के लिए 5,589.91 करोड़ रुपए निकाले गए।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सात पैसे बढ़कर 73.38 पर बंद

भाषा। नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे बढ़कर 73.38 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में स्थानीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.43 पर खुली और कारोबार के अंत में डालर के मुकाबले 73.38 पर बंद हुई, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की बढ़ोतरी को दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.45 पर बंद हुआ था। दिन के कारोबार में स्थानीय मुद्रा ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.26 के ऊपरी स्तर और 73.50 के निचले स्तर को देखा। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.29 प्रतिशत बढ़कर 93.19 पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध खरीदार थे और उन्होंने शुक्रवार को सकल आधार पर 205.15 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 2.04 प्रतिशत गिरकर 42.27 डालर प्रति बैरल पर आ गया।

विपक्षी पार्टियों ने इमरान खान को हटाने के लिए गठबंधन किया

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान का तत्काल इस्तीफा मांगते हुए मुल्क की प्रमुख विपक्ष पार्टियों ने उनकी सरकार को हटाने के वास्ते देशव्यापी प्रदर्शन करने के लिए गठबंधन किया है।रविवार को हुए सर्वदलीय सम्मेलन में 26 बिंदु वाले एक प्रस्ताव को स्वीकार किया गया। इस सम्मेलन में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन), जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फज़्ल (जेयूआई-एफ) और कई अन्य पार्टियों ने शिरकत की थी। इस सम्मेलन की मेजबानी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने की थी। सर्वदलीय बैठक के बाद संयुक्त पत्रकार वार्ता में जेयूआई-एफ प्रमुख मौलाना फज़्ल उर रहमान ने प्रस्ताव पढ़ा और कहा कि विपक्षी पार्टियां पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) नाम से गठबंधन बनाने को राजी हो गई हैं ताकि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी की हुकूमत के खिलाफ अक्टूबर से देशव्यापी प्रदर्शन शुरू किए जा सकें।

प्रस्ताव में सेना का नाम लिए बिना आरोप लगाया गया है कि खान की सरकार को "उसी संस्थान ने फर्जी स्थिरता दी है जिसने मौजूदा शासकों को सत्ता में लाने के लिए चुनाव में हस्तक्षेप किया था। शक्तिशाली फौज का जाहिर तौर पर संदर्भ देते हुए प्रस्ताव में कहा गया है कि मुल्क के अंदरूनी मामलों में संस्थान की बढ़ती दखलअंदाजी बेहद चिंतनीय है और इसे देश की स्थिरता तथा संस्थानों के लिए खतरा बताया गया है।

प्रस्ताव के मुताबिक, प्रदर्शन चरणों में शुरू होंगे। पहले चरण में विपक्षी पार्टियां सभी चार प्रांतों में अक्टूबर में संयुक्त रैलियां करेंगी। दूसरा चरण दिसंबर में शुरू होगा, जिस दौरान विपक्ष देशभर में बड़ी रैलियां करेगा। इसके बाद अगले साल जनवरी में सरकार को हटाने के वास्ते इस्लामाबाद के लिए निर्णायक बड़ा मार्च शुरू होगा। विपक्ष ने यह भी मांग की कि फिर से चुनाव कराएं जाएं और पारदर्शी तरीके से कराएं जाएं और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए चुनाव सुधार पारित किए जाएं।संसद को " रबड़ स्टैंप" बताते हुए, पीडीएम ने घोषणा की कि विपक्ष विधाई प्रक्रिया में सरकार के साथ सहयोग नहीं करेगा।रहमान ने कहा कि संयुक्त प्रस्ताव में मुल्क में सरकार की राष्ट्रपति प्रणाली लाने की किसी भी कोशिश को खारिज किया गया है और संसदीय प्रणाली को मजबूत करने का संकल्प लिया गया है। इससे पहले लंदन से वीडियो लिंक के माध्यम से सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कहा था कि विपक्ष प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ नहीं है, बल्कि उनके खिलाफ है जो "अक्षम" व्यक्ति को सत्ता में लेकर आए हैं।पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख शरीफ (70) पिछले साल नवंबर से लंदन में रह रहे हैं। लाहौर उच्च न्यायालय ने उन्हें इलाज के वास्ते चार हफ्तों के लिए विदेश जाने की इजाजत दी थी।

पीपीपी के प्रमुख आसिफ अली ज़रदारी ने शुक्रवार को शरीफ से फोन पर बातचीत की थी और उन्हें रविवार को ऑनलाइन होने वाली विपक्ष की अगुवाई वाले सर्वदलीय सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया था।सम्मेलन में शरीफ ने खान का कथित रूप से समर्थन करने के लिए देश की ताकतवर फौज की आलोचना की। उन्होंने कहा, हमारा संघर्ष इमरान खान के खिलाफ नहीं है। आज, हमारा संघर्ष उन लोगों के खिलाफ है, जिहोंने इमरान खान को बैठाया है और जिन्होंने उन जैसे अक्षम व्यक्ति को लाने के लिए (2018 के) चुनाव को प्रभावित किया और मुल्क को तबाह किया। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि सबसे बड़ी प्राथमिकता इस "चयनित सरकार और इस व्यवस्था" को हटाने की होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "अगर बदलाव नहीं होते हैं तो मुल्क को अपूरणीय क्षति होगी।

उन्होंने कहा कि सेना को सियासत से दूर रहना चाहिए और संविधान एवं राष्ट्रपिता कायदे आज़म मोहम्मद अली जिन्ना की दृष्टि का अनुसरण करना चाहिए तथा लोगों की पसंद में दखल नहीं देनी चाहिए। शरीफ ने कहा, हमने इस देश को अपनी नजर में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजाक बना दिया है।

पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी वीडियो लिंक के जरिए सम्मेलन को संबोधित किया और सरकार की आलोचना की।

इस्लामाबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान का तत्काल इस्तीफा मांगते हुए मुल्क की प्रमुख विपक्षी पार्टियों के नेता प्रेसवार्ता करते हुए

चीन में मेरी बेटी को हिरासत में लिए जाने की दी गई थी धमकी : ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार

एपी। कैनबरा

बीजिंग में काम कर चुके ऑस्ट्रेलिया के एक पत्रकार ने सोमवार को दावा किया कि दो साल पहले चीन छोड़ने से पहले कम्युनिस्ट देश ने उन्हें और उनकी 14 वर्षीय बेटी को हिरासत में लेने की धमकी दी थी।मैथ्यू कार्ने ने बताया कि उन्होंने अब तक 2018 की घटना का खुलासा नहीं किया था क्योंकि चीन में ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्ट कॉरपोरेशन (एबीसी) के संचालन पर इसका नकारात्मक परिणाम पड़ सकता था।सरकारी वित्तपोषित एबीसी और समाचार पत्र ऑस्ट्रेलियन फाइनेंशियल रिव्यू के लिए काम करने वाले दो पत्रकार भी दो सप्ताह पहले चीन से वापस लौट आए थे। इनके लौटने के बाद चीन में अब ऑस्ट्रेलिया का कोई पत्रकार नहीं है।कार्ने 2018 में एबीसी के चीन ब्यूरो के प्रमुख थे, जब ऑस्ट्रेलिया ने घरेलू राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप को रेखांकित करते हुए कानून पारित किया था। उन्होंने कहा कि कानून आने के बाद से ही उन्हें धमकाना शुरू कर दिया कार्ने ने एबीसी रेडियो को दिए साक्षात्कार में इस घटना का खुलासा किया। चीन ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।कार्ने ने बताया कि उनसे उनकी 14 वर्षीय बेटी यासमीन को बीजिंग सार्वजनिक सुरक्षा केन्द्र लाने को कहा गया था। एक महिला अधिकारी ने बताया था कि उनके तथा उनकी बेटी के खिलाफ वीजा अपराध के मामले में जांच चल रही है। कार्ने ने कहा कि उन्हें कहा गया, आपकी बेटी 14 साल की है। वह चीनी कानूनी के तहत एक वयस्क है और चूंकि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना कानून का पालन करने वाला एक देश है, इसलिए उन पर वीजा अपराध का आरोप लगाया जाएगा।

बहरीन का दावा 2020 की शुरुआत में आतंकी हमले की साजिश नाकाम की

● इससे कुछ घंटे पहले सऊदी अरब के सरकारी चैनल और बहरीन के एक स्थानीय अखबार ने रविवार रात को अपनी खबरों में कहा था कि यह साजिश नई है

एपी। दुबई

बहरीन ने सोमवार को कहा कि उसने इस साल के शुरू में देश में राजनयिकों और विदेशियों पर हमला करने के लिए ईरान समर्थित आतंकवादियों की साजिश को नाकाम कर दिया। इससे कुछ घंटे पहले सऊदी अरब के सरकारी चैनल और बहरीन के एक स्थानीय अखबार ने रविवार रात को अपनी खबरों में कहा था कि यह साजिश नई है।गौरतलब है कि बहरीन और इजराइल ने कुछ दिन पहले ही रिश्ते सामान्य किए हैं। इस देश में अमेरिका की नौसेना का पांचवां बेड़ा तैनात है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने बहरीन के दावे को खारिज किया और कहा कि बिना सच्चाई वाले बेतुके और झूठे इल्जामों की कड़ी में यह एक और मिसाल है। मिशन के प्रवक्ता अली रज़ा मीर यूसुफी ने एपी से कहा कि ऐसा लगता है कि अमेरिका और क्षेत्र में उसके ग्राहक राष्ट्रों द्वारा ईरान को कोसने की कोई सीमा नहीं है। वे फलस्तीन के लोगों तथा अपनी जनता से हाल में किए गए विश्वासघात से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं। सऊदी अरब के सरकारी टीवी पर प्रसारित फुटेज में दिख रहा है कि पुलिस ने एक घर पर छापा मारा है। फुटेज में दिख रहा है कि छापेमारी में राइफल और विस्फोटक जब्त किए गए हैं।सऊदी अरब के सरकारी टीवी ने कहा कि नौ आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है और माना जाता है कि नौ अन्य ईरान में हैं। बहरीन के सरकार समर्थित समाचार पत्र अखबार अल -खलीज ने गृह मंत्रालय के अधिकारियों के हवाले से खबर दी है कि कथित रूप से विदेशी शिष्टमंडल को निशाना बनाने के लिए एक सड़क पर लगाए गए विस्फोटक के मिलने के बाद अधिकारियों ने साजिश का पर्दाफाश किया। समाचार पत्र के मुताबिक, मंत्रालय ने ईरान की सेना पर आतंकवादियों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। आतंकवादियों ने बहरीन के अधिकारियों के सुरक्षा गार्डों की हत्या की भी योजना बनाई थी।यह स्पष्ट नहीं है कि सभी गिरफ्तारियां और कथित साजिश कब की है क्योंकि अखबार अल-खलीज की खबर घटनाओं को 2017 की बता रही है। समाचार पत्र ने आतंकवादियों का संबंध अल अश्तार ब्रिगेड से बताया है। यह शिया संगठन है जिसने बहरीन में कई विस्फोटों की जिम्मेदारी ली है।बहरीन के गृह मंत्रालय ने बाद में सफाई देते हुए कहा कि यह मामले इस साल के शुरू के हैं।

अमेरिका: टेक्सास और लुइसियाना की तरफ बढ़ रहा बीटा चक्रवात

ह्यूस्टन। अमेरिका में आया उष्णकटिबंधीय चक्रवात बीटा रविवार को टेक्सास और लुइसियाना के तटों की ओर बढ़ा जिससे पहले ही तूफानों की मार झेल चुके देश के इस हिस्से में तेज हवा के साथ और ज्यादा बारिश और तबाही होने की उम्मीद है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने रविवार को कहा कि अगले कुछ दिनों में टेक्सास और लुइसियाना के कुछ हिस्सों में बीटा के कारण 51 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने कहा कि बीटा ने रविवार दोपहर को थोड़ी रफ्तार पकड़ी और वह सोमवार देर रात तक टेक्सास सेंट्रल या अपर गल्फ कोस्ट से टकराएगा।

किरवोसक :द्वितीय वर्ल्डवार की याद में एतिहासिक मिलेट्री क्लब के सदस्य एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए

क्विक न्यूज

व्हाइट हाउस के पते पर रिसिन वाला पत्र भेजने की आरोपी महिला गिरफ्तार

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस के पते पर जहर रिसिन वाला एक पत्र भेजने की संदिग्ध एक महिला को न्यूयॉर्क-कनाडा सीमा पर गिरफ्तार कर लिया गया। कानून प्रवर्तन तीन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पत्र को व्हाइट हाउस पहुंचने से पहले गत सप्ताह की शुरुआत में बीच में ही रोक लिया गया था। महिला को अमेरिकी सीमाशुल्क एवं सीमा रक्षा अधिकारियो ने सीमा के निकट पीस ब्रीज से गिरफ्तार किया और ऐसी संभावना है कि वह संघीय आरोपों का सामना करेगी। अभी महिला का नाम जाहिर नही किया गया है। व्हाइट हाउस के पते पर भेजा गया यह पत्र मूलतः कनाडा में तैयार किया गया प्रतीत होता है। रॉयल कनाडा माउंटेड पुलिस ने इसकी जानकारी दी है। यह पत्र उस सरकारी प्रतिष्ठान में रोका गया जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस आने वाली डाक की जांच करता है। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में इसमे जहर रिसिन होने की पुष्टि हुई है। अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर यह जानकारी दी। इससे पहले भी पत्र के जरिए रिसिन भेजकर अमेरिकी अधिकारियो को निशाना बनाने की कई कोशिशे हुई है। नौसेना के पूर्व कर्मचारी को ट्रंप और उनके प्रशासन के सदस्यो को इसी प्रकार के लिफाफे भेजने के आरोप में 2018 में गिरफ्तार किया गया था।

अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के चिह्न गधे की मूर्ति में आग लगाए जाने की घटना

बाउडोइनम (अमेरिका)। मेन टाउन में एक मैदान में लगी गधे की मूर्ति मे आग लगाने की घटना सामने आई है और एक सांसद ने इसे राजनीतिक आतंकवाद करार दिया है। गधा डेमोक्रेटिक पार्टी का चिह्न है और इस मूर्ति को डाउग चेस ने बनाया था, जो कि यहां के स्थानीय कलाकार और बस चालक है। इसे लकड़ी, कार्डबोर्ड, फाइबर ग्लास समेत अन्य चीजो से बनाया गया था।बाउडोइनम मे इस मूर्ति को शुक्रवार देर रात दो बजे आग के हवाले कर दिया गया। यह मूर्ति पूर्व प्रवर बोर्ड सदस्य टेरिजा टर्गन की जमीन पर बनी हुई थी। वह अभी कस्बे के प्रवर बोर्ड में निर्वाचित होने के लिए चुनाव लड़ रही है।न्यूजसेंटरमेन डॉट कॉम नाम की एक वेबसाइट को उन्होने बताया, मुझे नही लगता कि यह निजी मामला है। मै कल्पना भी नही कर सकती कि यह निजी मामला है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वह गधे की मूर्ति थी और यह डेमोक्रेटिक संकेत है। मै निजी रूप से यही सोचती हूं।

सुगा ने ट्रम्प से फोन पर की बातचीत

तोक्यो। योशिहिदे सुगा ने जापान के प्रधानमंत्री के तौर पर कार्यभार संभालने के बाद पहली औपचारिक बातचीत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से की।देश के नेता के रूप में उनका पहला राजनयिक फोन ट्रम्प को करना, दोनो सहयोगियो के बीच घनिष्ठ संबंध को उजागर करता है। स्वास्थ्य कारणो के चलते शिंजो आबे ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद सुगा ने उनकी जगह ली है।सुगा ने ट्रम्प से फोन पर बात करने के बाद रविवार देर रात को संवाददाताओ से कहा, मैंने उनसे कहा कि जापान-अमेरिका गठबंधन क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की नीव है और हम करीबी समन्वय जारी रखने पर सहमत हुए। सुगा ने कहा कि ट्रम्प ने भी कहा कि वह भी गठबंधन को मजबूत करना चाहते है। उन्होने कहा कि दोनो नेताओ ने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई और उत्तर कोरिया के मिसाइल एवं परमाणु खतरो के संबंध मे सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की।जापान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनो नेताओ ने करीब 25 मिनट फोन पर बात की। दोनो नेताओ ने कोरोना वायरस के टीके के विकास और उपचार के साथ-साथ क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओ मे भी सहयोग का संकल्प जताया। घरेलू मुद्दो पर अपने राजनीतिक कौशल के लिए पहचाने जाने वाले, सुगा ने कम ही विदेश यात्राएं की है और उनके कूटनीतिक कौशल अभी ज्ञात नही है। हालांकि, उनसे आबे की प्राथमिकताओ को आगे बढ़ाने की उम्मीद की जा रही है।

कोविड-19 : कैलिफोर्निया में 15 हजार से अधिक लोगों की मौत, संक्रमण दर में कमी

सैकरामेंटो (अमेरिका)। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत मे कोरोना वायरस से मरने वालो की संख्या 15 हजार से अधिक हो गई है जबकि संक्रमण के मामलो मे कमी आई है। अमेरिका के जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ो के अनुसार रविवार को कैलिकॉर्निया मे कोविड-19 से मरने वालो की संख्या बढ़कर 15,027 हो गई। देश में वायरस से मौत के मामले मे कैलिफोर्निया चौथे नंबर पर है। कोविड-19 से सबसे अधिक 33,087 लोगो की मौत न्यूयॉर्क मे हुई है। इस सूची मे दूसरे नंबर पर न्यू जर्सी और तीसरे पर टेक्सास है। कैलिफोर्निया में अभी तक कोविड-19 के 7,75,00 मामले सामने आए है। हालांकि हाल ही मे यहां संक्रमण दर कम हो गई है। अस्पतालो मे भी अब 2700 से कम मरीज भर्ती है, जो अप्रैल के बाद से सबसे कम है। वही आईसीयू मे भर्ती मरीजो की संख्या भी गिरकर 850 से कम हो गई है।

ब्रिटेन चिकित्सा सलाहकार: कोविड के मामले बेतहाशा बढ़ सकते हैं

लंदन। ब्रिटेन के शीर्ष चिकित्सा सलाहकार ने कहा है कि कोविड-19 के मामलो के लिहाज से देश बहुत खराब मुकाम पर पहुंच चुका है और ऐसे संकेत है कि समय रहते कदम नही उठाए गए तो बीमारी बेतहाशा बढ़ सकती है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी क्रिस विट्टी ने सोमवार को लोगो को बताया कि बीमारी की दर गलत दिशा मे जा रही है और उम्मीद है कि सरकार महामारी पर नियंत्रण के लिए नए कदमों की घोषणा की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि हफ्तों से संक्रमण दर मे बढ़ोतरी के बाद हम बेहद बुरे मायनो मे एक अहम पड़ाव पर पहुंच गए है। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने सप्ताहांत मंत्रियो के साथ चर्चा की कि संक्रमण के बढ़ते मामलो पर सरकार कैसे प्रतिक्रिया दे, जो एक बार फिर मई की संक्रमण दर के स्तर पर पहुंच रहे है। इस हफ्ते सरकार द्वारा कुछ अल्पकालिक पाबंदियो की घोषणा किए जाने की उम्मीद है जो इस बीमारी की गति को रोकने के लिए सर्किट ब्रेकर के तौर पर काम करेंगे।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 633 नए मामले, कुल संक्रमितों की संख्या 306,304 हुई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 633 नए मामले सामने आए है, जिसके बाद कुल संक्रमितो की संख्या बढ़कर 306,304 हो गई।स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि संक्रमण की वजह से चार और मरीजो की मौत हुई और मृतको की संख्या बढ़कर 6,420 हो गई। देश मे अब तक 292,869 मरीज स्वस्थ हो चुके है। देश मे 7,015 मरीजो का फिलहाल इलाज चल रहा है। सिंध मे कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे ज्यादा 133,947 मामले है। इसके बाद पंजाब में 98,428 मामले, खैबर-पख्तूनख्वा में 37,357 मामले, इस्लामाबाद में 16,162, बलूचिस्तान में 14,394, गिलगित-बाल्तिस्तान मे 3,483 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर मे 2,533 मामले सामने आए है।

ईरान पर प्रतिबंध दोबारा लगाने के संबंध में अभी कोई मदद नही करेगा संरा : महासचिव गुतारेस

● स्नैपबैक का तात्पर्य है कि परमाणु करार के तहत दी गई ढील या हटा ली गई पाबंदियो को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों द्वारा दोबारा लगाया जा सकता है

संयुक्त राष्ट्र, एपी

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद से हरी झंडी मिलने तक ईरान पर दोबारा प्रतिबंध लगाने के संबंध में कोई मदद नहीं कर पाएगा, जिसकी अमेरिका मांग कर रहा है। महासचिव ने परिषद को लिखे पत्र में कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव में स्नैपबैक का इस्तेमाल किया है या नहीं, इस पर अनिश्चितता प्रतीत होती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने शनिवार को घोषणा की थी कि ईरान के खिलाफ सभी प्रतिबंध बहाल कर दिए गए हैं।उसके इस कदम को विश्व के अधिकतर देशों ने खारिज कर दिया है। अमेरिका की इस घोषणा से सोमवार से शुरू हो रही संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक उच्च स्तरीय बैठक में विवाद खड़ा हो सकता है। कोविड-19 के कारण इस साल यह बैठक ऑनलाइन आयोजित की जा रही है।अमेरिका की ओर से यह घोषणा पोम्पिओ के परिषद को स्नैपबैक का इस्तेमाल करने की जानकारी देने के करीब 30 दिन बाद की गई है।

स्नैपबैक का तात्पर्य है कि परमाणु करार के तहत दी गई ढील या हटा ली गई पाबंदियों को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों द्वारा दोबारा लगाया जा सकता है।गुतारेस ने पत्र में कहा कि सुरक्षा परिषद, उसके सदस्यों या उसके अध्यक्ष ने अमेरिकी विदेश मंत्री के पत्र की प्राप्ति के बाद कोई कार्वाई नहीं की है। उन्होंने कहा कि परिषद के अधिकतर सदस्यों ने परिषद के अध्यक्ष को चिट्ठी लिखी है कि (पोम्पिओ के) पत्र में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि स्नैपबैक का इस्तेमाल किया गया है या नहीं।उन्होंने कहा कि अगस्त और सितंबर के लिए परिषद के अध्यक्षों ने संकेत दिया है कि वे इस मामले में कोई कार्वाई करने की स्थिति में नहीं हैं। गुतारेस ने कहा कि महासचिव इस मामले को आगे नहीं बढ़ा सकते हैं। गुतारेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र हटाए गए प्रतिबंधों को दोबारा लगाने के संबंध में सुरक्षा परिषद से स्पष्टीकरण मिलने तक कोई कार्वाई नहीं करेगा।

थाईलैंड के लोकतंत्र के संघर्ष की प्रतीक पट्टिका को 24 घंटे के भीतर हटाया गया

बैंकाक। थाईलैंड के राजशाही मैदान में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों द्वारा लोकतंत्र के संघर्ष के सम्मान में पट्टिका लगाए जाने के 24 घंटे से कम समय के अंदर उसे हटा दिया गया और इस कृत्य को अवैध करार देकर अधिकारियों ने शिकायत दर्ज कराई एवं पट्टिका सबूत के तौर पर सौंपी गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।राजधानी के ऐतिहासिक मैदान सनम लुआंग में रविवार को हजारों प्रदर्शनकारी जमा हुए थे और यह पट्टिका लगाई गई थी। यह दो दिवसीय प्रदर्शन इस साल का सबसे बड़ा प्रदर्शन है और प्रदर्शनकारी नए चुनाव एवं राजशाही में सुधार की मांग कर रहे हैं। समीप के थाने के एक अधिकारी ने बताया कि सरकार के ललित कला विभाग और स्थानीय प्रशासन ने शिकायत दर्ज कराई कि प्रदर्शनकारियों ने पुरातात्विक स्थल को नष्ट किया और उन्होंने पट्टिका हमें बतौर सबूत सौंपी। पुलिस अधीक्षक वारसाक पित्सितबैकोर्न ने कहा, वे उस क्षेत्र के लिए जिम्मेदार एजेंसियों हैं और यह पुरातात्विक स्थल के रूप में पंजीकृत एक सार्वजनिक स्थल है।

इजराइल में नेतन्याहू के खिलाफ हजारों लोगों ने किया प्रदर्शन, कई प्रदर्शनकारियों ने नियम तोड़े

एपी। यरुशलम

हजारों इजराइली प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ रविवार को मध्य यरुशलम में उनके सरकारी आवास के बाहर अपना साप्ताहिक प्रदर्शन फिर से शुरू कर दिया। हालांकि पूरे देश में एक नया लॉकडाउन आदेश लागू किया गया है जिसका उद्देश्य देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाना है।पिछले शुक्रवार को लागू तीन सप्ताह के लॉकडाउन में एक अपवाद को शामिल किया गया था जिसके तहत लोगों को सार्वजनिक प्रदर्शन करने की इजाजत दी गई थी।

प्रदर्शन में शामिल कई प्रदर्शनकारी हालांकि सामाजिक दूरी के नियम को नजरंदाज करते दिखे। प्रदर्शनकारियों से कहा गया था कि वे छोटे-छोटे समूहों में रहें। पूरे ग्रीष्मकाल में हजारों लागों ने प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है। उनकी मांग है कि नेतन्याहू अपने पद से इस्तीफा दे दें क्योंकि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों में सुनवाई चल रही है। इजराइल के वाणिज्यिक केंद्र तेल अवीव के पास स्थित बनेई ब्राक नगर में 100 से अधिक प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और सार्वजनिक प्रार्थनाओं पर पाबंदियों के खिलाफ कचरा जलाया। प्रदर्शन यहूदी नववर्ष की छुट्टी समाप्त होने के कुछ घंटे बाद फिर से शुरू हुए। नेतन्याहू सरकार ने छुट्टी शुरू होने से कुछ ही घंटे पहले नया लॉकडाउन लागू कर दिया था। इजराइल में पहला लॉकडाउन मार्च और अप्रैल में लागू किया गया था। नेतन्याहू पर धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और तीन अलग अलग मामलों में रिश्वत स्वीकार करने के आरोप हैं। उनके खिलाफ आपराधिक सुनवाई जून में शुरू हुई थी लेकिन उन्होंने पद छोड़ने से इनकार कर अपने खिलाफ लगे आरोपों को खारिज कर दिया था।इजराइल में अभी तक कोरोना वायरस के 1,80,000 से अधिक मामले सामने आए हैं और 1,200 से अधिक मरीजों की मौत हो गई है।

'आजकल सोशल मीडिया हर चीज को प्रभावित करता है'

टॉक टाइम

उन्हें उनके त्वरित हास्य के लिए जाना जाता है और 'माई नेम इज़ खान, शिरीन फरहाद की तो निकल पड़ी एवं किक जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है। पायनियर संवाददाता शालिनी सक्सेना के साथ एक बातचीत में उन्होंने एक वेब सीरीज़ 'लेश' में नकारात्मक चरित्र निभाने का कारण, उनके भावी प्रोजेक्ट्स सहित अन्य बातों पर विस्तार से अपने विचार रखे। प्रस्तुत है प्रमुख अंश-

■ **आप वेब सीरीज़ 'लेश' का हिस्सा किस प्रकार बने?**

इस वेब सीरीज़ के कास्टिंग निर्देशक ने मुझसे संपर्क किया, क्योंकि वो मेरे मित्र भी हैं। इसमें मेरा चरित्र मेरे अब तक किये गए चरित्रों से पूर्णतया भिन्न है। उन्होंने मेरे बारे में सोचा और देखना चाहते थे कि क्या मैं चरित्र के लिए उपयुक्त हूं। मैं ये जानकर अत्यंत उत्साहित था कि चलो कोई तो है जो मुझे नकारात्मक रोल के लिए उपयुक्त मानता है। इसके अलावा ये सीरीज़ दानिश असलम द्वारा निर्देशित है अत: इसे अस्वीकार करने का तो कोई प्रश्न ही नहीं था।

■ **आप इसमें नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। क्या ऐसी भूमिका के लिए लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे थे?**

नहीं मैं किसी नकारात्मक भूमिका की प्रतीक्षा नहीं कर रहा था बल्कि मैं मेरे अब तक किये गए रोल से भिन्न कुछ करना चाह रहा था। अतीत में मैंने अधिकांशतया हास्य भूमिकाएं ही अधिक की हैं। लोग भी मुझसे ऐसे ही सरल स्वभाव वाली भूमिकाओं की अपेक्षा रखते हैं। मैं भी दिखाना चाहता था कि मैं अन्य प्रकार के रोल भी कर सकता हूं। मैं बल्कि नकारात्मक भूमिका का एक प्रयोग करके देखना चाहता था।

■ **आप इससे पहले तक गुजराती और बॉलिवुड फिल्में तथा शोज़ करते रहे हैं। इस वेब सीरीज़ के लिए आपने क्या सोचकर सहमति दी थी?**

मैंने इस सीरीज़ में अपनी भूमिका तथा कंटेंट आदि तत्वों को देखकर ही सहमति दी थी। इससे पहले भी मुझे कई वेब सीरीज़ ऑफर की गई थीं लेकिन वे सभी मेरे द्वारा अतीत में की गई भूमिकाओं से कुछ अधिक भिन्न नहीं थीं। उनके ऐसा कोई रोल नहीं था जिससे मैं प्रेरित होता। लेकिन इस वेब सीरीज़ लेश में मेरा रोल अलग है और यही कारण है कि मैं इसे करने के लिए अत्यंत उत्साहित हूं।

■ **ये 'स्कैम 92' किस बारे में है और इसमें आपकी क्या भूमिका रहने वाली हैं?**

इस सीरीज़ को निर्देशक हंसल मेहता निर्देशित करने वाले हैं। इसे 1992 के हर्षद मेहता घोटाले पर आधारित किया गया है। इसे बहुत शीघ्र ही सोनी लिव पर रिलीज़ किया जा सकता है। इसमें मेरा चरित्र यद्यपि छोटा सा है लेकिन ये तथ्य कि ये पूरी सीरीज़ वास्तविक जीवन पर आधारित है, सोचकर ही मैं उत्साहित हूं। ये रोल अत्यंत चुनौतीपूर्ण है क्योंकि ये वास्तविक घटनाओं पर आधारित है।

■ **आप अभिनय के क्षेत्र में कैसे आ गए?**

मैं जब छोटा था तभी से अभिनय प्रारंभ कर दिया था। लेकिन तब इतना काम नहीं हुआ करता था। ये पिकनिक जैसा लगता था। अपने कॉलेज के दिनों से ही मैं थियेटर करता आ रहा हूं। उन्हीं दिनों मुझे अभिनय के बारे में गहन जानकारी मिली। लेकिन स्नातक के बाद ही मैंने व्यावसायिक स्तर पर इसे अपनाने का निर्णय लिया।

■ **आपके अनुसार इस इंडस्ट्री में सर्वाधिक महत्वपूर्ण परिवर्तन क्या है?**

मैं इतना ही कहूंगा कि सोशल मीडिया का ही सर्वाधिक प्रभाव रहता है। मैं एक व्यक्ति हूं अत: कई लोग सोशल मीडिया पर फालोइंग देखकर ही मिलने की योजना बनाते हैं। ऐसे में हम जैसे लोगों के लिए काम करना और कठिन हो जाता है। ये कहना भी सही नहीं है कि सभी लोग ऐसा करते हैं लेकिन फिर भी ऐसे लोगों की संख्या काफी है। आपको आपकी प्रतिभा के लिए चयनित नहीं किया जाता बल्कि ये देखा जाता है कि क्या मैं उनके बजट में फिट हूं।

मैं जब छोटा था तभी से अभिनय प्रारंभ कर दिया था। लेकिन तब इतना काम नहीं हुआ करता था। ये पिकनिक जैसा लगता था। अपने कॉलेज के दिनों से ही मैं थियेटर करता आ रहा हूं। उन्हीं दिनों मुझे अभिनय के बारे में गहन जानकारी मिली। लेकिन स्नातक के बाद ही मैंने व्यावसायिक स्तर पर इसे अपनाने का निर्णय लिया।

■ **क्या इसका ये अर्थ है कि अभी आपको फिल्म इंडस्ट्री की मान्यता नहीं मिली है?**

जी हां, मैं ऐसा ही सोचता हूं। अभी मैंने केवल आधा रास्ता ही तय किया है और अभी मुझे बहुत दूर जाना शेष है।

■ **क्या ऐसा कोई रोल है जिसे करने की आपकी बहुत इच्छा है?**

मैंने वाईआरएफटेलिविज़न के लिए कई भूमिकाएं निभाई हैं। 2010 में रिश्ताडॉटकॉम के लिए मैंने हुज़ैफा अली का चरित्र किया था। इसके अलावा मेरा फातमागुल का रोल मुझे अत्यंत प्रिय है जो एक टर्की की सीरीज़ है।

■ **आप कॉमेडी पहले भी करते रहे हैं और अब आप नकारात्मक भूमिकाओं की ओर जा रहे हैं। इनमें से आपको क्या अधिक प्रिय है?**

मैं कॉमेडी स्वाभाविक रूप में कर लेता हूं। ये मेरा पहला प्यार भी कहा जा सकता है। जब मैं छोटा था तब मैंने एक फिल्मी चक्कर किया था। मैंने सतीश शाह, रत्ना पाठक शाह तथा राजेश बेदी जैसे अभिनेताओं से काफी कुछ सीखा है। बचपन में मैं उन्हें बहुत ध्यान से देखा करता था। अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए मैं उन्हीं को पूरा श्रेय देना चाहता हूं।

■ **आगे आपकी क्या योजना है?**

ऐसे तो मैंने कई योजनाएं बनाई थीं। लेकिन फिर कोरोना महामारी ने उन परियोजनाओं को विलंबित कर दिया। लेकिन अब 'स्कैम 92' रिलीज़ होने वाली है। अभी हाल ही में मैंने इसकी डबिंग पूरी की है और अब ये निर्माण के बाद की अवस्था में है। ■

ट्रेंड बाजार

जॉन्सन ने गेट तोड़कर किया शक्ति प्रदर्शन

अभिनेता और पूर्व कुश्ती चैंपियन ड्वेन जॉन्सन ने अपने शारीरिक बल को प्रदर्शित करने के लिए अपने हाथों से ही गेट को उखाड़ डाला क्योंकि वो काम पर विलंब से नहीं पहुंचना चाहते थे। सोशलमीडिया पर बात करते हुए ड्वेन ने एक गेट का फोटो साझा किया जो धरती पर गिरा पड़ा था। उन्होंने इसके नीचे लिखा, 'ये मेरे लिए सही समय नहीं था। लेकिन प्रत्येक व्यक्ति को काम पर तो जाना ही है। हमारे यहां तूफान के कारण बिजली नहीं होती और ऐसे में मेरा सामने का गेट नहीं खुल सकता था। मैंने इसके हाइड्रॉलिक प्रणाली को बाइपास करने का प्रयत्न किया जो सामान्यतया हो जाता है, लेकिन इस बार ये नहीं हुआ और इसके बाद जो हुआ वो आपके सामने है।'

परिवार से ही विकसित होता है लड़कों का दृष्टिकोण

अभिनेत्री रीमा कागती का कहना है कि सभी लड़कों की मां होती हैं क्या ऐसा नहीं है? ऐसे में वे विपरीत लैंगिक पहचान वाले लोगों से मिलते और व्यवहार करते ही हैं। हमें अपने यहां एंटी मैरिटल रेप के संबंध में भी कानून लाना होगा। यदि आपने बड़े होते समय अपनी मां को विकल्प उपलब्ध है ऐसा देखा है और यदि उसकी राय भी सार्थक होती थी तो आप दूसरी महिलाओं के लिए भी अपना यही दृष्टिकोण रखेंगे।

सभी को ड्रग्स का आदी बताना अर्धसत्यः श्वेता

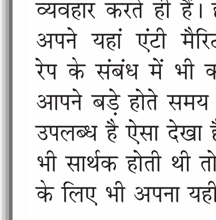

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी का कहना है कि यदि आप ये कहते हैं कि बॉलिवुड में अधिकांश लोग ड्रग्स लेते हैं तो ये अनुचित सामान्यीकरण होगा। उनके अनुसार ऐसा मानना अर्धसत्य होगा। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि बॉलिवुड के बारे में जो धारणा बनी है कि यहां अधिकतर लोग ड्रग्स के आदी होते हैं और अभिनेत्रियो रोल पाने के लिए लोगों के साथ सो रही हैं और बाहरी लोगों को यहां अपना स्थान बनाने के लिए अधिक परिश्रम तथा संघर्ष करना पड़ता है और उन्हें अच्छी स्क्रिप्ट नहीं मिलतीं, तो ये केवल आधा सच है। तो आप समझ लें कि बॉलिवुड में ऐसे काम नहीं चलता। मेरी बात पर विश्वास कीजिये, कोई भी आपके मुंह में ड्रग्स डालने नहीं आता। यदि कोई युवा ड्रग्स की दुनिया में जाना चाहता है तो वो ये कैसे भी करेगा, फिर चाहे वो मुंबई हो या कोई और स्थान।'

आगरा में 188 दिनों बाद पर्यटकों के लिए खुला ताजमहल

भाषा। आगरा

आगरा में 188 दिनों बाद सोमवार को ताजमहल को पर्यटकों के लिए खोल दिया गया। सबसे पहले चीन और दिल्ली के पर्यटकों ने ताजमहल का दीदार किया।कोरोना वायरस के मामले बढ़ने के बाद 17 मार्च से आगरा में ताजमहल और आगरा किला पर्यटकों के लिए बंद कर दिए गए थे। ताजमहल के खुलने पर पूर्वी प्रवेश द्वार से चीनी पर्यटक एल चीया और पश्चिमी गेट से दिल्ली के शुभम सिंह ने प्रवेश किया। ए दोनों ताजमहल का सबसे पहले दीदार करने वाले पर्यटक रहे। चीनी पर्यटक चीया ने ताजमहल को बहुत खूबसूरत इमारत बताया, वहीं दिल्ली के पर्यटक शुभम सिंह भी ताज का दीदार कर खुश नजर आए। स्पेन निवासी नईस ने बताया कि ताजमहल देखने के लिए वह बहुत आतुर थीं अब जाकर उनकी यह तमन्ना पूरी हुई है। दिल्ली निवासी रीतू ने कहा कि वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ ताजमहल देखने पहुंची हैं। इससे पहले ताजमहल के भीतर सैनिटाइजेशन का काम किया गया। इस कार्य का जायजा अधीक्षण पुरातत्वविद बसंत कुमार स्वर्णकार ने किया। ताजमहल के खुलने से पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों में खुशी का माहौल है। गाइड नितिन सिंह ने कहा कि शीघ्र ही ताजमहल में पहले की तरह सैलानी आने लगेंगे और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को फायदा होगा। आगरा में सोमवार से ताजमहल, आगरा का किला और अन्य धार्मिक स्थल खुल गए हैं। हालांकि एम्पोरियम नहीं खोले गए हैं। ताज का दीदार करने आ रहे पर्यटकों को कोविड-19 के मद्देनजर प्रशासन और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा जारी दिशानिर्देशों का भी पालन करना होगा। नए दिशानिर्देश के मुताबिक ताजमहल में एक दिन में अधिकतम पांच हजार और आगरा किला में अधिकतम 2,500 पर्यटकों को ही प्रवेश मिलेगा।

पर्यटकों को एएसआई की वेबसाइट से ऑनलाइन टिकट बुक करनी होगी। स्मारकों पर क्यूआर कोड को स्कैन करने के बाद प्रवेश दी जा रही है। इस संबंध में पुरातत्व विभाग के अधिकारियों का कहना है कि ताजमहल और आगरा किला में मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन किया जा रहा है।पर्यटकों को पार्किंग समेत सभी भुगतान डिजिटल माध्यम से करने होंगे। पर्यटकों के लिए शारीरिक दूरी का पालन करना और मास्क लगाना अनिवार्य होगा। पर्यटकों को दीवारों व रेलिंग से दूर रहना होगा। स्मारक में प्रवेश से पूर्व पर्यटकों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है। बिना लक्षण वाले पर्यटकों को ही परिसर में प्रवेश करने की अनुमति है। स्मारकों पर मौजूद रजिस्टर में सभी पर्यटकों का विवरण दर्ज किया जाएगा। एएसआई स्मारक के किसी भी आंतरिक भाग में प्रवेश रोक सकेगा। स्मारक में समूह में तस्वीर खिंचने की अनुमति नहीं होगी।

हस्तशिल्प एंपोरियम 30 सितंबर तक बंद रहेंगे। एंपोरियम संचालकों ने कोरोना वायरस संक्रमण और विदेशी पर्यटकों के नहीं आने पर हस्तशिल्प एंपोरियम 30 सितंबर तक बंद रखने का निर्णय लिया है।

एमी पुरस्कार समारोह में स्चिट्स क्रीक, सक्सेशन और वॉचमैन को मिले बड़े पुरस्कार

भाषा। लॉस एंजिलिस

कोरोना महामारी के बीच मनोरंजन की दुनिया के बड़े समारोहों में शामिल एमी अवार्ड-2020 का आयोजन ऑनलाइन किया गया। कॉमेडी श्रेणी में स्चिट्स क्रीक, ड्रामा श्रेणी में सक्सेशन और लिमिटेड सीरिज की श्रेणी मे वॉचमैन ने शीर्ष पुरस्कार हासिल किए हैं।

यह समारोह पहले माइक्रोसॉफ्ट थिएटर में आयोजित होने वाला था लेकिन आयोजकों ने जुलाई में घोषणा की थी कि इसका आयोजन जिमी किमेल की मेजबानी में ऑनलाइन होगा। किमेल 2012, 2016 के बाद तीसरी बार इसकी मेजबानी कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में किमेल के एकल संचालन में फर्जी हंसी को भी पीछे से जोड़ा गया था ताकि यह लाइव जैसा दिख सके। वहीं पुराने समारोहों के वीडियो भी जोड़े गए थे।

कॉमेडी सेक्शन में सभी शीर्ष पुरस्कार अपने नाम करके स्चिट्स क्रीक ने इतिहास रचा है। बेहतरीन कॉमेडी सीरिज के पुरस्कार से लेकर मुख्य अभिनेता और अभिनेत्री का पुरस्कार भी इस सीरिज के ही ओगेंस लेवी और कैथरीन ओ हारा ने अपने नाम किया। वहीं स्चिट्स क्रीक के ही कलाकारों को बेहतरीन सह अभिनेता और अभिनेत्री का पुरस्कार भी मिला है। एचबीओ शो सक्सेशन का दबदबा ड्रामा श्रेणी में देखने को मिला। उसकी झोली में सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरिज, लेखन, निर्देशन का पुरस्कार आया। इसके निर्देशन के लिए एंड्रिज पारेख को पुरस्कार से नवाजा गया। भारतीय मूल के सिनेमेटोग्राफर ने कहा, वैसे लोग जो अपने सहपाठी को पसंद नहीं करते हैं और उन्हे बाहरी बताते हैं...यह सबूत है कि आप ताल्लुक रखते हैं और यह एमी हमारा है।

वहीं लिमिटेड सीरिज श्रेणी में एचबीओ का वॉचमैन अपना जलवा कायम करने में सफल रहा। उसकी झोली में सर्वश्रेष्ठ लिमिटेड सीरिज पुरस्कार के साथ ही सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार भी आया।

हिंदी फिल्मोद्योग के बारे में टीवी समाचार चैनलों पर नकारात्मक धारणा बनाई गई है : अनुभव

भाषा। मुम्बई

फिल्मकार अनुभव सिन्हा का कहना है कि हिंदी फिल्मोद्योग के बारे में टेलीविजन समाचार चैनलों पर नकारात्मक धारणा बनाई गई है और प्रशंसकों के बीच उसका कोई महत्व नहीं है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद से लेकर अब कथित ड्रग व्यसन को लेकर बवंडर उठ खड़ा हुआ है। टीवी चैनलों की रिपोर्टिंग कई लोगों को खटकने लगी है और वे इसे असंवेदनशील एवं दखल बताने लगे हैं। पिछले कुछ महीनों से बॉलीवुड के बारे में टीवी की खबरों के आलोचक रहे सिन्हा ने कहा, इन टीवी चैनलों की टीआरपी देखिए। उनकी कोई अहमियत ही नहीं है। नकारात्मकता केवल टीवी खबरिया चैनलों पर है। क्या आपको लगता है कि सड़कों पर प्रशंसक कुछ भिन्न महसूस करने लगे हैं? नहीं। फिल्म थप्पड़ के निर्देशक ने कहा कि दर्शक समझने लगे है कि कैसे एजेंडा लगातार बदलता जा रहा है। उन्होंने कहा, वे इन समाचार चैनलों की खबरों के जरिए देख सकते हैं। वे देख सकते है कि कैसे ए चैनल अपना लक्ष्य हत्या से लेकर ड्रग, तो कभी किसी के गायब होने तक बदल रहे हैं। काम के मोर्चे पर सिन्हा अपने संगीत वीडियो बंबई में का बा के लोकप्रिय होने से खुश हैं। इस भोजपुरी रैप को डॉ. सागर ने लिखा है, इसका संगीत अनुराग सैकिया ने तैयार किया है तथा अभिनेता मनोज वाजपेई ने इसे गाया है। इसमें मुम्बई जैसे शहर में प्रवासी श्रमिकों की अपनी जीविका को लेकर जद्दोजहद को बयां किया गया है।

रोमिला थापर ने अपनी नई किताब में असहमति के इतिहास को टटोला

नई दिल्ली। इतिहासकार रोमिला थापर अगले महीने एक ऐतिहासिक निबंध लेकर आएंगी जो देश में हाल में हुए विरोध प्रदर्शनों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए खास रूपों में इसकी अभव्यक्ति और सार्वजनिक प्रतिक्रिया सहित असहमति को टटोलेगा। वॉयसेज ऑफ डिसेंट शीर्षक वाली इस किताब का प्रकाशन पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया और सीगल बुक्स मिलकर कर रहे हैं। यह किताब बिक्री के लिए दुकानों पर 19 अक्टूबर से उपलब्ध होगी। प्रकाशकों ने कहा कि उप महाद्वीप में असहमति का लंबा इतिहास रहा है भले ही सदियों से इसका स्वरूप विकसित और बदलता रहा हो। थापर ने असहमति पर स्पष्टता रखते हुए इसके अहिंसक रूपों पर ध्यान केंद्रित किया जो सभी समाज के लिए आवश्यक है और यह भारतीय ऐतिहासिक अनुभवों के हिस्से के तौर पर विभिन्न मौकों और संदर्भों से जुड़े हुए हैं।

ऋचा चड्ढा ने मीटू मामले में अपना नाम लिए जाने पर कानूनी कार्रवाई शुरू की

मुंबई। फिल्म अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने सोमवार को कहा कि फिल्मकार अनुराग कश्यप पर आरोपों से संबंधित मामले में अभिनेत्री पायल घोष द्वारा उनका नाम लिए जाने पर वह कानूनी कार्वाई शुरू कर रही हैं। घोष ने शनिवार को कश्यप पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था और निर्देशक ने इस आरोप को निराधार बताया था। उन्होंने यह दावा भी किया था कि कश्यप के ऋचा चड्ढा सहित अन्य महिला कलाकारों के साथ अंतरंग संबंध रहे हैं। चड्ढा ने इस मामले में ट्विटर पर अपनी वकील सवीना बेदी सच्चर के बयान को साझा किया। बयान में वकील ने कहा है, मेरे मुवक्किल ने उचित कानूनी कार्वाई शुरू की है और वह अपने कानूनी अधिकारों का उपयोग करेंगी।

गौरतलब है कि घोष ने अपना ट्वीट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टैग करते हुए कश्यप के खिलाफ कार्वाई की मांग की थी। घोष ने ट्वीट में कहा था, अनुराग कश्यप ने मेरे साथ बुरी तरह जबर्दस्ती की। प्रधानमंत्री कार्यालय और नरेन्द्र मोदी जी कार्वाई कीजिए तथा देश इस रचनात्मक व्यक्ति में छिपे शैतान को देखे। मुझे पता है कि यह मुझे नुकसान पहुंचा सकता है और मेरी सुरक्षा को खतरा है। कृपया मदद कीजिए। घोष के इन आरोपों को फिल्मकार अनुराग कश्यप ने खारिज करते हुए इन्हें निराधार करार दिया। इस बीच, कश्यप की पूर्व पत्नियों-फिल्म संपादक आरती बजाज और अदाकारा कल्कि ने फिल्मकार का समर्थन किया है। इसके अलावा अभिनेत्री तापसी पन्नू, हंसल मेहता, मोहम्मद जीशान अयूब सहित अन्य लोग भी कश्यप के समर्थन में सामने आए हैं।

सभी फिल्म सिटीज़ की हो एक सामूहिक पहचानः कंगना

अभिनेत्री कंगना रानौत का कहना है कि वो सभी राज्यों की फिल्म इंडस्ट्री की एक सामूहिक पहचान चाहती हैं।

उनका ये वक्तव्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी फिल्म सिटी बनाने की योजना सामने आने के बाद आया है।

उन्होंने अपने एक ट्वीट में कहा, 'मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की इस घोषणा का स्वागत करती हूं। हमें फिल्म इंडस्ट्री में कई सुधार करने होंगे। हमें पहले एक बड़ी फिल्म इंडस्ट्री चाहिये जिसे हम भारतीय फिल्म उद्योग कह सकें। क्योंकि हम कई पहलुओं में विभाजित हैं और ऐसे में हॉलिवुड फिल्मों को इसका लाभ मिल जाता है। हमारा उद्योग एक हो लेकिन वो कई फिल्म सिटीज़ में स्थापित हो।' उन्होंने ये भी कहा कि अच्छी क्षेत्रीय फिल्मों को भी अखिल भारतीय रिलीज़ नहीं मिल पाती। लेकिन डबिंग वाली हॉलिवुड फिल्मों को मुख्यधारा की रिलीज़ मिल जाती है। उनके अनुसार ये रुझान हमारे लिए चेतावनी है।